शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 347 | गुवाहाटी | रविवार, 16 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

खाकी पर दाग लगाने वालों को डीजीपी की चेतावनी पेज 3
भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की यूएई यात्रा पर भारत के रंग में रंगा बुर्ज खलीफा पेज 4
उप्र में 18 और 20 जुलाई को फिर आयोजित होगा नियुक्ति पत्र वितरण... पेज 5
नहीं सहेगा राजस्थान आंदोलन की शुरुआत एक अगस्त को जयपुर में महाआंदोलन पेज 8

असम कैबिनेट में फिलहाल कोई फेरबदल नहीं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को अपने मंत्रालय में किसी भी फेरबदल से इनकार किया, लेकिन इस बात की भी जानकारी दी कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद और 2026 के राज्य विधानसभा चुनाव से पहले *बड़े बदलाव* होंगे। साथ ही डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है और उन्हें पूर्वोत्तर राज्य में बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव तक असम कैबिनेट में कोई फेरबदल नहीं होगा। हालांकि, लोकसभा चुनाव के बाद और (2026) विधानसभा चुनाव से पहले निश्चित रूप से बड़े बदलाव होंगे। शर्मा ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम इकाई के नेतृत्व में किसी भी बदलाव की संभावना से भी इनकार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की राज्य इकाई का अध्यक्ष आम तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करता है। एक अध्यक्ष का एक निश्चित कार्यकाल होता है। बीच में कोई बदलाव नहीं होता है। असम में विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के चल रहे परिसीमन अभ्यास के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा कि इसका कोई विरोध नहीं है, उन्होंने कहा कि कुछ निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण और नाम बदलने से संबंधित कुछ मुद्दे सामने आए हैं और इन सभी पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिकायतों के बाद आवश्यक संशोधन करने के लिए चुनाव आयोग को निर्वाचन क्षेत्रों की एक सूची सौंपी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिसीमन के मसौदे के बाद जो मुद्दे सामने आए हैं, उन्हें अगर चुनाव आयोग के समक्ष रखा जाएगा तो 99 प्रतिशत हल हो जाएंगे। उधर दिल्ली में बाढ़ जैसी स्थिति के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा कि शहरी बाढ़ महानगरीय शहरों में एक घटना है परंतु असम की राजधानी गुवाहाटी में ऐसी कोई अपवाद नहीं है। भाजपा नेता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की राज्य की पिछली यात्रा के दौरान असम बाढ़ पर उनकी टिप्पणियों के लिए उन पर कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने कहा था कि वह मुझे दिल्ली दौरे के लिए आमंत्रित करेंगे। मैं छह महीने से उनके निमंत्रण का इंतजार कर रहा हूं ताकि देख सकूं कि उन्होंने राजधानी में किस तरह का विकास किया है। वहीं शाह के साथ अपनी मुलाकात के दौरान, शर्मा ने गृह मंत्री को राज्य में बाढ़ की स्थिति और उससे निपटने के लिए उनकी सरकार द्वारा अपनाए गए राहत और पुनर्वास उपायों के बारे में जानकारी दी। राज्य सरकार द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने असम के लिए राज्य आपदा कोष से 340 करोड़ रुपए जारी करने के लिए गृह मंत्री को धन्यवाद दिया। शर्मा ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ को रोकने को लेकर नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में बाढ़ की समस्या को लेकर नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। उन्होंने शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि बरसात के दिनों में गुवाहाटी शहर के पानी को शहर के अलग-अलग हिस्सों में स्थित बिलों (झीलों) में जमा करने का प्रयोग किया जा रहा है। जिसे बरसात के बाद ब्रह्मपुत्र में छोड़ा जाएगा। इस बार प्रयोग के तौर पर पश्चिम गुवाहाटी स्थित विश्व प्रसिद्ध दिपर बिल में गुवाहाटी का पानी छोड़ा गया है। यही वजह है कि शहर के अंदर इस बार कृत्रिम बाढ़ की स्थिति उत्पन्न नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में परिसीमन प्रक्रिया का कोई विरोध नहीं है : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में परिसीमन प्रक्रिया का कोई विरोध नहीं है। केवल विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण और नाम बदलने से संबंधित कुछ मुद्दे सामने आए हैं और यह सब भारत के चुनाव आयोग की आगामी यात्रा के दौरान उठाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने आवश्यक संशोधन करने के लिए शिकायतों के बाद चुनाव आयोग को निर्वाचन क्षेत्रों की एक सूची सौंपी है। उन्होंने कहा कि परिसीमन के मसौदे के बाद जो मुद्दे सामने आए हैं, उन्हें अगर चुनाव आयोग के समक्ष रखा जाएगा तो 99 फीसदी हल हो जाएंगे। परिसीमन प्रस्ताव के मसौदे पर भारतीय निर्वाचन आयोग को लगभग 500 सुझाव/आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। इसपर आयोग सार्वजनिक -शेष पृष्ठ दो पर

यूसीसी : अरुणाचल ने भी जताई आपत्ति

इटानगर। भाजपा शासित राज्य अरुणाचल प्रदेश ने भी समान नागरिक संहिता पर आपत्ति जताई है। अरुणाचल में 26 समुदायों के संयुक्त मंच, अरुणाचल इंडिजिनस ट्राइब्स फोरम ने विधि आयोग को पत्र भेजकर कहा कि 26 मुख्य और लगभग 100 उप-जनजातियों वाले राज्य अरुणाचल में विभिन्न पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है। इसलिए सभी पर समान नागरिक नियम नहीं थोपे जाने चाहिए। उनका कहना है कि *मुख्यभूमि* में समान नियम लागू करने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अरुणाचल की आदिवासी सरदारी को इसके दायरे से -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षा ही विकास और समानता का वाहक है : बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली परिसर में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की एक प्रतिमा का अनावरण किया और छात्रों को संबोधित किया। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि आजादी की शुरुआत में हमारे संविधान निर्माताओं के सामने चुनौतियां बहुत बड़ी थीं। भारत न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा था, बल्कि साक्षरता का स्तर भी बहुत कम था। यह मानते हुए कि शिक्षा और सामाजिक न्याय नवोदित लोकतंत्र की प्रगति के लिए सर्वोपरि हैं, बाबासाहेब ने लोगों के जीवन में उनके महत्व पर जोर दिया। यह उल्लेख करते हुए कि बाबासाहेब का विचार था कि ज्ञान और शिक्षा सामाजिक और आर्थिक विकास के साधन हैं, बिरला ने उन चुनौतियों को याद किया, जिनका सामना बाबासाहेब को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए करना पड़ा था। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि अपने दृढ़ संकल्प और समर्पण के माध्यम से ही बाबासाहेब ने राष्ट्र निर्माता का दर्जा हासिल किया और हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। बिरला ने कहा कि बाबासाहेब ने शिक्षा को एक सामाजिक क्रांति के रूप में देखा -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

हिमंत के सब्जी वाले बयान पर भड़के ओवैसी

नई दिल्ली। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार रात सब्जियों की बढ़ती कीमतों के लिए मुस्लिम विक्रेताओं को जिम्मेदार ठहराने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि शायद वे अपनी व्यक्तिगत विफलताओं का दोष भी *मिया भाई* पर मढ़ते हैं। सीएम शर्मा ने शुक्रवार को यह दावा करके एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया कि मुस्लिम सब्जी विक्रेता सब्जियों की कीमतें बढ़ा रहे हैं और अगर *असमिया लोग* सब्जियां बेचते, तो वे कभी भी *अपने असमिया लोगों* से अधिक शुल्क नहीं लेते। -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय सीमा मुद्दे पर हुई बैठक

लोगों की राय लेकर ही उठाए जाएंगे आवश्यक कदम : पटवारी

पूर्वी जयंतिया हिल्स (हि.स.)। असम-मेघालय सीमा मुद्दे पर शनिवार को मेघालय के उमकियांग में असम और मेघालय के अधिकारियों के बीच एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। कछार के दो दिवसीय दौरे पर आए वन एवं पर्यावरण मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने मेघालय के उपमुख्यमंत्री स्नियाभलंग डार की उपस्थिति में बैठक में भाग लिया। बैठक मेघालय के उमकियांग में होली क्रॉस एचएस स्कूल के सभागार हॉल में आयोजित की गई थी। बैठक में कछार के उपायुक्त रोहन कुमार झा और पूर्वी जयंतिया हिल्स के उपायुक्त अभिलाष बरनवाल, दोनों जिलों के पुलिस अधीक्षक और विभिन्न विभागों के अधिकारी, मेघालय के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। दोनों राज्यों के कछार और पूर्वी जयंतिया हिल्स जिलों के बीच सीमा मुद्दे पर सौहार्दपूर्ण माहौल में बैठक हुई। अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए मेघालय के उपमुख्यमंत्री और असम के वन मंत्री ने कहा कि असम और मेघालय दोनों सरकारें असम और मेघालय के दो जिलों के बीच सीमा मुद्दे को हल करने के लिए बहुत उत्सुक हैं और बैठक में इस मामले पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि दोनों -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बंगाईगांव जिले में हो रहा नदी का कटाव, खतरे में स्थानीय लोग

बंगाईगांव। असम में भी इस समय बाढ़ के हालात हैं। लोगों को बाढ़ के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ के साथ-साथ, असम के बंगाईगांव जिले के बासबारी क्षेत्र के स्थानीय लोग अब बड़े पैमाने पर नदी कटाव की समस्याओं से जूझ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाल के दिनों में एआईई नदी द्वारा उनके घरों और जमीनों को निगल लेने के बाद लगभग 30-40 परिवार बेघर हो गए हैं। हाल के दिनों में, एआईई नदी ने एक बाजार क्षेत्र, लगभग 40 घर, एक मंदिर, एक मस्जिद और कई बीघे कृषि भूमि को बर्बाद कर दिया। नदी के भारी कटाव के कारण कई ग्रामीणों को बासबाड़ी क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर होना -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मानहानि मामले में सूरत अदालत के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राहुल गांधी को इस साल मार्च में मानहानि मामले में कोर्ट ने दोषी ठहराया गया था और दो साल जेल की सजा सुनाई थी। इसके बाद राहुल ने गुजरात हाई कोर्ट का रुख किया था। हालांकि, गुजरात हाई कोर्ट ने अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग करने वाली राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी थी। मोदी सरनेम के संबंध में 2019 -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर के नेताओं संग खरगे ने बनाई आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति

नई दिल्ली। साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अभी से अपनी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पूर्वोत्तर के छह राज्यों के कांग्रेस नेताओं संग बैठक की। इसमें अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और सिक्किम की 11 लोकसभा सीटों को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार पर पूर्वोत्तर को लेकर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केंद्र की *एक्ट ईस्ट* नीति पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक्ट लीस्ट नीति बन गई है। इस बैठक में मणिपुर के हालात को लेकर मंथन किया गया। इस दौरान मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा और सिक्किम के नेताओं ने मणिपुर में *बिगड़ती* स्थिति पर चिंता व्यक्त की। वहीं, बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव-संगठन केसी वेणुगोपाल -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
स्वभाव का अतिक्रमण अत्यंत कठिन है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

घायल भाजपा कार्यकर्ता पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने किया पेशाब

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव हिंसा को लेकर देशभर में किरकिरी झेल रही पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस का एक और चेहरा सामने आया है। यहां पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा में घायल हुए भाजपा कार्यकर्ता पर तृणमूल के कार्यकर्ताओं ने पेशाब कर दिया है। आरोप है कि पश्चिम मिदनापुर जिले में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता का अपहरण कर लिया, उसके साथ मारपीट की और जब उसने पानी मांगा तो उसके चेहरे पर पेशाब कर दिया। सूत्रों ने शनिवार -शेष पृष्ठ दो पर

एडीआर विश्लेषण में खुलासा

44 फीसदी विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज

नई दिल्ली। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी एडीआर के एक हालिया विश्लेषण में दावा किया गया कि देशभर की राज्य विधानसभाओं में लगभग 44 फीसदी विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है। एडीआर और नेशनल इलेक्शन वॉच (न्यू) द्वारा किए गए विश्लेषण में देशभर में राज्य विधानसभाओं और केंद्रशासित प्रदेशों में वर्तमान विधायकों के स्व-शपथ पत्रों की जांच की गई। यह डेटा चुनावी हलफनामों से एकत्रित किया गया था, जो हालिया चुनाव लड़ने से पहले विधायकों ने दायर किए थे। विश्लेषण में 28 राज्य विधानसभाओं और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में सेवारत कुल 4,033 में से 4,001 विधायकों को शामिल किया गया है। जिस आधार पर एडीआर की रिपोर्ट सामने आई है। एडीआर के मुताबिक, विश्लेषण किए गए विधायकों में से 1,136 या लगभग 28 फीसदी ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों की घोषणा की थी। जिसमें हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित आरोप शामिल हैं। केरल में 135 में से 95 विधायकों यानी 70 फीसदी ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले -शेष पृष्ठ दो पर

संघ की बैठक में मणिपुर पर जताई गई चिंता

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक शनिवार को तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के ऊटी में संपन्न हुई। बैठक में संघ की शाखाओं को उनके सामाजिक दायित्वों के अनुरूप और अधिक सक्रिय करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा मणिपुर की वर्तमान स्थिति और हिमाचल, उत्तराखंड एवं दिल्ली में बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए संघ द्वारा चलाए जा रहे सेवा कार्य की समीक्षा की गई। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि बैठक में मणिपुर की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। मणिपुर में संघ के स्वयंसेवक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

डूरंड कप ट्रॉफियों का मंत्री नंदिता गार्लोसा ने किया अनावरण

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के खेल और युवा कल्याण मंत्री नंदिता गार्लोसा ने शनिवार को शहर स्थित एक होटल में भव्य समारोह के दौरान तीन शानदार डूरंड कप ट्रॉफियों का अनावरण किया। तीनों ट्रॉफियां शहर के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इस अवसर पर पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। भारतीय सेना द्वारा तीनों सेनाओं की ओर से आयोजित प्रसिद्ध डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट का 132वां संस्करण देश का एकमात्र कप टूर्नामेंट है जो भारतीय फुटबॉल के विभिन्न डिवीजनों की शीर्ष टीमों के साथ-साथ सर्विस टीमों को भी टक्कर देता है। यह 03 अगस्त को किक-ऑफ के लिए निर्धारित है। जिसमें गुवाहाटी नौ मैचों की मेजबानी करेगा। इसमें स्थानीय पक्ष नॉर्थ-ईस्ट यूनाइटेड एफसी (एनईयूएफसी) और नवोदित शिलांग लाजोंग के बीच नॉर्थ-ईस्ट डर्बी होगा, जो अगस्त की शाम को पहला खेल होगा। 04 अगस्त को एक क्वार्टर फाइनल नॉकआउट गेम सहित सभी खेल इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाएंगे। फाइनल 03 सितंबर को कोलकाता में निर्धारित है। गुवाहाटी लगातार दूसरे वर्ष डूरंड कप की मेजबानी करेगा। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री गोर्लोसा ने कहा कि असम हाल के दिनों में खेलों में असाधारण प्रगति कर रहा है। हमारे युवा एथलीट सभी विषयों में भारतीय टीमों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस संदर्भ में डूरंड कप जैसे प्रमुख राष्ट्रीय टूर्नामेंट के आयोजन से हमारे राज्य के युवा और प्रतिभाशाली फुटबॉलरों को और अधिक बढ़ावा मिलता है। क्योंकि, उन्हें अपनी पसंदीदा टीमों और सितारों को अपने सामने खेलते हुए देखने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि यह कोकराझार के हमारे भाइयों और बहनों के लिए भी बहुत खुशी की बात है कि डूरंड मेजबान शहर बनने वाला राज्य का यह दूसरा स्थान बन गया है। शीर्ष स्तरीय राष्ट्रीय फुटबॉल उनकी खूबसूरत भूमि पर आएगी। मंत्री ने कहा कि वे भारत और असम में विदेशी टीमों का स्वागत करती हैं। मुझे उम्मीद है कि उनका प्रवास शानदार रहेगा और टूर्नामेंट में सफलता मिलेगी। लेफ्टिनेंट जनरल कलिता ने भी सभा को संबोधित किया।

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचा परिवार

नगांव (हिंस)। जिले के कोलियाबर में आज हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक परिवार बाल बाल बच गया। जानकारी के अनुसार एक वेगनआर वाहन नियंत्रण खोने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गई। फोर लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार (एएस-02वी-8531) के पलट जाने के बावजूद परिवार के सभी सदस्य बच गए। यह भीषण सड़क हादसा कोलियाबर में हातियेखुवा कृष्णा ढाबा के पास हुआ। बताया जाता है कि परिवार कामपुर से तेजपुर के दरंग कॉलेज जा रहा था। परिवार के लोग अपनी बेटी की प्रवेश परीक्षा दिलाने आये थे। हालांकि, दुर्घटना के कारण परिवार के सदस्यों को मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने नलतली अस्पताल में घायलों को ईलाज के लिए भर्ती कराया। उलुवनी पुलिस मौके पर पहुंचकर इस संदर्भ में आगे की कार्यवाही कर रही है।

सौ फीसद सफल रहा पहला चरण बेहतरीन कंडीशन में है अंतरिक्ष यान

तिरुवनंतपुरम। चंद्रयान 3 की सफल लॉन्चिंग के बाद देश का हर नागरिक गर्व महसूस कर रहा है। चांद पर पानी की खोज के लिए गया ये यान 23 अगस्त को वहां लैंड करेगा। इस बीच चंद्रयान को लेकर नया अपडेट आया है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक एस उन्नीकृष्णन नायर ने अपडेट देते हुए बताया कि आज से ऑनबोर्ड थ्रस्टर्स को फायर किया जाएगा और चंद्रयान 3 को 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए पृथ्वी से दूर ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा, वाहन प्रणालियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। अंतरिक्ष यान को जो भी प्रारंभिक स्थितियां चाहिए थीं, हमने बहुत कुछ प्रदान किया है ठीक है और चूंकि प्रयोग का पहला चरण 100 सफल रहा है, अंतरिक्ष यान भी बहुत अच्छी कंडीशन में है। चंद्रयान-3 की मदद से इसरो चांद पर पानी और खनिज की मौजूदगी का पता लगाना चाहता है। अगर, दक्षिणी ध्रुव पर पानी और खनिज मिलता है, तो यह विज्ञान के लिए बड़ी कामयाबी होगी। नासा के अनुसार, चांद के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ है और यहां कई और प्राकृतिक संसाधन भी मिल सकते हैं। चंद्रयान-3 मिशन का बजट करीब 615 करोड़ रुपए है। यह चंद्रयान-2 के लिए आवंटित राशि से भी काफी कम है, क्योंकि पिछले मिशन के लिए 960 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया था।

गोलाघाट जिले के दोइगरुंग गांव पंचायत के कार्यालय में इंडियन पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) खाता खोलने के शिविर की एक झलक। इस अवसर पर गोलाघाट के जिला कृषि कार्यालय और गोलाघाट डाकघर के अधिकारी, कृषि सखियां और पशु सखियां उपस्थित थीं।

असम-अरुणाचल सीमा पर हाथी ने ली महिला की जान

उदालगुड़ी (हिंस)। हाथी के हमले में एक महिला की मौत हो गई। पुलिस द्वारा आज दी गई सूचना के मुताबिक यह दुखद घटना असम-अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती उदालगुड़ी जिले के हाजोगुरी गांव में हुई। मृतका की पहचान विजया किसान (बोड़ो) के रूप में हुई है। मृतक 50 वर्षीय महिला थी। शुक्रवार की देररात हाथी ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और महिला पर हमला कर दिया। नतीजतन, महिला की मौत हो गई। मौके पर पहुंची लालपानी पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए उदालगुड़ी सिविल अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

NIT No. AVD/MPA/2023/E-Auction/ 2649

RE-SALE

Short E-Auction Notice

Under the provisions of Rules 32. 33, 34, 35, 36 & 37 of the Assam Minor Mineral Concession Rules,2013, Bids are invited online in two bid systems (Technical and Financial) by the undersigned as Schedule-"A" of the Auction document from the registered Contractors/Firms/Societies/Individuals, etc. for award of the Contract/ Permit for the following Minor Mineral Concession Areas (Mahal).

Name of Mining Contract Area (MPA)	Contract period	Area (in HA)
AVD_ South Champa Mining Permit Area 4 of 2023-25	2 years	4.50

Details of E-Auction will be available on https://assamforestonline.in/index.php from 17.07.2023

Divisional Forest Officer
Aie Valley Division
Bongaigaon

-- Janasanyog /C/7002/23

पृष्ठ एक का शेष

असम कैबिनेट में ...

लाईफ मिशन के तहत असम में वृक्षारोपण के लिए एक करोड़ गुणवत्ता वाले पौधे खरीदने में उनकी मदद मांगी। यादव ने शर्मा को आश्वासन दिया कि वह इस उद्देश्य के लिए असम सरकार की सहायता जरूर करेंगे। साथ ही अगले दो-तीन दिनों में देहरादून से विशेषज्ञों को शामिल करने में मदद करेंगे। मालूम हो कि मुख्यमंत्री ने शुक्रवार शाम को दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से भी मुलाकात की और राष्ट्रीय राजधानी में एक मेगा सांस्कृतिक परिसर की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थान खोजने में उनकी मदद मांगी।

बाढ़ को रोकने को...

कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ को कम करने के लिए अलग-अलग तरीके से प्रयोग किए जा रहे हैं। भूटान से प्रत्येक वर्ष कुरिशो बांध से पानी छोड़ने की वजह से निचले असम में भीषण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। इस बार भूटान सरकार से बात करके पानी को एक तरीके से अलग-अलग चरणों में छोड़ने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के किनारे बने तटबंधों के ऊपर सड़कें बनाई गई हैं। जिस कारण इस बार तटबंधों के टूटने में कमी आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ की रोकथाम के लिए विभिन्न प्रकार के नए प्रयोग किए जा रहे हैं, जिसका परिणाम आने वाले दिनों में देखा जा सकता है।

राज्य में परिसीमन प्रक्रिया...

बैठकें आयोजित करेगा। इस संबंध में निर्धारित तिथि तक लगभग 500 सुझाव/आपत्तियां प्राप्त हो चुकी हैं। ये सभी आयोग के विचाराधीन हैं। अब, आयोग ने 20 जून, 2023 को प्रकाशित अपने मसौदा प्रस्ताव के संदर्भ में व्यक्तियों से प्राप्त सुझावों/आपत्तियों को सुनने के लिए असम में सार्वजनिक बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया है। बैठक 19 से 21 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। आयोग ने कहा कि जिन लोगों ने सुझाव/आपत्तियां प्रस्तुत की हैं और आयोग के समक्ष अपनी बात रखने के इच्छुक हैं, वे उपस्थित हो सकते हैं। प्रस्तावित मसौदे पर कई संगठनों और पार्टियों ने आपत्ति जताई है। मसौदे में काजीरंगा नामक संसदीय सीट का प्रस्ताव है। विधानसभा सीटों की संख्या 126 और लोकसभा सीटों की संख्या 14 बरकरार रखी गई है। मसौदा प्रस्ताव में 19 विधानसभा सीटें और 2 संसदीय सीटें एसटी के लिए, 9 विधानसभा सीटें और एक संसदीय सीट एससी के लिए आरक्षित हैं। चुनाव आयोग ने पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले में विधानसभा सीटों की संख्या एक और बोडोलैंड जिलों में तीन सीटें बढ़ाने का सुझाव दिया है। डीफू और कोकराझार संसदीय सीटें एसटी के लिए आरक्षित की गई हैं। चुनाव आयोग ने लखीमपुर संसदीय सीट को अनारक्षित बनाए रखने का भी प्रस्ताव दिया है। प्रस्तावों के मुताबिक, धेमाजी जिले में एक अनारक्षित विधानसभा सीट होगी। बराक घाटी के लिए दो संसदीय सीटें प्रस्तावित की गई हैं। कम से कम 30 मौजूदा विधानसभा क्षेत्रों का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा और 26 नए निर्वाचन क्षेत्र बनाए जाएंगे। इसी तरह चार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अब अपने वर्तमान स्वरूप में मौजूद नहीं रहेंगे। मालूम हो कि असम में अंतिम परिसीमन प्रक्रिया 1976 में की गई थी। राज्य में सभी विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन 2001 की जनगणना के आधार पर किया जाना है जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 170 और अनुच्छेद 82 में दिया गया है। इस प्रायोजन के लिए जनगणना आयुक्त द्वारा प्रकाशित 2001 की जनगणना के आंकड़ों पर ही विचार किया गया है। परिसीमन अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत, असम राज्य में निर्वाचन क्षेत्रों का अंतिम परिसीमन 1971 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर 1976 में तत्कालीन परिसीमन आयोग द्वारा किया गया था।

हिमंत के सब्जी ...

स्थानीय भाषा में *मिया* का तात्पर्य बंगाली भाषी मुसलमानों से है जो असम में रहते हैं लेकिन माना जाता है कि वे मूल रूप से बांग्लादेश से आए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि मिया व्यापारी गुवाहाटी में असमिया लोगों से सब्जियों की ऊंची कीमत वसूल रहे हैं, जबकि गांवों में सब्जियों की कीमत कम है। अगर आज असमिया व्यापारी सब्जियां बेच रहे होते, तो वे कभी भी अपने असमिया लोगों से अधिक शुल्क नहीं लेते। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष ओवैसी ने तीखा पलटवार किया। ओवैसी ने कहा कि देश में एक ऐसी मंडली (समूह) है जो अपने घर में भैंस के दूध न देने या मुर्गी के अंडे न देने पर भी मिया जी को दोष देगी। शायद वे अपनी *निजी* नाकामियों का ठीकरा भी मिया भाई पर फोड़ते हैं। एआईएमआईएम प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि पीएम और विदेशी मुसलमानों के बीच गहरी दोस्ती चल रही है। उनसे टमाटर, पालक, आलू आदि मांग कर काम चलायें। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख और धुबरी सांसद बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मिया मुसलमानों को गुवाहाटी में सब्जियां और *मसाला* बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीएम राज्य के मुखिया हैं और उनके मुंह से ऐसे शब्द निकलना ठीक नहीं लगता। उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। मुझे ये पसंद नहीं आया। यह सब करके वह मुसलमानों और असमिया लोगों के बीच विभाजन पैदा कर रहे हैं। अगर इन सबके बाद भी कोई घटना घटती है तो इसके लिए सरकार और सीएम शर्मा जिम्मेदार होंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धमकी भरे फोन कॉल करने और जबरन वसूली करने के आरोपी के आतंकी संबंध होने का पता चला है। महाराष्ट्र स्पेशल टास्क फोर्स के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि नितिन गडकरी को धमकी देने वाला आरोपी जयेश पुजारी वर्तमान में जेल में है। हमें उसके बारे में जांच कर के पता चला है कि आरोपी के संबंध अफसर पाशा से है।

यूसीसी : अरुणाचल ने ...

बाहर रखा जाना चाहिए। समान नागरिक संहिता पर पहले ही तीन ईसाई बहुल राज्यों मिजोरम, मेघालय और नगालैंड की सरकारों और विभिन्न संगठनों द्वारा आपत्तियां उठाई जा चुकी हैं। मिजोरम के राज्यसभा सांसद के वनलालवेना ने विधि आयोग को पत्र भेजकर कहा कि पूर्वोत्तर की जनजातियों पर एक समान नियम लागू करना अव्यावहारिक है। इसे कोई स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने एक कदम आगे बढ़ाते हुए दावा किया कि अंग्रेजों के आने से पहले मिजोरम कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था। अंग्रेजों के अधीन भी वे केवल 57 वर्ष तक थे और तब भी वे मुख्य भारत के अधीन नहीं थे। लेकिन 1947 में हमारी मातृभूमि को बिना किसी प्रशासनिक समझौते के नवगठित भारत में शामिल कर लिया गया। इसलिए मिजोरम का भारतीय रीति-रिवाजों और कानूनों से कभी कोई लेना-देना नहीं रहा। अब मिजोरम में समान नागरिक संहिता लागू करने का कोई सवाल ही नहीं है। हालांकि, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा ने केंद्र के साथ आपत्तियों पर चर्चा के बाद संवाददाताओं से कहा कि केंद्र पूर्वोत्तर के प्रभुत्व वाले क्षेत्र प्रस्तावित समान नागरिक संहिता से बाहर सभी ईसाई और आदिवासियों को साथ रखने के बारे में सोच रहा है।

लोगों की राय लेकर ...

जिलों के उपायुक्तों को विस्तृत रिपोर्ट एकत्र करने का निर्देश दिया गया है। मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने कहा कि लोगों की राय लेकर दोनों जिला आयुक्तों द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इससे पहले, खलीहरियात के सदर एसडीओ, अभिनव कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और कछार के डीसी रोहन कुमार झा और पूर्वी जयंतिया हिल्स के डीसी अभिलाष बरनवाल ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया। बैठक में लखीपुर (असम) के विधायक कौशिक राय, कछार के पुलिस अधीक्षक नुमल महत्ता, जिला विकास आयुक्त, कछार राजीव रॉय, वन विभाग के अधिकारी और अन्य उपस्थित रहे। बाद में, सिलचर पहुंचने के बाद, सर्किट हाउस में, वन मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने दोनों राज्यों के बीच सीमा मुद्दे को हल करने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों और पहल के बारे में मीडिया को जानकारी दी। पटवारी ने कहा कि कछार डीसी रोहन कुमार झा और उनके पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले के समकक्ष की उपायुक्त स्तर की समिति राताछेड़ा क्षेत्र में रहने वाले 37 परिवारों द्वारा मेघालय में विलय की मांग की समीक्षा करेगी।

शिक्षा ही विकास ...

था। इस बात पर जोर देते हुए कि शिक्षा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए, बिरला ने कहा कि इग्नू यह सुनिश्चित करने में सराहनीय सेवा कर रहा है कि शिक्षा समाज के सभी वर्गों के लिए समान रूप से उपलब्ध हो। बिरला ने शानदार विकास के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की, क्योंकि इग्नू अब उच्च शिक्षा में नामांकन के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसने न केवल भारत में बल्कि पूरे देश में और दुनिया भर के 53 देशों के 35 लाख से अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की है। बिरला ने प्रसन्नता व्यक्त की कि पिछले 38 वर्षों में इग्नू ने ऐसे छात्रों के लिए आशा की किरण बनकर खड़ा हुआ है, जो अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए नियमित कॉलेज जाने में असमर्थ हैं। इस संदर्भ में बिरला ने कहा कि इग्नू ने देश में उच्च शिक्षा के लोकतंत्रीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कह कि इग्नू ने महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अब महिलाओं को राष्ट्र और समाज निर्माण में समान योगदानकर्ता के रूप में देखा जाता है। बिरला ने शिक्षाविदों और प्रशासकों से शैक्षिक क्षेत्र में बदलावों को अपनाने और बदलते समय की उभरती जरूरतों के अनुसार एक प्रगतिशील पाठ्यक्रम तैयार करने का आग्रह किया। बिरला ने छात्रों को शिक्षा की उत्पादकता और गुणवत्ता में लगातार सुधार करने और ज्ञान और नवाचार आधारित क्षेत्रों में प्रगति करने के लिए विश्वविद्यालय के पास उपलब्ध विशाल शैक्षिक सामग्री का पूर्ण और सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह उल्लेख करते हुए कि आज के स्मार्ट शिक्षा के युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स जैसे नए सीखने के लिए अनेक रास्ते हैं, जो अब सभी के लिए उपलब्ध हैं, बिरला ने छात्रों से इनका अधिकतम उपयोग करने का आग्रह किया। इस मौके पर, बिरला ने इग्नू रिसर्च यूनिट का नाम सावित्रीबाई फुले रिसर्च यूनिट रखा। बिरला ने कहा कि सावित्रीबाई फुले एक ऐसी क्रांति की सूत्रधार रहीं, जिन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा और अधिकार सुनिश्चित किए। उनके संघर्ष का सुपरिणाम हैं कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। इस अवसर पर बिरला ने इग्नू प्रॉस्पेक्टस का ब्रेल संस्करण भी जारी किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह समावेशी शिक्षा प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

बंगाईगांव जिले में ...

पड़ा और वे अन्य स्थानों पर चले गए। बासबाड़ी इलाके के निवासी नरुत्तम मजूमदार ने बताया कि पिछले दो सालों में इलाके के लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। नरुत्तम मजूमदार ने कहा कि नदी के कटाव के कारण लगभग 30-40 परिवारों ने अपने घर खो दिए हैं और उनमें से कई ने यह क्षेत्र छोड़ दिया है। मेरा घर भी नदी के पास ही स्थित है। मुझे भी अब यह डर सताने लगा है कि नदी मेरे घर को निगल जायेगी और इसी कारण से मैं अब अपने घर को नष्ट कर रहा हूं। हम कहां जाएंगे, कहां रहेंगे। इस क्षेत्र के अधिकांश ग्रामीण मजदूर हैं और कुछ ग्रामीण छोटे व्यवसाय में लगे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले भी नदी एक मंदिर, एक मस्जिद और एक बाजार क्षेत्र को भी अपने साथ बहा ले गई। इसके साथ ही एक स्कूल भी बह गया। वहीं बसबारी गांव निवासी सद्दाम हुसैन ने कहा कि लोगों को अब काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सद्दाम हुसैन ने कहा कि नदी के कटाव के कारण 30 से अधिक घर जलमग्न हो गए। इससे पहले नदी ने इस क्षेत्र के मंदिर, मस्जिद और कई बीघे कृषि भूमि को निगल लिया था। इस क्षेत्र के लोग अब डर में जी रहे हैं। उधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार ने नदी कटाव रोकने के उपाय किए गए हैं, लेकिन मिट्टी का कटाव अब भी जारी है।

राहुल गांधी ने ...

कर्नाटक चुनाव रैली के दौरान की गई उनकी टिप्पणी के बाद, भाजपा गुजरात विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दायर किया गया था। सूरत कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी करार दिया था और जुर्माने के साथ दो साल की सजा सुनाई थी। सूरत जिला अदालत और गुजरात उच्च न्यायालय दोनों ने किसी भी तरह की राहत देने और दोषसिद्धि को रद्द करने से इनकार कर दिया था, साथ ही राहुल गांधी की निंदा भी की है। राहुल गांधी की टीम दोषसिद्धि को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट की ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि समाप्त होने का इंतजार कर रही थी। इस बीच, पूर्णेश मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दायर की है, जिसमें जोर देकर कहा गया है कि जब राहुल गांधी या कोई संबंधित पक्ष गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दे तो उनकी दलीलें भी सुनी जानी चाहिए। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा 2019 में दायर एक मामले में सूरत की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने 23 मार्च को राहुल गांधी को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 499 और 500 (आपराधिक मानहानि) के तहत दोषी ठहराते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। मामला गांधी की इस टिप्पणी से संबंधित था कि सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी क्यों होता है। यह टिप्पणी कर्नाटक के कोलार में 13 अप्रैल 2019 को की गई थी।

पूर्वोत्तर के नेताओं ...

ने मणिपुर हिंसा पर कांग्रेस का स्टैंड भी साफ किया। उन्होंने मणिपुर को लेकर पीएम की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मणिपुर के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ी है। साथ ही मणिपुर के लोगों के प्रति अपने समर्थन और सहानुभूति को रेखांकित किया है। पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ एकजुटता से खड़ी है। पीएम मोदी से पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मणिपुर पर प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं ? हमें स्पष्टीकरण की आवश्यकता है ! बता दें कि मई की शुरुआत से ही मणिपुर में विशेषकर कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक झड़पें देखी जा रही हैं। इसके बाद हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हिंसा प्रभावित राज्य मणिपुर का दौरा भी किया था इस दौरान कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने विपक्षी एकता की चल रही कवायद पर भी बयान दिया। उन्होंने बेंगलुरू में होने वाली विपक्ष की बैठक को पटना बैठक की सार्थक निरंतरता बताया। इस दौरान खरगे ने आरोप लगाया कि भारत, आज भाजपा की विभाजन और कलह की शातिर राजनीति का हमला देख रहा है। समुदायों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जा रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला हो रहा है। मौलिक अधिकारों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि कांग्रेस सरकारों द्वारा स्थापित शांति और प्रगति की ठोस नींव को व्यवस्थित रूप से नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्वोत्तर में कांग्रेस पार्टी द्वारा लागू की गई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को भाजपा फर्जी श्रेय लेने के लिए हथिया रही है। इस दौरान खरगे ने इस बात पर जोर दिया कि अब कांग्रेस के प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता के लिए सभी को एकजुट करने का समय आ गया है।

44 फीसदी विधायकों के ...

घोषित किए हैं। इसी प्रकार बिहार में 242 विधायकों में से 161 (67 फीसदी), दिल्ली में 70 में से 44 विधायक (63 फीसदी), महाराष्ट्र में 284 में से 175 विधायक (62 फीसदी), तेलंगाना में 72 विधायक 118 विधायकों (61 प्रतिशत) और तमिलनाडु में 224 विधायकों में से 134 (60 प्रतिशत) ने अपने हलफनामों में स्वयं घोषित आपराधिक मामलों का जिक्र किया है। इसके अलावा एडीआर ने बताया कि दिल्ली में 70 में से 37 विधायक (53 प्रतिशत), बिहार में 242 में से 122 विधायक (50 प्रतिशत), महाराष्ट्र में 284 में से 114 विधायक (40 प्रतिशत), 79 में से 31 विधायक झारखंड में 39 प्रतिशत, तेलंगाना में 118 में से 46 विधायकों (39 प्रतिशत) और उत्तर प्रदेश में 403 में से 155 विधायकों (38 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों की घोषणा की थी। इस विश्लेषण में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों का भी जिक्र है। रिपोर्ट के मुताबिक, 114 विधायकों ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की घोषणा की है, जिनमें से 14 ने अपने खिलाफ आईपीसी धारा 376 के मामलों की घोषणा की। विश्लेषण में आपराधिक रिकॉर्ड के अलावा विधायकों की संपत्ति की भी जांच की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य विधानसभाओं में प्रति विधायक औसत संपत्ति 13.63 करोड़ रुपए आंकी गई। हालांकि, घोषित आपराधिक मामलों वाले विधायकों की औसत संपत्ति 16.36 करोड़ रुपए से अधिक है, जबकि बिना आपराधिक मामलों वाले विधायकों की औसत संपत्ति 11.45 करोड़ रुपए आंकी गई।

संघ की बैठक में ...

समाज के प्रबुद्ध लोगों के साथ मिलकर शांति तथा परस्पर विश्वास का वातावरण बनाने तथा पीड़ितों की आवश्यक सहायता करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। बैठक में संघ स्वयंसेवकों द्वारा पीड़ित लोगों के लिए चल रहे सहायता कार्यों को और अधिक व्यापक करने पर विचार हुआ। समाज के सभी वर्गों से अनुरोध किया गया कि परस्पर सौहार्द एवं शांति स्थापित करने के प्रयासों को गति दें। इसके साथ ही स्थायी शांति एवं पुनर्वास के लिए सरकार से हरसंभव कार्रवाई करने का आह्वान भी किया गया। बैठक में हाल ही में हिमाचल के मंडी, कुल्लू आदि जिलों, उत्तराखंड एवं दिल्ली में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए संघ द्वारा चलाए जा रहे सेवा कार्य की समीक्षा की गई, तुरंत करणीय उपायों पर विचार किया गया। पिछले दिनों आई अन्य विपदाओं में किए गए कार्यों से विभिन्न प्रांतों द्वारा सभी को अवगत कराया गया। संघ की शाखाओं द्वारा सामाजिक दायित्वों के अनुरूप, उनके आसपास के क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार कई सारे सामाजिक एवं सेवा कार्य समय-समय पर किए जाते हैं। बैठक में ऐसे कार्यों के विवरणों के साथ अनुभवों का आदान-प्रदान भी हुआ तथा संघ की प्रत्येक शाखा को इस दिशा में अधिक सक्रिय करने पर योजना बनी है। बयान के अनुसार इस वर्ष 2023 में संघ के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष मिलाकर कुल 105 संघ शिक्षा वर्ग संपन्न हुए, जिसमें देशभर से कुल 21,566 शिक्षार्थी सहभागी रहे। इनमें 40 वर्ष की आयु से कम 16,908 तथा 40 से 65 आयु के 4658 शिक्षार्थियों ने भाग लिया। देशभर में 39,451 स्थानों पर संघ की कुल 63,724 दैनिक शाखाएं तथा अन्य स्थानों पर 23,299 साप्ताहिक मिलन एवं 9,548 मासिक मंडली चल रही है। बैठक में संघ के विविध गतिविधियों के साथ आगामी शताब्दी वर्ष के कार्य विस्तार एवं शताब्दी विस्तारक योजना की भी समीक्षा की गई।

घायल भाजपा कार्यकर्ता ...

को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार रात भाजपा कार्यकर्ता का सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपहरण किया। इसके बाद उसे गरबेटा में एक स्थानीय पार्टी कार्यालय में ले जाया गया, जहां उससे कथित तौर मारपीट की गई और अपमानित किया गया। पीड़ित हाल ही में संपन्न पंचायत चुनावों में भाजपा की ओर से पोलिंग एजेंट था। शुक्रवार देर शाम भाजपा कार्यकर्ता को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। पार्टी के उपाध्यक्ष समित दास के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार सुबह पीड़ित से मिलने अस्पताल गया, जिसने आपबीती सुनाई। समित दास ने अस्पताल में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए हमारे पार्टी कार्यकर्ता से रंगदारी मांगी।

स्वर्वेद भाष्य

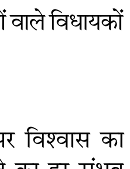

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

आपे आप स्वरूप का, करो निरन्तर ध्यान।
शीवोहैं मनमुख बनो, यह यह धोखा तब ज्ञान ॥ 25 ॥

शब्दार्थ : (आपे आप) अपना स्वयं (निरन्तर) सदैव (शिवोऽहम)मैं शिव हूं(धोखा) छल, भ्रम।

भाष्य : आपे-आप अपने स्वरूप का निरंतर ध्यान करना और मन एवं वाणी से मैं शिव हूं, ऐसी कल्पना करना, यह धोका एवं भ्रमयुक्त ज्ञान है अर्थात अपने मनमुखी शिव बनने का ज्ञान धोखा, भ्रम-जाल है।

योग भेद दोय तत्व है, आपहिं आप न योग।
धोखा भ्रम विडम्बना, भय माया कर भोग ॥ 26 ॥

शब्दार्थ : (भेद) ज्ञान, अलग।

भाष्य : दो पदार्थों के संबंध को योग कहते हैं। आप-ही-आप एक पदार्थ का योग नहीं होता। अपने-आप स्वरूप में योग धोखा, भ्रम एवं पतन है यह प्रकृति का भोग है। अपने से भिन्न दूसरे पदार्थ के संबंध करने को योग कहते हैं। अपने-आप स्वरूप में योग नहीं होता है।

सोना और नकद रुपए के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के प्रभारी उप महानिरीक्षक पार्थसारथी महंत के नेतृत्व में चलाए गए एक अभियान में तस्करों द्वारा सोना ले जाने में इस्तेमाल की जा रही एक हुंडई आई-20 कार (एमएल-05ईयू-1216) को जब्त करने में कामयाबी मिली। खानापाड़ा से मिली जानकारी के आधार पर एसटीएफ की टीम ने वाहन का पीछा करके इसे पकड़ा। लेकिन, इसी बीच पुलिस को चकमा देकर लालगणेश में आई-20 वाहन से एक बाइक सवार सोना लेकर फरार हो गया। इसके बाद एसटीएफ की टीम ज्योतिकुची में बाइक को पकड़ने में कामयाब रही। उसके पास से पुलिस ने 30 लाख रुपए मूल्य का सोना और 22 लाख रुपए नकद बरामद की है। पुलिस ने वाहन चालक हिमांशु पाल को हिरासत में ले लिया है। एसटीएफ ने घटना के संबंध में प्राथमिकी संख्या 07/2023 भारतीय दंड संहिता की धारा 379/411 के तहत दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

खाकी पर दाग लगाने वालों को डीजीपी की चेतावनी

थाने को पवित्र स्थान रहने दें : जीपी सिंह

गुवाहाटी (हिंस)। डीजीपी जीपी सिंह ने खाकी पोशाक पर दाग लगाने वाले पुलिसकर्मियों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। डीजीपी ने पुलिस कर्मियों से थाना और कार्यालय को पवित्र स्थानों के रूप में बनाए रखने का आग्रह किया है। नशे में धुत होकर थाने की पवित्रता को नष्ट करने वाले पुलिस कर्मियों को इस तरह की गतिविधियों से बाज आने को कहा है। पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने असम पुलिस को एक विशेष संदेश के जरिए स्पष्ट शब्दों में खाकी पोशाक की गरिमा बनाए रखने का आह्वान किया है। जीपी सिंह ने कहा कि खाकी के प्रति लोगों की आस्था और सम्मान को अक्षुण्ण रखना होगा। वर्दी की गरिमा और विश्वास को कम करने वाले किसी भी काम को बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी देते हुए पुलिस महानिदेशक ने कहा कि खाकी की गरिमा शब्दों से नहीं काम से बनी रहनी चाहिए। जीपी सिंह ने कहा कि महिला उत्पीड़न को लेकर वे सख्त हैं। जयमती-कनकलता की भूमि पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किए जाने की बात कहते हुए जीपी सिंह ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ कोई अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस थानों और पुलिस कार्यालयों में महिलाओं की गरिमा को सुनिश्चित करना ही पड़ेगा। डीजीपी ने महिला उत्पीड़न को लेकर पुलिस कर्मियों को चेतावनी दी है। पुलिस थानों और पुलिस कार्यालयों में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार न करें। महिलाओं के खिलाफ पुलिस के यौन अपराध, अभद्र व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यही नियम बच्चों और कमजोर वर्ग के लोगों पर भी लागू होगा। डीजीपी ने पुलिस स्टेशन और कार्यालय को पवित्र स्थानों के रूप में माने जाने का आग्रह किया। उन्होंने नशे के कारण थाने की पवित्रता को नष्ट न करने की चेतावनी भी दी। थाना-कार्यालय की पवित्रता को खराब न करने का आग्रह किया। डीजीपी जीपी सिंह ने कहा कि पुलिस को आत्म-नियंत्रण और संयम बनाए रखना होगा। पुलिसकर्मियों का एक वर्ग आपराध को संरक्षण दे रहा है। पुलिस अधिकारियों के एक वर्ग

ने पैसे इकट्ठा करने के लिए जूनियर्स को लगाया है। अधिकारी अवैध धन इकट्ठा करने के लिए जूनियर का इस्तेमाल कर रहे हैं। रास्ते में पैसा इकट्ठा करना संगठित अपराध की श्रेणी में है। इन अधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों को बदनाम किया है। अधिकारियों से आग्रह है कि वे पुलिस विभाग में मजबूत नेतृत्व दें। जीपी सिंह ने जूनियर्स को सही दिशा दिखाने का आग्रह किया। पुलिस से आग्रह किया गया है कि वे जनता के लिए सुलभ और आसान पहुंच में रहें।

महिला को आपत्तिजनक मैसेज भेजने वाला पुलिस अधिकारी निलंबित

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर के एक पुलिस अधिकारी द्वारा महिला को अश्लील मैसेज भेजने के आरोप में पुलिस अधिकारी लोहित राजवंशी को तत्काल नौकरी से निलंबित कर दिया गया है। इसकी जानकारी राज्य के डीजीपी जीपी सिंह ने दी है। डीजीपी ने बताया कि तेजपुर में एक पुलिसकर्मी द्वारा एक महिला को आपत्तिजनक संदेश भेजने के संदर्भ में सशस्त्र शाखा निरीक्षक लोहित राजबंशी को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले में एक विभागीय जांच सात दिनों में पूरी करने का आदेश दिया गया है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद विभाग इस मामले में आवश्यक और उचित कार्रवाई करेगा। डीजीपी ने बताया है कि किसी पुलिसकर्मी के किसी भी अपमानजनक व्यवहार को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। असम पुलिस के जवान से लेकर अधिकारी आम जनता की सेवा करें। आम जनता को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत पुलिस के खिलाफ हमें मिलती है तो हम कानून के तहत कठोर से कठोर कदम उठाएंगे।

हेरोइन तस्करी के जुर्म में म्यांमार के नागरिक को 10 साल का सश्रम कारावास

एजल (हिंस)। मिजोरम की एक विशेष न्यायिक अदालत ने मादक पदार्थों की तस्करी के जुर्म में म्यांमार के एक नागरिक को 10 साल के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। उत्पाद शुल्क और नारकोटिक्स विभाग के प्रवक्ता पीटर जोहमिंगथांगा ने शनिवार को बताया कि म्यांमार के लीसेन गांव के निवासी 26 वर्षीय बाविनुंगचुंग को मिजोरम के लुंगलेई जिला विशेष न्यायालय (एनडीपीएस अधिनियम) के न्यायाधीश एफ रोहलुपिया ने हेरोइन तस्करी के आरोप में दोषी ठहराया था। 13 जुलाई को स्पेशल कोर्ट के जज एफ रोहलूपिया ने बाविनुंगचुंग को दोषी करार दिया था, जिसके बाद उसे सजा सुनाई गई है। फरवरी 2021 में बाविनुंगचुंग को भारत-म्यांमार सीमा पर हंथियाल जिले में तियाउ नदी के पास 762 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। सुनवाई के दौरान नारकोटिक्स ब्यूरो के वकील ने अदालत को प्रामाणिक जानकारी दी कि हेरोइन उसके (बाविनुंगचुंग) द्वारा मिजोरम में बिक्री के लिए लाई गई थी।

गहपुर के कई गांव भीषण बाढ़ की चपेट में

विश्वनाथ (हिंस)। ब्रह्मपुत्र नद का जलस्तर बढ़ने के साथ ही गहपुर के दक्षिणी हिस्से में नदी के किनारे बसे कई गांव बाढ़ के पानी की चपेट में हैं। बरतामुली ग्राम पंचायत के दस से अधिक गांवों में ब्रह्मपुत्र का पानी प्रवेश कर गया है। इस पंचायत के बरतामुली, 1 नंबर बरतामुली, गनाइआटी, चिराखोवा, लौगुटी, तिनिघरिया, जबरे, माजर चापरी आदि में बाढ़ के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ के पानी में रास्ते डूब जाने के कारण लोगों को आने-जाने के लिए पूरी तरह से छोटी नाव पर निर्भर रहना पड़ता है।

लायंस उमंग का नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं की सामाजिक संस्था लायंस क्लब ऑफ उमंग की ओर से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में नारंगी के फोरेस्ट गेट स्थित अजय पोद्दार कॉम्प्लेक्स परिसर में शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने इसका लाभ उठाया। शिविर में संयोजिका शीतल जैन की देख-रेख में नेत्र जांच, संयोजिका पूनम तोदी की देख-रेख में मधुमेह व उच्च रक्तचाप तथा संयोजिका अंजू अग्रवाल की देख-रेख में दंत जांच शिविर आयोजित किया गया। वहीं जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के अंतर्गत संयोजिका लिपिका मोदी की देख-रेख में नारंगी के हरिजन बस्ती में फिड द हंगर के तहत बड़ी संख्या में लोगों को भोजन कराया गया। इसके अलावा संयोजिका मधु जगाती की देख-रेख में नारंगी के शंकरदेव विद्या निकेतन में सुखा राशन उपलब्ध कराया गया। इस सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने में अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, निभा सराफ, शीतल जैन सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

पूसीरे की रेसुब ने जून माह में 62 विदेशियों को पकड़ा

पिछले कुछ दिनों में 30 अवैध प्रवासी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। अवैध प्रवासियों का पता लगाने की कार्रवाई जारी रखते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने गत जून माह में अवैध रूप से भारत में प्रवेश वाले 62 विदेशी नागरिकों को पकड़ा। इस जोन के विभिन्न रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में चलाए गए विभिन्न अभियान और जांच के दौरान अवैध प्रवासियों को पकड़ा गया। इसके अलावा, चालू माह के दौरान 11 जुलाई तक रेसुब की टीमों ने कुमारघाट, अगरतला और जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशनों पर 30 अवैध प्रवासियों को पकड़ा, जिनमें 18 रोहिंग्या और 12 बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे। बाद में, पकड़े गए अवैध प्रवासियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दिया गया। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि गत 11 जुलाई को एक हालिया घटना में, धर्मनगर पोस्ट की रेसुब ने स्थानीय पुलिस और बीएसएफ कर्मियों के साथ संयुक्त रूप से कुमारघाट रेलवे स्टेशन पर जांच की, जहां उनलोगों ने 12 रोहिंग्याओं (एक नाबालिग लड़की सहित नौ पुरुषों और तीन महिलाओं) को पकड़ा, जो अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गए थे। बाद में, पकड़े गए अवैध प्रवासियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए बीएसएफ/नलकटा, (त्रिपुरा) द्वारा हिरासत में ले लिया गया। पुन: उसी दिन, सूचना पर कार्रवाई करते हुए, अगरतला की रेसुब ने जीआरपी/अगरतला के साथ संयुक्त रूप से अगरतला रेलवे स्टेशन पर जांच की और भारतीय क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले 3 बांग्लादेशी नागरिकों (एक पुरुष और दो ट्रांसजेंडरों) को पकड़ा। बाद में, पकड़े गए अवैध प्रवासियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए ओसी/जीआरपी/अगरतला को सौंप दिया गया।

शोणितपुर के गढ़मारा में हाथियों का उपद्रव बढ़ा

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के बालीपाड़ा चारद्वार के गढ़मारा में जंगली हाथियों का उपद्रव बढ़ रहा है। पुलिस ने आज बताया कि बीती रात जंगली हाथियों ने गांव के घरों में तोड़फोड़ की। रात में हाथी ने गढ़मारा के पिंकू चार्की नामक व्यक्ति के घर में तोड़फोड़ की। और भी कई घरों को तहस-नहस कर दिया। किसी तरह घर से भागकर परिवार के लोगों ने अपनी जान बचाई। बालीपाड़ा संरक्षित वन से बाहर आए तीन हाथियों का एक समूह महीनों से गांवों के लोगों को परेशान कर रहा है। हाथियों का झुंड गढ़मारा क्षेत्र में व्यापक नुकसान पहुंचा रहा है। आरोप है कि वन विभाग ने लोगों को हाथियों के हमलों से बचाने के लिए उचित व्यवस्था नहीं की है।

स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों खराब करते हैं बांग्लादेशी

कामरूप (हिंस)। जमीन हमारी है। खेत हमारे हैं और बाजार हमारा है। लेकिन, हमारी जमीन पर फसल बांग्लादेश मूल के लोगों की है। इसलिए स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों खराब हो रहा है। ये बातें आज भाजपा के असम प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष रंजीत भट्टाचार्य ने कही। उन्होंने अपील की है कि ऊपरी तथा निचले असम के सभी युवा खेती कर राज्य को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें। उन्होंने ये बातें आज कामरूप (ग्रामीण) जिला के चांगसारी के निकट आठियाबैर स्थित आकांक्षा नामक स्वयं सहायता समूह द्वारा आयोजित कठिया (धान की रोपाई के लिए बीज) वितरण और भुमि बुवाई कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान कही। रंजीत भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि बांग्लादेशी मूल के मुसलमान बाजार पर कब्जा कर रहे हैं जो असमिया स्वदेशी किसानों के प्रति बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि हम जो भोजन करते हैं, वह रासायनिक खादयुक्त होता है।

रंगिया: छात्र संघ ने किया विशेष अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया के बीचोंबीच स्थित ऐतिहासिक हरदत्त-बीरदत्त भवन प्रांगण में रंगिया आंचलिक छात्र संस्था द्वारा तथा मध्य रंगिया छात्र संस्था के सहयोग से एक विशेष अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष हाईस्कूल व हाई मद्रासा की फाइनल परीक्षा और उच्चत्तर माध्यमिक कला, वाणिज्य और विज्ञान शाखा की फाइनल परीक्षा में रंगिया के विभिन्न शिक्षानुष्ठानों से विशेष उपलब्धि हासिल कर रंगिया का नाम रोशन करने वाले कृति छात्र-छात्राओं का अभिनंदन करने के साथ उक्त शिक्षानुष्ठानों के प्रधान शिक्षागुरुओं को समारोह में पूर्ण रूप से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में रंगिया के अंतर्गत हाईस्कूल की फाइनल परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ नंबर पाने वाले छात्र को स्व. जयदेव शर्मा स्मारक पुरस्कार और उच्चत्तर माध्यमिक की फाइनल परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ नंबर पाने वाले छात्र को स्व. डॉ देवेंद्र चंद्र कलिता स्मारक पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में रंगिया अंचल के करीब 25 से भी अधिक सरकारी और बेसरकारी विद्यालयों के 200 से भी अधिक छात्र-छात्राओं और शिक्षा गुरुओं को सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल असम छात्र संस्था के महासचिव शंकर ज्योति बरुआ, डीवाई 365 के कार्यवाहक सचिव डॉ.

कुमुद दास, अखिल असम छात्र संस्था के उपाध्यक्ष धर्मेश्वर दास, अखिल असम छात्र संस्था के सलाहकार प्रकाश चंद्र दास सहित बहुत से गणमान्य लोग और रंगिया के विभिन्न अंचलों से आये शिक्षक-शिक्षिकायें, अभिभावक, छात्र-छात्राएं और छात्र संस्था के बहुत से पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफलता और सभी की उपस्थिति के लिए रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के अध्यक्ष मृण्मय कुमार डेका, महासचिव नवज्योति कुमार, शिक्षा सचिव ममदुल हक और पिंटू डेका सहित मध्य रंगिया छात्र संस्था के अध्यक्ष चिस्तम शर्मा और महासचिव अभीजीत डेका द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया गया है।

धेमाजी : जापानी एन्सेफलाइटिस ने लिया घातक रूप

धेमाजी (हिंस)। जिले में जापानी एन्सेफलाइटिस ने जानलेवा रूप ले लिया है। जुलाई में दो लोगों की इस बीमारी से मौत हो गई। धेमाजी में जापानी एन्सेफलाइटिस से फिर एक व्यक्ति की मौत हुई है। धेमाजी में स्वास्थ्य विभाग के पांच स्वास्थ्य केंद्रों के 32 उप स्वास्थ्य केंद्रों पर इसको लेकर जागरूकता पैदा किया जा रहा है। जिले में 30 लोग फिलहाल जापानी एन्सेफलाइटिस से ग्रस्त हैं। जबकि, 6 लोग इससे उबर चुके हैं। वहीं प्रशासन भी जोर-शोर अभियान चलाकर लोगों को चागरूक कर रही है।

तीन शातिर मोटरसाइकिल चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

रंगिया (विभास)। रंगिया पुलिस ने शनिवार को रंगिया रेलवे स्टेशन के पास से तीन शातिर कार व मोटरसाइकिल चोरों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए इन चोरों के पास से एक पल्सर 220 मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार चोरों की पहचान मोइनुद्दीन अहमद (23) जो मोफिजुद्दीन अहमद के पुत्र, दीप बोरा (19) प्रेमकांत बोरा के पुत्र और साहित अहमद (27) जहूर अहमद के पुत्र के रूप में की गई है। उनके पास से बरामद मोटरसाइकिल का पंजीकृत नंबर एस-01 डीए-0367 है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक जो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं, वह भरलुमुख थाना में दर्ज केस संख्या

88/23 के तहत मार्च महीने में भरलुमुख से चोरी हुई थी। पुलिस तीनों शातिर बाइक चोरों से गहनता से पूछताछ कर रही है।

विश्वनाथ : तीन दिवसीय जिला युवा संस्कार वर्ग संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ जिला विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल ने गुरुवार को शंकरदेव शिशु निकेतन, मधुपुर, विश्वनाथ चारिआली के सभागार में तीन दिवसीय जिला युवा संस्कार वर्ग का समापन सत्र आयोजित किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा का उद्घाटन सत्र 11 जुलाई को आयोजित किया गया था जिसमें अपना बौधिक (भाषण) उत्तर पूर्व प्रांत के मातृ शक्ति संयोजिका वकूल रय ने प्रदान की। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल की नैतिकता, हिंदू समुदाय के प्रति जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का संक्षिप्त विवरण दिया। कक्षा में विश्वनाथ जिले के विभिन्न हिस्सों से आधा सैकड़ा से अधिक युवाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य शिक्षक के रूप में गुवाहाटी महानगर शाखा के बजरंग दल के संयोजक श्रीयांकु गोगोई और शोणितपुर जिला बजरंग दल छात्र संपर्क प्रमुख अभिषेक ठाकुर उपस्थित थे। दूसरे दिन के प्रथम सत्र का बौधिक (भाषण) असीम सैकिया ने प्रदान की। इस सत्र में तेजपुर विभाग के विभाग संगठन मंत्री शशीकांत पांडेय ने क्रमश: कृति सत्र, जानकारी सत्र और चर्चा सत्र नामक तीन सत्र के ऊपर अपना बौधिक (भाषण)

प्रदान के साथ वर्ग की संचालन की। समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वनाथ जिला अध्यक्ष सपोन राजखोवा ने की और संचालन विश्वनाथ जिला विहिप सचिव इंद्रजीत गुप्ता ने किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता विहिप उत्तर पूर्व प्रांत के सचिव ब्रजज्योति शर्मा थे। उन्होंने वर्तमान हिंदू समाज के प्रति बजरंग दल का कर्तव्य और कार्य के संपर्क में व्याख्यान दिए। इसके साथ विश्वनाथ जिला में हिंदुओं की स्थिति संपर्क में भाषण प्रदान की। इस मौके पर बजरंग दल के जिला संयोजक किशोर कुमार डेका, बीएचपी विश्वनाथ जिला मठ-मंदिर प्रमुख शिबू चंद्र दे, सेवा प्रमुख छेदी पटेल, अर्चक पुरोहित प्रमुख शांति भूषण दुबे, धर्माचार्य संपर्क प्रमुख डॉ. सपोनटी बरठाकुर और मातृ शक्ति संजोजिका सप्ना शइकीया, गौ रक्षा प्रमुख प्रद्युम्न कुंडू, विश्वनाथ नगर प्रखंड अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, सचिव सुशील रौनियार,गहपुर प्रखण्ड अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के साथ जिला के कार्यकर्ता मौजूद थे। अंतत: पूर्णता मंत्र एवं जय घोष के साथ सभा संपन्न की गई।

SHORT TENDER NOTICE

Sealed tender in F-2 form affixing Court Fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and twenty five paise) only with a validity period of 180 (one hundred and eighty) days are invited from Registered APWD (Building) Contractors for the work as detailed in the table below:-

Table

Sl. No.	Name of work	Estimated value of work (Approx)	Bid Security/ Earnest money	Cost of tender Paper	Date of Application	Date of issue of tender paper	Time & date of receiving/ opening of Tender	Time of completion	Eligibility of contractor
1	Repairing works at Raj Bhawan, Ghy-1 (Interior painting work at staff quarter unit-7 ground floor in Qtr, Type-III, RCC No.2 CRPF Qtrs/Barracks, replacement of door frames, ceiling & door fitting including sanitary fittings and water supply works in CRPF BARRACK SECURITY MORCHA)	Rs. 6,12,326.00	2% for general and 1% for reserved category	Rs. 200.00	17.07.2023 to 18.07.2023 upto 4-00 PM	20.07.2023 to 21.07.2023 up to 4-00 PM	Receiving up-to 2-00 PM of 05.08.2023 and opening at 2-30 PM of 05.08.2023	30 (thirty) days	Registered APWD (Building) Class-I (A, B, C), Class-II (Under Guwahati Bldg. Circle-II) and Class-III (Under this Division)

Detailed particulars may be seen during office hours of any working days in the office of the undersigned. Contractors will have to submit application for tender paper along with self attested copy of current APWD Registration Certificate, GST Registration, Pan Card, Labour Licence and cost of tender paper as detailed above in the form of Bank Draft/Banker Cheque drawn in any Nationalized Bank in favour of Executive Engineer, P.W.D., Dispur & Guwahati East Territorial Building Division, Fancy Bazar, Guwahati-1. Tender paper will be issued to the contractors or to their authorized agents up-to 4.00 PM in working day as mentioned above from the office of the undersigned. Bid security in the form of FDR/CDR duly pledged in favour of the Executive Engineer, P.W.D., Dispur & Guwahati East Territorial Building Division, Fancy Bazar, Guwahati-1 is to be submitted along with the tender paper.

Performance Security/Security Deposit Money as per norms and additional Performance Security as per Chief Engineer PWD (Building)'s letter No- BN/12/82/Pt.-1/84, dt. 15.02.2011 if required is to be furnished by the successful bidder when notified.

If for any reason, the last date of receiving and opening of tender is declared as holiday, the same will be received and opened on the next working day.

The undersigned will be the sole authority to cancel any tender without showing any reason.

N.B.:- 1. Prospective bidders are suggested to visit the proposed work site before submission of tender.
2. This Short NIT will form a part of the tender agreement.

Executive Engineer P.W.D
Dispur & Guwahati East Territorial
Building Division, Guwahati-1

-- Janasanyog /C/7062/23

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की यूएई यात्रा पर भारत के रंग में रंगा बुर्ज खलीफा

-तिरंगी रोशनी के साथ मोदी का चित्र लगाकर लिखा स्वागत संदेश

दुबई, (हि.स.)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस की यात्रा पूरा कर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंच गए हैं। मोदी की यूएई यात्रा पर दुबई का प्रसिद्ध टॉवर बुर्ज खलीफा भारत के रंग में रंगा नजर आया। बुर्ज खलीफा पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज तो दिखा ही, प्रधानमंत्री मोदी का चित्र लगाकर उनके लिए स्वागत संदेश भी लिखा गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी दो दिवसीय फ्रांस की यात्रा समाप्त कर एक दिन की यात्रा पर संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे हैं। अबू धाबी हवाईअड्डे पहुंच कर क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने भारत के प्रधानमंत्री की अगवानी की। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर इस स्वागत के लिए क्राउन प्रिंस का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के रिश्तों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि उनकी इस यात्रा के बाद रिश्तों की गहराई बढ़ेगी। उधर, संयुक्त अरब अमीरात में भी प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को लेकर उत्साह है। दुनिया भर में चर्चित दुबई का प्रमुख टॉवर बुर्ज खलीफा मोदी के स्वागत में भारतीय तिरंगे के रंग में रंगा दिखा। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के रंग प्रदर्शित करने के साथ ही बुर्ज खलीफा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर भी जगमग रोशनी के साथ प्रदर्शित की गयी। साथ ही रोशनी से प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर को भी प्रदर्शित किया गया। भारतीय प्रधानमंत्री के स्वागत में प्रकाशपुंजों का प्रयोग कर वेलकम ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी (माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत है) लिखा गया।

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर घटा, बाढ़ का खतरा बरकरार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। देश में मानसून की बारिश से पहाड़ और मैदान में अब हालात कुछ सुधरे हैं। इस बीच राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर कुछ कम हुआ है। मगर कई इलाके अभी भी जलमग्न हैं। अभी बाढ़ का खतरा टला नहीं है। बाढ़ से त्राहिमाम-त्राहिमाम कर रही दिल्ली में भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज (शनिवार) के लिए यलो अलर्ट जारी कर मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया है। आज सवेरे दिल्ली-एनसीआर कुछ इलाकों में बारिश हुई है। अभी दिल्ली के शांति वन इलाके और आईटीओ में जलभराव है। यमुना नदी का जलस्तर आज सुबह सात बजे 207.62 मीटर पर आ गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अगले छह दिन तक बारिश की संभावना है। मगर तेज बारिश के आसार नहीं हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश और बिहार में भी आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

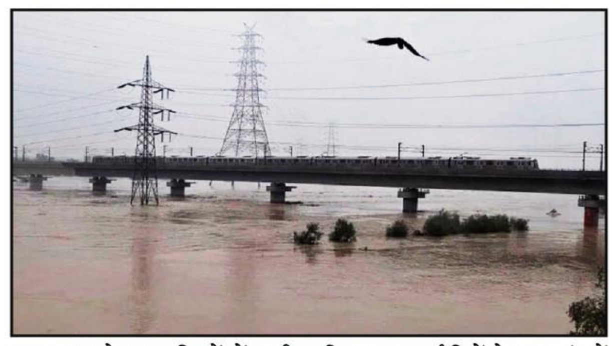

लखनऊ समेत 50 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। फरुर्खाबाद, बलरामपुर, कन्नौज, बरेली, श्रावस्ती, बहराइच, पीलीभीत और शाहजहांपुर के आसपास के इलाकों को अलर्ट किया गया है। बिहार के मधेपुरा, सहरसा, मधुबनी, खगड़िया, भागलपुर, पश्चिमी चंपारण, किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और मधेपुरा में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। उत्तराखंड के कुमाऊं के ऊधमसिंह नगर, नैनीताल और चंपावत में बारिश का रेड अलर्ट और देहरादून के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। कई दिनों से उत्तराखंड में बारिश कहर बरपा रही। उत्तरकाशी समेत कई जगहों में भूस्खलन हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आज सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, गोवा, मेघालय और तटीय कर्नाटक में मध्यम से तेज भारी बारिश की संभावना है। झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, दक्षिणी गुजरात, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

कांग्रेस जुटी चंद्रयान 3 पर श्रेय लेने में, इसरो को बताया नेहरू का सपना

नई दिल्ली। कांग्रेस ने इसरो को पंडित नेहरू का सपना बताया है, यह बात उस समय कही है जब चंद्रयान 3 का सफल प्रक्षेपण किया गया है। चंद्रयान3 के सफल प्रक्षेपण के बाद कांग्रेस और भाजपा में श्रेय लेने की होड़ भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसरो की स्थापना को देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का सपना बताया, तो वहीं भाजपा की तरफ से जवाब देते हुए भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने इसरो की स्थापना की तारीख याद दिलाते हुए कहा कि इसरो की स्थापना अगस्त 1969 में हुई थी, जबकि जवाहर लाल नेहरू की मृत्यु मई 1964 में हुई थी। इस पर कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट कर कहा कि इसरो का सपना पंडित नेहरू ने देखा था, जिसे इंदिरा गांधी ने पोषित किया, राजीव गांधी ने महान ऊंचाइयों पर पहुंचाया

और डॉ. मनमोहन सिंह ने नया मुकाम हासिल किया। सभी के लिए गर्व का क्षण, जब हम चंद्रमा पर विजय प्राप्त करने के लिए चंद्रयान 3 को उत्साहपूर्वक उड़ान भरते हुए देख रहे हैं! जय हिन्द। इधर कांग्रेस नेता के दावे पर जवाब देते हुए भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा कि चंद्रयान 3 के सफल प्रक्षेपण का श्रेय लेने की लालसा में, कांग्रेस ने दावा किया कि यह सब इसलिए हुआ, क्योंकि नेहरू ने इसरो का सपना देखा था। छोटा सा तथ्य यह है कि नेहरू की मृत्यु मई 1964 में हुई और इसरो की स्थापना अगस्त 1969 को हुई। बात यहीं खत्म नहीं होती। भारत द्वारा अब तक लॉन्च किए गए 424 विदेशी उपग्रहों में से 389 पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल में लॉन्च किए गए थे। यह स्पष्ट है कि नेहरू ने सपने के अलावा बहुत कुछ नहीं किया। जबकि इंदिरा से लेकर मनमोहन तक किसी ने भी नेहरू के सपने को पूरा नहीं किया।

तीन हाई कोर्ट के जजों का तबादला

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीन हाई कोर्ट के जजों का ट्रांसफर कर दिया है। राष्ट्रपति ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जज जस्टिस मनोज बजाज को इलाहाबाद हाई कोर्ट, इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस दिनेश कुमार सिंह को केरल हाई कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस गौरांग कांत को कलकत्ता हाई कोर्ट ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। आज जारी नोटिफिकेशन में इस आशय की सूचना दी गई। कॉलेजियम ने 12 जुलाई को इन तीनों जजों के ट्रांसफर की सिफारिश को दोहराया था। इन तीनों

जजों ने कॉलेजियम से अपने ट्रांसफर की सिफारिश पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था जिस पर विचार करने के बाद कॉलेजियम ने उनके ट्रांसफर के पहले के प्रस्ताव को ही दोहराया था।

बिपरजॉय से उजड़े किसानों के लिए 240 करोड़ रुपये की राहत

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात सरकार ने बिपरजॉय से उजड़े किसानों के लिए राहत पैकेज की घोषणा की है। गौरतलब है कि पिछले महीने कच्छ और बनासकांठा जिलों में आए चक्रवात बिपरजॉय के बाद किसानों को काफी नुकसान झेलना पड़ा था। अब प्रभावित किसानों के लिए सरकार ने 240 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की है। राहत पैकेज में खड़ी फसलों, पौधों और पेड़ों को हुए नुकसान से निपटने के लिए वित्तीय सहायता शामिल है। जानकारी के अनुसार कच्छ और बनासकांठा में लगभग 1.30 लाख हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है। भयंकर चक्रवात के कारण जमीन से टकराने के दौरान कई फलदार पेड़ पूरी तरह से उखड़ गए या आंशिक रूप से नष्ट हो गए।

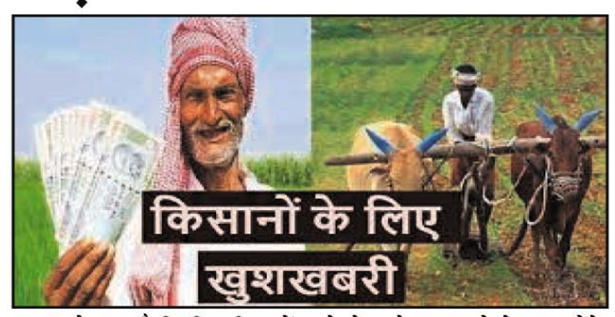

सरकार ने कहा है कि जिन किसानों को अपनी बारहमासी बागवानी फसलों या पेड़ों को 10 से 33 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है, उन्हें प्रति हेक्टेयर 25,000 रुपये की सहायता मिलेगी। यदि क्षति उनकी कुल बारहमासी बागवानी फसलों या पेड़ों के 33 प्रतिशत से अधिक है, तो किसान 1.25 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर के मुआवजे के पात्र होंगे, जिसकी अधिकतम सीमा दो हेक्टेयर होगी। मुआवजे का लाभ उठाने के लिए, जिन किसानों के नाम सर्वेक्षण टीमों की सूची में शामिल किए गए हैं, उन्हें संबंधित तालुका विकास अधिकारी को आवेदन जमा करना होगा, इसके बाद ही राहत राशि दी जाएगी।

हिंगोली जिले में दो बार भूकंप के झटके, कोई हताहत नहीं

मुंबई, (हि.स.)। हिंगोली जिले के वसमत, कलमनुरी और औंधा तहसील के कई गांवों में शनिवार सुबह 7 बजे और इसके बाद 7.15 बजे दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 3.6 रिक्टर स्केल आंकी गई है। भूकंप के झटकों से लोगों में डर का माहौल है। हालांकि इन झटकों से किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार आज सुबह आए भूकंप के झटके से लोग अपने घरों से बाहर निकल गए। भूकंप के झटके पिंपलदारी, अमदारी, राजदरी, सोनवड़ी, कंजारा, पुर, काकडदाभा, जामगावन, फुलदाभा, पांगरा शिंदे, सिर्ली, वाप्ती, खापरखेड़ा, टांडा, कलमनुरी, पिंपलदारी, तमटीटांडा,

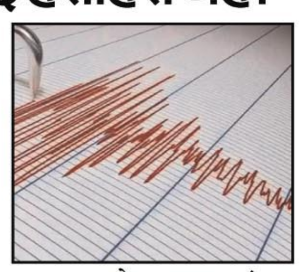

जलालढाबा के साथ-साथ नंदपुर, बोल्डा, सिंदगी, पोटरा गांवों के साथ हिंगोली के कुछ शहरी इलाकों में महसूस किए गए। बताया जा रहा है कि हिंगोली जिले में पंगारी शिंदे उपजिला वासमत आदि गांवों में कई सालों से जमीन के अंदर से आवाजें आ रही हैं। इसकी जांच विशेषज्ञों द्वारा की जा रही है, अभी तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है।

विधानसभा परिसर में नमाज की इजाजत दी तो करेंगे विरोध : श्रीराम सेना

बेंगलुरु (ईएमएस)। दक्षिणपंथी समूह श्रीराम सेना ने कहा कि अगर कर्नाटक कांग्रेस सरकार यहां विधानसभा के परिसर में नमाज अदा करने की अनुमति देती है, तो वह बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगी। धारवाड़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा कि श्रीराम सेना के संस्थापक प्रमोद मुथालिक ने कहा कि यदि नमाज की अनुमति दी गई तो हम विधानसभा परिसर में हर रोज हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर नमाज की इजाजत दी गई तो हम हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे और बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। पूरा कर्नाटक जलने वाला है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि श्री राम सेना समान नागरिक संहिता लागू करने का समर्थन करती है। समान

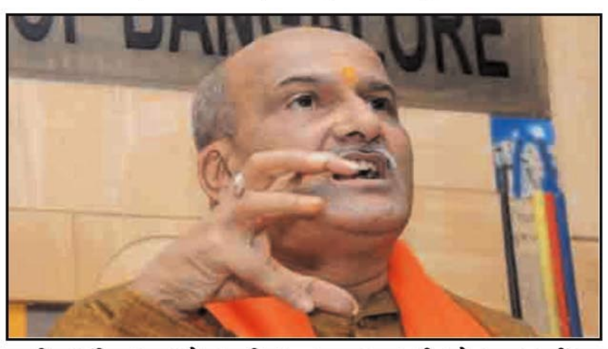

नागरिक संहिता लागू होना चाहिए। हस्ताक्षर अभियान पूरे राज्य में कर्नाटक के सभी जिला मुख्यालयों में आयोजित किया जाएगा। यह अभियान धार्मिक मठाधीशों, अधिवक्ताओं, डॉक्टरों और अन्य महत्वपूर्ण हस्तियों द्वारा शुरू किया जाएगा। संविधान में एक समान कानून का जिक्र है। लेकिन, 72 साल बाद भी इसे लाया नहीं जा सका है। इसका कारण कांग्रेस की मुस्लिमों के प्रति तुष्टिकरण की नीति है। प्रमोद मुथालिक ने कहा कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट 20 साल से एक समान कानून लागू करने की बात कर रहे हैं। किसी अन्य देश में दो कानून नहीं हैं, और यह केवल भारत में ही प्रचलित है।

भाजपा ने तोमर को बनाया मप्र विधानसभा चुनाव प्रबंधन समिति का संयोजक

राकेश शर्मा

दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति का संयोजक नियुक्त किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने शनिवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने नरेन्द्र सिंह तोमर को मध्य प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए प्रदेश चुनाव प्रबन्धन समिति का संयोजक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति घोषणा के साथ ही प्रभावी हो गई है। मध्य प्रदेश में इस वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव होना है। इसको देखते हुए अनुभवी नेता तोमर को भाजपा ने यह जिम्मेदारी सौंपी है। तोमर मुरैना से लोकसभा सदस्य हैं और मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

सियासी जरूरत के हिसाब से दांव खेल रही बीजेपी

- शिंदे गुट के साथ पूरी चतुराई से खेल रही सियासी खेल

मुंबई, (ईएमएस)। कहते हैं कि राजनीति में अवसर का बड़ा रोल होता है और भाजपा इस कहावत को अक्सर चरितार्थ कर लेती है. यही वजह है कि बीजेपी के पास 105 विधायक होने के बावजूद शिवसेना से बगावत करने वाले एकनाथ शिंदे को सीएम बना दिया गया. बीजेपी उस समय हर हाल में महाराष्ट्र में सरकार बनाना चाहती थी. इस कड़ी में उद्धव की शिवसेना को दरकिनार कर बीजेपी एकनाथ शिंदे की ताजपोशी का मन बना चुकी थी. लेकिन अब बीजेपी का मिशन लोकसभा चुनाव में 45 सीटें जीतने का है. इस मिशन में शिंदे और उनकी टीम बेअसर दिख रही है. इसलिए बीजेपी ने दूसरे मराठा नेता अजित पवार का चुनाव कर लिया है जो एकनाथ शिंदे की तुलना में बीजेपी के लिए कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है. वैसे भी राज्य में सरकार बचाने के लिए बीजेपी को 145 विधायकों की जरूरत है. ये जरूरत अजित पवार गुट के 42 विधायकों के दावों के बाद पूरी हो जाती है. बीजेपी के अपने 105 विधायक हैं और अजित पवार 42 विधायकों का दावा कर रहे हैं. जाहिर है सरकार चलाने के लिए शिंदे गुट के 40 विधायकों पर निर्भरता रह नहीं गई है. यही वजह है कि बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व शिंदे गुट की मांग को खारिज कर रहा है. दरअसल महाराष्ट्र में बीजेपी की नजर में अजित पवार की महत्ता कहीं ज्यादा है जो राज्य में सरकार चलाने से लेकर मिशन 45 के लक्ष्य को आसानी से पूरा करने में मददगार हो सकते हैं. इसलिए अजित पवार गुट के 9 विधायकों को मनचाहा विभाग सौंप दिया गया और शिंदे गुट को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है. शिंदे गुट की प्रासंगिकता अब एक बड़ा सवाल है, इसलिए बीजेपी सियासी जरूरत के हिसाब से दांव खेल रही है. चूंकि अजित पवार 11 लोकसभा सीटों पर बीजेपी की नजरों में अहम हैं. वहीं शरद पवार की राजनीति को चुनौती देने का असली माद्दा बीजेपी अजित पवार में ही देख रही है. इसलिए बीजेपी अजित पवार गुट को वित्त मंत्रालय और योजना विभाग, कृषि ,चिकित्सा शिक्षा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, खेल, महिला और बाल विकास सहित राहत, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन विभाग देकर गठबंधन में जरूरत के हिसाब से काम कर रही है. ऐसे में शिंदे कैंप के लिए आगे का रास्ता आसान नहीं दिख रहा है. वैसे भी उद्धव ठाकरे से अलग होने की वजहों में एक वजह अजित पवार को शिंदे कैंप बता चुका है. अजित पवार पर शिवसेना के विधायकों को फंड्स नहीं देने का आरोप शिंदे कैंप द्वारा मढ़ा गया था. लेकिन इस बार फिर बीजेपी द्वारा अजित पवार को वित्त और योजना विभाग सौंप कर शिंदे कैंप की नींद उड़ा दी है. बहरहाल एकनाथ शिंदे की मुश्किलें सरकार और पार्टी दोनों में कई गुणा ज्यादा बढ़ती दिखाई पड़ रही है. पिछले एक साल से शिंदे कैंप के 30 विधायकों का मंत्री बनने का सपना धरा का धरा ही रह गया है. जाहिर है शिंदे कैंप के विधायक अपनी बारी के इंतजार में हाथ मलते रह गए, वहीं बीजेपी अजित पवार गुट को अहम विभाग देकर शिंदे गुट के साथ सियासी खेल पूरी चतुराई से खेल रही है.

एसओएल की फीस बढ़ोतरी छात्रों के लिए बनी मुसीबत

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल आफ ओपन लर्निंग (एसओएल) की फीस नवीन सत्र से करीब दोगुनी कर दी गई है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए मुसीबत खड़ी हो गई है। कई छात्रों के माता-पिता के पास एक साथ इतनी राशि फीस देने के लिए नहीं है। कई छात्र फीस सुनकर लौट आए हैं। इससे उनके भविष्य के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। छात्र संगठनों ने आरोप लगाया है कि फीस जरूर बढ़ाई गई है, लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं दिया जा रहा है। एसओएल में पिछले वर्ष तक बीए प्रोग्राम और बीकाम प्रोग्राम की फीस 3500 रुपये लगती थी। इस वर्ष से इसे सुविधाएं बढ़ाने के नाम पर 7800 रुपये कर दिया गया है। बीकाम आनर्स की फीस 7800 और बीए व बीकाम आनर्स की फीस 8320 रुपये कर दी गई है। एकाएक छात्रों की फीस में इतनी बढ़ोतरी से छात्रों के लिए परेशानी खड़ी हो गई है। पूर्व

दिल्ली में रहने वाली एक छात्रा ने बताया कि उनकी मां घरों में काम करके उनका भरण पोषण करती हैं। वे एसओएल में एडमिशन लेकर अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाना चाहती थीं, लेकिन उनकी मां के लिए एक बार में इतनी फीस भर पाना संभव नहीं था। अब उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि कैसे आगे की पढ़ाई को जारी रखें। एसओएल में पढ़ रहे एक छात्र ने बताया कि रामजस, एलएसआर जैसे नियमित कालेजों में इतनी ही फीस ली जा रही है। जितनी एसओएल ले रहा है, लेकिन इससे कई गुना अधिक सुविधाएं दी जा रही हैं। जबकि एसओएल के पास खुद का परीक्षा विभाग तक नहीं है। कक्षाएं भी पूरी नहीं लगतीं। छात्रों को पढ़ाई के लिए कोई सुविधा नहीं दी जा रही है। ईडब्लयूएस कैटेगिरी के छात्रों को सुविधा देने के लिए सामान्य छात्रों से फीस में एक हिस्सा लिया जा रहा है।

उत्तराखंड एसडीआरएफ ने 36 रेस्क्यू ऑपरेशन के माध्यम से 284 लोगों को बचाया : मणिकांत मिश्रा

-विपरीत परिस्थितियों में एसडीआरएफ उत्तराखंड की जीवन रेखा : कमांडेंट

देहरादून, (हि.स.)। एसडीआरएफ के कमांडेंट का कहना है कि विपरीत परिस्थितियों में चुनौतीपूर्ण मौसम में एसडीआरएफ उत्तराखंड में जीवन रेखा का काम करता है। अब तक 36 रेस्क्यू ऑपरेशन के माध्यम से 284 लोगों का रेस्क्यू करने के साथ 09 शवों को भी बरामद किया गया है। लापता हुए लोगों को खोजा जा रहा है। उन्होंने शनिवार को बताया कि मानसून के आगमन के साथ ही भारी बारिश और मौसम से बिगड़ी स्थिति के कारण जहां कई क्षेत्र जल और प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त हैं वहीं दूसरी ओर एसडीआरएफ राज्य में संचालित कावड़ यात्रा, बेहद चुनौतीपूर्ण चारधाम यात्रा, हेमकुण्ड यात्रा के संचालन को कुशलतापूर्वक सम्पन्न करा रही है। एसडीआरएफ के कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने मीडिया को बताया कि मुश्किल हालातों में प्रदेश की एसडीआरएफ यानी राज्य आपदा प्रतिवादन बल एक कुशल रक्षक की तर्ज पर हर मोर्चे पर अग्रणी होकर कार्य कर रही है। विगत कुछ दिनों में प्रदेश में हुई भारी बारिश से आम जनता को कई विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। कहीं जलभराव के कारण लोग अपने जलमग्न घरों में फंस गए है तो कहीं भूस्खलन व उफनती नदियों के कारण हादसों का शिकार हो रहे है। कमांडेंट ने बताया कि प्रदेश में मानसून की दस्तक के साथ ही राज्य के 42 संवेदनशील स्थानों में एसडीआरएफ टीम को तैनात कर दिया गया था। इन टीमों को आधुनिक रेस्क्यू उपकरणों से सज रखा गया है। बीते दिनों हुई भारी बारिश में जनपद हरिद्वार के लक्सर और खानपुर क्षेत्रों के

कई गांव में जलभराव होने पर एसडीआरएफ फ्लड रेस्क्यू टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन्स के माध्यम से 250 लोगों को रेस्क्यू किया गया। एसडीआरएफ की पैरामेडिक्स टीम ने गांव में अस्वस्थ लोगों को आवश्यक उपचार व दवाइयां भी दी गई। गर्भवती महिलाओं व दिव्यांग के लिए जवानों ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए रेस्क्यू किये गए हैं। जिनकी सराहना आम जनता ने भी की है। कमांडेंट ने बताया कि बारिश के कारण डाकपथर, ऋषिकेश, कोटद्वार इत्यादि में भी रऊफा द्वारा फंसे हुए कई लोगों को रेस्क्यू किया गया। फ्लड रेस्क्यू टीम ने राफ्ट की बोट्स, रिमोटली ऑपरेटेड लाइफ बॉय से रेस्क्यू ऑपरेशंस को कुशलता से अंजाम दिया। इस जल और प्राकृतिक आपदा के दौर में चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए एसडीआरएफ के जवानों को रु 1500 के नकद पारितोषिक से भी पुरस्कृत किया गया है। उन्होंने बताया कि माह जुलाई में अब तक सम्पूर्ण प्रदेश में एसडीआरएफ ने 36 रेस्क्यू ऑपरेशन के माध्यम से 284 लोगों का रेस्क्यू किया गया जबकि 09 शवों को भी बरामद किया है। इसके अतिरिक्त 06 लापता लोगों की सर्चिंग निरन्तर की जा रही है। उन्होंने बताया मानसून रेस्क्यू के साथ ही एसडीआरएफ द्वारा कांवड़ मेला, चारधाम यात्रा, हेमकुण्ड साहिब यात्रा आदि कैलाश यात्रा में भी सराहनीय कार्य किया जा रहा है। कांवड़ मेले में अभी तक एसडीआरएफ ने 45 कांवड़ियों को डूबने से सकुशल रेस्क्यू किया है। चारधाम यात्रा में अब 150 लोगों को रेस्क्यू कर स्ट्रेचर से अस्पताल पहुंचाकर उनके अनमोल जीवन की रक्षा की गयी जबकि यात्रा के दौरान मृत 09 लोगों के शवों को जिला पुलिस के सुपुर्द किया है। हिमस्खलन व भूस्खलन से बाधित यात्रा मार्गों में फंसे हजारों तीर्थ यात्रियों को सकुशल लैंडस्लाइड जोन/डेंजर जोन भी पार करवाया गया है।

कांग्रेस और भाजपा सरकार से दलितों की सुरक्षा की उम्मीद नहीं: मायावती

-राजस्थान की घटना को लेकर मायावती ने की निंदा

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने राजस्थान में हुई दलित बच्ची के अपहरण के बाद हत्या को लेकर वहां की सरकार पर हमला बोला है। मायावती ने अपने ट्विवटर हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा कि राजस्थान में भी दलित उत्पीड़न, हत्या का मामला अति-दुःखद है। वहां की राज्य सरकार के लिए अति-शर्म की बात। उन्होंने कहा कि करौली ज़िले में दलित बच्ची की घर से सोते हुए अपहरण व हत्या करके एसिड से जली उसकी लाश को कुएं में फेंकने की सुनियोजित जातिवादी घटना की जितनी भी निन्दा की जाए वह कम। बसपा प्रमुख ने कहा कि वैसे तो कांग्रेस हो या बीजेपी जैसी अन्य पार्टियों की सरकारों से गरीबों, मजलूमों, दलितों, आदिवासियों व अति पिछड़े आदि उपेक्षितों के उत्पीड़न तथा उनकी सुरक्षा व सम्मान की उम्मीद कतई नहीं की जा सकती है। फिर भी सरकार से मांग है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे।

हिमाचल में फंसे उप्र के 299 लोगों की हुई सुरक्षित वापसी, योगी सरकार ने घर पहुंचाया

लखनऊ, (हि.स.)। भारी बारिश और भूस्खलन की घटनाओं के बीच हिमाचल प्रदेश में फंसे उत्तर प्रदेश के 329 लोगों में से 299 को सुरक्षित वापस लाया गया। उन्हें सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचा दिया गया है। बाकी लोगों की भी सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास जारी है। उत्तर प्रदेश के राहत विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। राहत विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश के कुल 329 लोग हाल ही में पर्यटन सहित अन्य कारणों से हिमाचल प्रदेश गए थे। वहां पर वे भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ के बीच फंस गए थे। इसकी जानकारी होने पर सभी को सुरक्षित लाने के लिए राज्य सरकार ने हिमाचल सरकार के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। धीरे-धीरे सभी को वापस लाया जा रहा है। अभी तक 329 लोगों में से 299 को सुरक्षित लाकर उनके निवास स्थान पर पहुंचा दिया गया है। बाकी 30 लोगों में से 21 लोग वापस आ रहे हैं, जबकि आठ लोग हिमाचल प्रदेश में सुरक्षित हैं, जिन्हें वापस लाने की कवायद चल रही है। वहां फंसे एक व्यक्ति से संपर्क नहीं हो पा रहा है।

राजभर ने दिल्ली में की शाह से मुलाकात, यूपी के सियासी गलियारों में चर्चा शुरू

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में फिर माहौल गरमा रहा है। ओम प्रकाश राजभर को लेकर पिछले दिनों से लगातार चचाओं का दौर चल रहा है। राजभर स्वयं आगे आकर उन कयासों पर विराम लगाने की कोशिश करते हैं और फिर एक नई चर्चा शुरू हो जाती है। ताजा जानकारी सामने आ रही है, वह राजभर के दावों के उलट दिख रही है। दावा किया गया है कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष राजभर की दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई है। इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं। दावा यहां हैं कि राजभर की योगी सरकार में फिर वापसी हो सकती है। हालांकि, इन कयासों पर अभी तक राजभर का कोई बयान नहीं आया है। जब तक उनकी ओर से कुछ नहीं कहा जाता है, तब तक कुछ भी दावा जल्दबाजी होगी। राजभर और शाह की मुलाकात की खबरों के बाद लखनऊ का राजनीतिक माहौल गरमाने लगा है। दरअसल, पिछले दिनों दावा किया गया था कि राजभर 18 जुलाई को दिल्ली में होने वाली एनडीए दलों की बैठक में शामिल हो सकते हैं। बाद में राजभर ने इन तमाम दावों को खारिज करते हुए कहा, हम किसी के साथ भी मिल सकते हैं। कहीं भी जा सकते हैं। हमारी राजनीतिक ताकत को हर किसी ने माना है। हालांकि, उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर स्थिति साफ नहीं की थी। उनके बेटे अरविंद राजभर की ओर से कहा गया कि जब कोई न्यौता मिला ही नहीं है, तब ओम प्रकाश राजभर बैठक में क्यों जाएंगे? हालांकि, अब उनका बेटे के साथ केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात का मामला गरमा गया है। राजभर को लेकर दावा हो रहा हैं, कि दिल्ली में राजनीतिक मुलाकातों के बाद वे भाजपा के करीब आ सकते हैं। अगर राजभर भाजपा के साथ आते हैं, तब योगी आदित्यनाथ सरकार में उनकी वापसी हो सकती है। उन्हें भाजपा योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री का दर्जा दे सकती है। वर्ष 2017 की योगी सरकार-1 में ओम प्रकाश राजभर ने मंत्री पद की शपथ ली थी।

गैंगस्टर अमन साहू के खिलाफ चार्जशीर्ट दाखिल

रांची, (हि. स.)। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने शनिवार को गैंगस्टर अमन श्रीवास्तव के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। एटीएस के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में चार्जशीट दाखिल की गयी है। एटीएस ने चार्जशीट में अदालत को बताया है कि अमन श्रीवास्तव गैंग के अपराधी रंगदारी और लेवी से पैसे जुटाते हैं। इन पैसों से हथियार खरीदकर आगजनी कर व्यवसायियों-ठेकेदारों में खौफ फैलाते हैं। अमन के खिलाफ एटीएस ने कांड संख्या 1/2022 दर्ज की है। अमन श्रीवास्तव के खिलाफ आईपीसी की धारा 386, 387, 109, 43, 201 और 120(बी) के तहत चार्जशीट दाखिल की गयी है। उल्लेखनीय है कि 16 मई को अमन श्रीवास्तव को झारखंड एटीएस ने मुंबई से गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ राज्य के अलग-अलग थानों में कुल 23 जघन्य अपराध दर्ज हैं। मामले में एटीएस पिछले साल ही कई लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। दर्ज किये गये कांड संख्या 1/2022 में अमन गिरोह के अविक श्रीवास्तव, चंद्रप्रकाश राणु, मंजरी श्रीवास्तव, एश्ले लकड़ा, प्रिंसराज श्रीवास्तव, विनोद कुमार पांडेय, अमजद खान, जहीर अंसारी, महमूद उर्फ नेपाली, असलम, फिरोज खान, सिद्धार्थ कुमार साहू, पिंटू और सुनील को आरोपित बनाया गया है।

जेपी नड्डा ने गठबंधन की बैठक में शामिल होने के लिए चिराग को भेजा न्यौता

पटना, (हि.स.)। बिहार में गठबंधन को मजबूत करने का प्रयासों से तहत भाजपा ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान को दिल्ली में 18 जुलाई को होने वाली गठबंधन की बैठक में शामिल होने का न्यौता दिया है। इसके लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चिराग पासवान को पत्र लिखा है। जेपी नड्डा ने लिखा है कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का अहम साथी है। एनडीए के महत्वपूर्ण साथी दल के रूप में आप एनडीए सरकार के देश के विकास को गति देने की यात्रा के प्रमुख सहयोगी भी हैं। उन्होंने लिखा है कि 18 जुलाई को सायं पांच बजे नई दिल्ली स्थित होटल अशोक में प्रधानमंत्री की उपस्थिति में एनडीए की बैठक होनी तय हुई है। इस बैठक में आप सादर आमंत्रित हैं। नड्डा ने लिखा है कि एनडीए के महत्वपूर्ण साथी दल के रूप में आपकी भूमिका और आपका सहयोग गठबंधन को न सिर्फ मजबूत बनाता है, बल्कि देश की विकास यात्रा को भी सुदृढ़ता प्रदान करता है। एनडीए के साथी दलों की बैठक में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है। उल्लेखनीय है कि चिराग पासवान से दिल्ली स्थित उनके आवास पर शुक्रवार रात केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच देर रात खाने के टेबल पर कई मुद्दों पर चर्चा हुई। नित्यानंद राय से चिराग की एक हफ्ते में दूसरी मुलाकात है। इससे चिराग की भाजपा में शामिल होने की संभावना को और बल मिल गया है। बताया जा रहा है कि चिराग की शर्तों पर भाजपा ने सहमति जताई है।

उप्र में 18 और 20 जुलाई को फिर आयोजित होगा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने 17वें नियुक्ति पत्र कार्यक्रम में वितरित किए 400 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र
- आज युवाओं को सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए मंच प्रदान कर रहा है उप्र : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। अपडेट। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने मिशन रोजगार के तहत शनिवार को लोकभवन में 17वें नियुक्ति पत्र कार्यक्रम में 400 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार रोजगार के सृजन की दिशा में नए कदम आगे बढ़ाते हुए 18 और 20 जुलाई को फिर से नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश युवाओं के अनुकूल है, जो उन्हें सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए मंच प्रदान कर रहा है। प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने और सरकारी नौकरी देने के लिए ग्रुप टू और थ्री के नॉन गजटेड पदों में इंटरव्यू की प्रक्रिया को समाप्त किया गया है, जो सरकार के हर युवा को नौकरी उपलब्ध कराने के दृढ़ संकल्प को दशार्ता है। 17वें नियुक्ति पत्र कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 66 समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी (उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद), 204 अनुदेशक (प्राविधिक शिक्षा विभाग) एवं 130 कनिष्ठ सहायक (लोक निर्माण विभाग) के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिये गये। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब सरकार की कार्यपद्धति में कोई खोट नहीं होता है तो उसके कार्यों का लाभ पूरे प्रदेशवासियों को मिलता है, जिस तरह आज प्रदेश के हर वर्ग को मिल रहा है। यही वजह है कि आज प्रदेश की पहचान का संकट भी समाप्त हुआ है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में नहीं भटकना पड़ रहा है। योगी ने कहा कि सरकार की नीतियों का यह असर रहा कि पिछले 6 वर्षों में लगभग 6 लाख शासकीय नियुक्तियां दी गयी हैं। इन नियुक्तियों की प्रक्रिया में कोई प्रश्न खड़ा नहीं कर पाया। साथ ही किसी भी विभाग के नियुक्ति की कोई भी प्रक्रिया न्यायालय में लंबित नहीं है और ना ही न्यायालय द्वारा कोई टिप्पणी की गयी। उन्होंने कहा कि आज निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, शिक्षा आयोग या विभिन्न विभागों के स्तर पर चयन की प्रक्रिया संपन्न की जा रही है। इससे प्रदेश के युवाओं की प्रतिभा को प्रदेश में ही सम्मान मिलने लगा है। वर्ष 2017 के पहले क्या स्थितियां थीं, सभी जानते हैं। उस समय प्रदेश के युवाओं के मन में निराशा और हताशा थी। प्रदेश में चयन की प्रक्रिया में भेदभाव होता था। ऐसे में उन्हे बाहर जाने के लिए मजबूर होना पड़ता था। इस दौरान वह अपनी पहचान को छुपाता था क्योंकि उत्तर प्रदेश का नाम लेते तो लोग वहां पर चयन की बात तो दूर किराए पर कमरा भी नहीं देते थे। वहीं आज प्रदेश का युवा देश में कहीं भी जाए उसका लोग पलक बिछाए स्वागत और सम्मान करते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश के बहुत से युवा 2017 के पहले वाले दौर से भी गुजरे होंगे। उन्होंने नौकरी समेत अन्य व्यवस्थाओं में भेदभाव, भाई-भतीजावाद और जातिवाद के दंश को झेला होगा। इस दौरान उन्होंने अराजकता के कारण अपने बहुमूल्य समय को खोते हुए देखा होगा, लेकिन पिछले 6 वर्षों में जो परिवर्तन हुआ है, उससे सभी को एक नई व्यवस्था देने का कार्य किया गया है। उन्हे आज सुरक्षा, भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था, पूरी शुचिता और पारदर्शी तरीके से नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। वहीं प्रदेश सरकार भी आप सब से अपेक्षा रखती है कि इसी प्रकार की व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में आप सभी अपना योगदान देते रहें। आप सभी के प्रयासों से आने वाली पीढ़ी को अनवरत लाभ प्राप्त होगा। योगी ने कहा कि आज प्रदेश में सबसे अधिक 90 लाख से अधिक एमएसएमई यूनिट हैं, जो रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम हैं। ऐसे में इन्हे स्थापित करने में तमाम प्रक्रियाओं को सरल किया गया है। इसका लाभ भी सभी को मिल रहा है। कोरोना काल खंड में इसी सेक्टर ने दूसरे राज्यों से आए करीब चालीस लाख कामगार और श्रमिकों को रोजगार दिया। कोरोना काल में देश के जिन राज्यों ने श्रमिकों और कामगारों से मुंह मोड़ा था, आज वह पछता रहे हैं और इन्हें अपने राज्य में बुलाने के लिए मुझसे निवेदन कर रहे हैं। प्रदेश में यूपीजीआईएस-23 में 36 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए, जिससे एक करोड़ युवाओं को रोजगार मिलेगा। अब प्रदेश के युवाओं को रोजगार के लिए कहीं भटकने की जरूरत नहीं, बल्कि आज प्रदेश दूसरे राज्यों के युवाओं को रोजगार देने की क्षमता रखता है। नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद, आशीष पटेल, राजस्व परिषद के अध्यक्ष संजय मित्तल, अपर मुख्य सचिव प्राविधिक शिक्षा कल्पना अवस्थी, अपर मुख्य सचिव राजस्व सुधीर गर्ग, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान आदि उपस्थित रहे।

हाथरस में 1026 बंदियों की जेल होगी, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य : धर्मवीर प्रजापति

हाथरस, (हि.स.)। जनपद में जिला कारागार बनाया जाएगा। इसके लिए शासन से बजट भी पास हो गया है। इसी सिलसिले में शनिवार को कारागार एवं होमगार्ड विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति जनपद पहुंचे। यहां पर उन्होंने जिला जेल के लिए प्रस्तावित जमीन को देखा। उनके साथ भाजपा सदर विधायक अंजुला माहौर एवं सिकंदराराऊ से भाजपा विधायक वीरेंद्र सिंह राणा मौजूद रहे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले में जेल निर्माण को लेकर हरी झंडी दी है। जनपद में 1026 बंदियों की जेल होगी, जिसके लिए शासन से 184 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। जल्द जेल का निर्माण कार्य शुरू होगा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में माफिया जेल में ऐशोआराम के लिए जाते थे, लेकिन वर्तमान की भाजपा सरकार में बडे.माफियाओं को आम कैदियों की तरह से ही जेल में रखा जाता है। अब उन माफियाओं को यह अहसास हो रहा है कि जेल-जेल होती है। कोई भी नेटवर्क जेल से नहीं चल रहा। सबसे बड़ी उपलब्धी यह है कि जेल में अब कैदियों से कोई वाद-विवाद नहीं हुआ। पेशेवर अपराधी कैमरों की निगरानी में रहते हैं।

रांची उपायुक्त ने की कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा, दिए कई निर्देश

रांची, (हि.स.)। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में संबंधित सभी अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना (चिकित्सा अनुदान), शहीद ग्राम विकास योजना, प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम की समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि जिन प्रखंडों में बिरसा आवास योजना का कार्य होना लंबित है, वैसे मामलों पर जोर देकर इसे पूरा कराना सुनिश्चित करें। विशेष रूप से बुंडू, खलारी, तमाड़ प्रखंड में जो आवास पूरा नहीं हुआ हैं, उसे तीन माह के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही लाभुकों का आइडेंटिफाई एवं एकरारनामा कार्य पूर्ण कराने को कहा गया। कार्य पूर्ण नहीं होने पर इसपर कार्रवाई की जायेगी। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारी से पूछा कि सरना, मसना, हड़गड़ी और जाहेरस्थान घेराबंदी योजना से संबंधित राशि मिल जाती हैं। किसी प्रकार की कोई समस्या तो नही हैं। इस योजना का पूरा होने पर ध्यान देने का निर्देश देते हुए रांची जिला के सभी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी को कार्य स्थल पर जाकर निरीक्षण और इस कार्य की मॉनिटरिंग पर ध्यान देने का निर्देश दिया। लंबित कार्य को छह माह में पूरा कराये। उपायुक्त ने कल्याण विभाग की ओर से संचालित मिलने वाली पोस्ट मैट्रिक/प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति के बारे में संबंधित अधिकारी से जानकारी लेते हुए छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का भुगतान ससमय हो इसपर ध्यान देने का निर्देश दिया।

शांतिपूर्ण मार्च पर चाचा भतीजे की साजिश के तहत यह कार्रवाई की गई है: सांसद

बेतिया, (हि.स)। पटना में विधानसभा मार्च के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेश पर पुलिस द्वारा भाजपा कार्यकताओं पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज की गई जिसमें एक कार्यकर्ता विजय कुमार सिंह की मौत हो गई। उक्त बातें मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पश्चिम चंपारण सांसद डॉक्टर संजय जायसवाल ने कही। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण मार्च पर चाचा भतीजे की साजिश के तहत यह कार्रवाई की गई है । चाचा भतीजे को बिहारियों से घोर नफरत है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण शिक्षक बहाली में लाए गये नए नियम है । सांसद ने कहा कि हम अपना आंदोलन तब तक जारी रखेंगे जब तक बिहारियों को न्याय नहीं मिल जाता। चाचा भतीजा ने बिहार को बर्बाद कर के रख दिया। वही लाठीचार्ज और कार्यकर्ता की मौत के विरोध में शनिवार को बिहार के तमाम जिला मुख्यालय पर आक्रोश पूर्ण धरना दिया गया और जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को एक विज्ञापन भी सौंपी गई है ।

3 चरणों में चलेगा 'सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0' अभियान

औरैया, (हि.स.)। जनपद में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम से छूटे हुये पाँच वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 अभियान तीन चरणों में चलाया जाएगा। इसका पहला चरण 7 अगस्त से 12 अगस्त तक, दूसरा चरण 11 सितंबर से 16 सितंबर तक तथा तीसरा चरण 9 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। अभियान की सफलता के लिए शनिवार को जिला स्तरीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यशाला का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में डब्ल्यूएचओ के सहयोग से शहर स्थित होटल जेके टॉवर में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ सुनील कुमार वर्मा ने की। कार्यशाला में डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ चेतन शर्मा ने हेड काउंट सर्वे एवं माइक्रोप्लान के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा करने के साथ ही अभियान की रणनीति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सीएमओ ने कहा कि जनपद में प्रत्येक बुधवार और शनिवार को नियमित टीकाकरण सत्र चलाया जा रहा है। लेकिन किन्ही कारणों से कई बच्चे व गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण छूट जाता है। इसी को लेकर सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 अभियान तीन चरणों में अगस्त, सितंबर और अक्टूबर माह में चलाया जाएगा। इस अभियान में एकीकृत रूप से छूटे हुये बच्चों और गर्भवती को टीकाकरण से आच्छादित कर विशेष जोर दिया जाएगा। सीएमओ ने समस्त अधीक्षक व प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान में उच्च जोखिम, मलिन बस्तियों, दूर-दराज के क्षेत्रों में विशेष जोर दिया जाए। आशा कार्यकर्ता के माध्यम घर-घर जाकर सर्वेक्षण (हेड काउंट सर्वे) कराया जाए। टीकाकरण से छूटे हुए पांच वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर ई-कवच पोर्टल पर अपलोड की जाए। दो से पांच साल तक के बच्चों को मीजिल्स-रूबेला की पहली-दूसरी डोज एवं ओपीवी व डीपीटी की बूस्टर डोज पर विशेष जोर दिया जाए। लाभार्थियों को जागरूक कर टीकाकरण सत्र पर लाने के लिए प्रेरित करें और छूटे हुए बच्चों व गर्भवती का टीकाकरण सुनिश्चित कराएं। अभियान की प्रतिदिन समीक्षा बैठक की जाए। जन भागीदारी सुनिश्चित करते हुये जन प्रतिनिधि, धर्मगुरुओं और प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग लिया जाए। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी (डीआईओ) डॉ राकेश सिंह ने बताया कि अभियान के तहत टीकाकृत किए गए बच्चों और गर्भवती महिलाओं के कवरेज की एंट्री ई-कवच पोर्टल पर की जाएगी। टीकाकरण सत्र हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर सेंटर, वीएचएसएनडी सत्र, निजी चिकित्सालयों, रेल्वे स्टेशन, स्वयं सेवी स्वास्थ्य संस्थाओं में भी आयोजित किए जाएंगे। आईसीडीएस विभाग सहित महिला आरोग्य समिति और नगर निगम का भी सहयोग लिया जाएगा। अभियान में ह्यपांच साल-सात बारह्ल टीकाकरण पर जोर दिया जाएगा। इसमें जन्म से लेकर पांच साल में बीसीजी, हेपेटाइटिस-बी, पेंटा, मीजल्स- रूबैल्ला, पीसीवी, रोटा वाइरस, पोलियो सहित 11 टीकों से कोई भी बच्चा वंचित न रहे। अभियान में डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, यूएनडीपी, संस्थाओं का तकनीकी सहयोग लिया जाएगा। कार्यशाला में वैक्सीन कोल्ड चेन पॉइंट के समुचित रख-रखाव, वितरण, प्रबंधन एवं सामुदायिक संचार व्यवहार परिवर्तन आदि के बारे में जानकारी दी गई। सीएमओ ने बताया कि टीकाकरण बहुत ही सुरक्षित और प्रभावी है। टीकाकरण बच्चों व गर्भवती को गंभीर बीमारियों के साथ ही टीके से रोकी जा सकने वाली जन्मजात बीमारियों की जटिलताओं से बचाता है। इससे बच्चों में रोग-प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। उन्होंने अपील कीं कि सभी परिजन जन्म से लेकर पाँच वर्ष तक के सभी बच्चों और गर्भवती का टीकाकरण समय से कराएं।

सभी क्षेत्रों में चुनौतियां हैं, जिनका आधुनिक समाधान जरूरी : राज्यपाल

रांची, (हि.स.)। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि तेजी से विकसित हो रही दुनिया में पिछले दशकों के सिद्ध मॉडल निरर्थक होते जा रहे हैं। सभी क्षेत्रों में चुनौतियां हैं, जिनका आधुनिक समाधान जरूरी है। मुझे विश्वास है कि इस संस्थान के छात्र इन चुनौतियों से निपटने और विशिष्टता के साथ देश और पेशे की सेवा करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। राज्यपाल शनिवार को बीआईटी मेसरा के 68वें स्थापना दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीआईटी मेसरा उच्च शिक्षा का एक संस्थान बनाने की दृष्टि से शुरू हुआ था जो न केवल ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि नवाचार और समग्र विकास को भी बढ़ावा देगा। यह दृष्टिकोण कार्य में परिवर्तित हो गया और संस्थान को भारत के विश्वविद्यालयों में बेहतरीन तकनीकी संस्थानों में से एक बना दिया। अतीत के गौरवशाली इतिहास को आगे बढ़ाते हुए भविष्य की आकांक्षाओं में बाधा नहीं बननी चाहिए। राज्यपाल बीआईटी मेसरा झारखंड राज्य और देश के लोगों की भलाई के साथ आर्थिक समृद्धि के लिए इंटेलिजेंस, अंतरिक्ष इंजीनियरिंग, सैटेलाइट संचार, बिजली उत्पादन और वितरण, जल संसाधन प्रबंधन और कई अन्य क्षेत्रों में योगदान देगा। दुनिया आने वाले वर्षों में पर्यावरणीय चुनौतियों के लिए उत्सुकता से तकनीकी समाधान तलाश रही है। ऐसे में भारत के युवा इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को चाहिए कि इस कार्य में सफलता हासिल करने में मदद करें।

मेयर की शिकायत पर गठित टीम ने शुरू किया सीवरेज की जांच

बेगूसराय, (हि.स.)। नगर निगम क्षेत्र में सीवरेज निर्माण कार्य में गड़बड़ी की शिकायत मेयर पिंकी देवी द्वारा किए जाने के बाद डीएम द्वारा गठित जांच टीम ने शनिवार से निरीक्षण और जांच शुरू कर दी है। नगर आयुक्त मनोज कुमार की अध्यक्षता में गठित जांच टीम के सदस्यों ने मेन रोड में विभिन्न जगह जांच किया है। मेयर पिंकी देवी ने बताया कि उन्होंने डीएम से मिलकर कहा था कि बेगूसराय नगर निगम क्षेत्र में अमृत मिशन कार्यक्रम के तहत जलापूर्ति से संबंधित कार्य के तहत पाईप बिछाने तथा रिस्टोरेशन का कार्य प्रथम दृष्टया घटिया एवं गुणवत्ताहीन प्रतीत होता है। कई स्थानों पर सड़क के उपर ही पाईप बिछा दिया गया है। रिस्टोरशन की प्रगति भी काफी धीमी है एवं सही तरीके से रिस्टोरशन का कार्य नहीं कराये जाने के कारण कुछ समय बाद ही सड़कें टूटने एवं धंसने लगती है। जहां-जहां जलापूर्ति से संबंधित कार्य कराया गया है, उनमें कई जगहों पर सड़क टूट अथवा धंस गया है। जिससे लोगों को आवागमन में काफी कठिनाई होती है। उक्त कार्य बुडको के माध्यम से कराया जा रहा है। नगर विकास आवास विभाग का स्पष्ट निर्देश है कि निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त होने वाली सम्पत्ति का पुर्नस्थापन संबंधित कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा नगर निकाय की संतुष्टि तक अपने संसाधनों से करना होगा। इसी के आलोक में गुणवत्ता विहीन रिस्टोरेशन कार्य की जांच के लिए नगर आयुक्त की अध्यक्षता में पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता एवं एलएईओ-वन के कनीय अभियंता की टीम बनाई गई है। टीम ने आज से जांच शुरू कर दिया है। सात दिनों के अंदर मामले की जांच कर अग्रेतर कार्रवाई के लिए डीएम को प्रतिवेदन दिया समर्पित किया जाएगा।

संपादकीय

दिल्ली में बाढ़ का तांडव

महात्मा गांधी की समाधि 'राजघाट' में बाढ़ का पानी है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की समाधि 'विजय घाट' में भी पानी-पानी है। ऐतिहासिक लाल किला अंदर और बाहर बाढग्रस्त है। करीब 2-4 फुट पानी है। अंतरराज्यीय बस अड्डे में इतना पानी भर गया था कि उसे फिलहाल बंद करना पड़ा। राजधानी दिल्ली की 'लाइफ लाइन' रिंग रोड पर भी घुटनों तक पानी है। सबसे बड़े श्मशान घाट 'निगम बोध घाट' को बाढ़ के कारण बंद करना पड़ा। सारांश यह है कि यमुना में पानी इस खतरनाक स्तर तक बढ़ गया है कि अब भी बाढ़ के हालात हैं। दिल्ली में अभूतपूर्व, अकल्पनीय 268 मिमी से अधिक बारिश हो चुकी है, जो हरियाणा, पंजाब जैसे मैदानी राज्यों से करीब 97 फीसदी ज्यादा है। हरियाणा में स्थित हथिनी कुंड बैराज से सामान्य दिनों में औसतन 352 क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है, लेकिन अत्यधिक बारिश के कारण आजकल 1.5 लाख से 3 लाख क्यूसेक तक पानी छोड़ा जा रहा है। जाहिर है कि वह पानी यमुना में ही आएगा और जलस्तर अधिक होने के कारण बाढ़ के हालात बनेंगे। अभी तक यमुना किनारे और आसपास बसे 41,000 से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। उन्हें राहत-शिविरों में रखा गया है अथवा वे मेट्रो ट्रेन के पुलों के नीचे, खुले में, गुजर-बसर करने को विवश हैं। यदि बाढ़ की स्थिति व्यापक होती है, तो राजधानी के एक करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होंगे। दिल्ली की एक और 'लाइफ लाइन' माने जाने वाले 3 वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स को भी बंद करना पड़ा है, नतीजतन राजधानी में पानी के संकट की आशंका बढ़ गई है। 1978 में भी यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया था। तब 18 लोग मारे गए थे और लाखों प्रभावित हुए थे। वह राजधानी दिल्ली में भी तांगे और बैलगाड़ी का युग था। मारुति कार भी भारत में नहीं आई थी। तब दिल्ली में राष्ट्रपति शासन था। जब 2013 में भी बाढ़ आई थी, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित और उनकी सरकार पर दोष मढ़े गए थे। केजरीवाल ने नई-नई राजनीति शुरू की थी और दिल्ली को बाढ़ से बचाने के उपाय बताए थे। दिल्ली में केजरीवाल ही लगातार सत्ता में हैं। अब उन्होंने 'पीड़ित होने का पत्ता' खेलना शुरू किया है। जिस कॉलोनी में मुख्यमंत्री की कोठी है, वह ही बाढग्रस्त है, तो शेष राजधानी का क्या होगा? वहां कई अतिविशिष्ट लोग रहते हैं, सरकारी दफ्तर भी हैं और पानी घुटनों से भी ऊपर है। वैश्विक मीडिया में ऐसे फोटो छापे जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर खूब बदनामी हो रही है। तो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत क्या जवाब देगा? केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है कि वह हरियाणा के मुख्यमंत्री को निर्देश दें कि बैराज से अधिक पानी न छोड़ा जाए। केजरीवाल आईआईटी के इंजीनियर हैं, लेकिन उन्हें इतनी भी जानकारी नहीं है कि हथिनी कुंड बैराज में जल का भंडारण नहीं किया जा सकता। वहां से पानी इधर-उधर की दिशा में छोडना ही पड़ता है। बहरहाल दिल्ली में बाढ़ के लिए केजरीवाल ही 'खलनायक' नहीं हैं, बल्कि जिन नेताओं, मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और अफसरों के हाथ में यमुना का शासन रहा है, उन्होंने ही दिल्ली को डुबोने का काम किया है। यमुना किनारे ही 'अक्षरधाम' बना है, यमुना किनारे ही राष्ट्रमंडल खेल गांव बसा है और यमुना के आधार पर ही मेट्रो रेल का रखरखाव मुख्यालय बना है। ऐसे तमाम निर्माण 'मौत के मुंह पर' किए गए हैं। इन निर्माणों को 'अवैध स्वीकृति' दी गई है और करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार किया जाता रहा है। यहां बहुमंजिला इमारतें भी हैं और झुग्गी-झोपडियां भी हैं। यमुना में जलस्तर बढ़ता है, तो लोगों को कहीं और जाने को कहा जाता है। ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई, जो बाढ़ को नियंत्रित कर सके। हम ड्रेनेज की बात करते रहे हैं, वह अव्यवस्था बेंगलुरू, मुंबई, चेन्नई जैसे महानगरों में भी है। देश में चौतरफा बदलाव हो चुका है, हम चांद पर उतरने की कोशिशें कर रहे हैं, लेकिन राजधानी में ही बाढ़ नियंत्रण में नहीं है, इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी? बाद में मिली खबरों के अनुसार यमुना का जलस्तर अब कम हो रहा है, लेकिन दिल्ली पर संकट पहले की तरह बरकरार है।

दिल्ली में अभूतपूर्व, अकल्पनीय 268 मिमी से अधिक बारिश हो चुकी है, जो हरियाणा, पंजाब जैसे मैदानी राज्यों से करीब 97 फीसदी ज्यादा है। हरियाणा में स्थित हथिनी कुंड बैराज से सामान्य दिनों में औसतन 352 क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है, लेकिन अत्यधिक बारिश के कारण आजकल 1.5 लाख से 3 लाख क्यूसेक तक पानी छोड़ा जा रहा है। जाहिर है कि वह पानी यमुना में ही आएगा और जलस्तर अधिक होने के कारण बाढ़ के हालात बनेंगे। अभी तक यमुना किनारे और आसपास बसे 41,000 से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। उन्हें राहत-शिविरों में रखा गया है अथवा वे मेट्रो ट्रेन के पुलों के नीचे, खुले में, गुजर-बसर करने को विवश हैं। यदि बाढ़ की स्थिति व्यापक होती है, तो राजधानी के एक करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होंगे। दिल्ली की एक और 'लाइफ लाइन' माने जाने वाले 3 वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स को भी बंद करना पड़ा है, नतीजतन राजधानी में पानी के संकट की आशंका बढ़ गई है। 1978 में भी यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया था। तब 18 लोग मारे गए थे और लाखों प्रभावित हुए थे। वह राजधानी दिल्ली में भी तांगे और बैलगाड़ी का युग था। मारुति कार भी भारत में नहीं आई थी।

भारतीय नौ सेना के लिए फ्रांस के साथ 26 राफेल एम मरीन लड़ाकू विमानों का सौदा होने की उम्मीद है

फ्रांस-भारत की दोस्ती से दुनिया की बेहतरी

ललित गर्ग

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राएं नये भारत-सशक्त भारत की इबारत लिखने के अमिट आलेख हैं। उनके नेतृत्व में उभरता नया भारत विकसित एवं विकासशील देशों के बीच सेतु बन रहा है। हाल ही में अमेरीका एवं मिस्र की ऐतिहासिक एवं सफल यात्राओं के बाद मोदी फ्रांस की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। इस वर्ष भारत और फ्रांस के बीच राजनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं और मोदी का यह फ्रांस दौरा काफी अहम है। पिछले 25 वर्षों में दोनों देशों के बीच कई द्विपक्षीय समझौते हुए हैं लेकिन इस बार होने वाले समझौतों से दोस्ती का नया दौर शुरू होगा। भारत की विदेशों में बढ़ती साख को इस यात्रा से एक नई ऊंचाई मिलेगी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को फ्रांस के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। मोदी बैस्टिल दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जिसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिजेट मैक्रों और अन्य अतिथिगण भी थे। इस परेड के लिए भारतीय नौसेना के जवान भी पहुंचे हैं। फ्रांस की इस यात्रा के दौरान होने वाले विभिन्न समझौते भारत की रक्षा, प्रौद्योगिकी, तकनीकी एवं सामरिक जरूरतों को पूरा करने में अहम कदम साबित होंगे। व्यापार व उद्योग के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में फ्रांस के साथ द्विपक्षीय सहयोग से नई उम्मीदें जागेंगी। इस यात्रा के दौरान किये गये प्रधानमंत्री के प्रयास मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भरता, नये भारत-सशक्त भारत एवं सतत विकास की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होंगे। फ्रांस एक ऐसा देश है जो हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है। भारतीय सेना को मजबूत करने की बात हो या फिर परमाणु परीक्षण का दौर, वह भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा दिखाई देता रहा है। वर्ष 1998 में जब भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण से पूरी दुनिया को चौंका दिया था और उस समय डरी एवं सहमी शक्तियों ने भारत पर प्रतिबंध लगा दिए थे तब फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति जैक शिराक ने भारत का साथ दिया और कहा था कि हमें एशिया की उभरती हुई महाशक्ति को नजरंदाज नहीं करना चाहिए। आज भी एक मित्र की भांति फ्रांस भारत के साथ खड़ा है। फ्रांस के द्वारा भारत को इतना सम्मान एवं महत्व देने के पीछे कई कारण हैं। इनमें भारत की बड़ी होती अर्थव्यवस्था और बड़ा बाजार प्रमुख है। भारत की शांति एवं सद्भाव की नीति है। दुनिया की महाशक्तियों से संतुलन बनाने में भारत उसका मुख्य आधार है। भले ही भारत फ्रांस से सैन्य सामग्री खरीदने वाला प्रमुख देश है। इनदिनों रूस और चीन काफी नजदीक आये हैं। रूस के नए विकल्प के तौर पर फ्रांस से बेहतर कोई और देश नहीं हो सकता है जो रक्षा सहयोग तो करता ही है साथ ही तकनीक में भी सहयोग कर रहा है। भारत के लिये रूस की जो जगह है, वह स्थान फ्रांस को देने के लिये भारत को सोचना चाहिए, भारत

ऐसा ही सोचेगा यह फ्रांस को अहसास है। यह अहसास भी दोनों देशों की मित्रता को प्रगाढ़ करने का बड़ा आधार है। यही कारण है कि फ्रांस और भारत के संबंधों को कई पहलुओं और कई नजरियों से आंका जा रहा है, उसका विश्लेषण किया जा रहा है। इतिहास में देखें तो दोनों देशों का आपस में जो तालमेल है, वो दो सभ्यताओं का हो सकता है, दो विचारधाराओं एवं संस्कृतियों का हो सकता है। भारत भी ऐसे देश से दोस्ती बढ़ाना चाहेगा, जो उसके विकास एवं मजबूती का आधार हो। फ्रांस भारत की शांति का पक्षधर रहा है, इसलिये विश्वस्तर पर भारत में पडोसी देश द्वारा पल्लवित आतंकवादी घटनाओं का विरोध करता रहा है। अब तो यह भी लगने लगा है कि फ्रांस ने पश्चिमी दुनिया में भारत के विश्वस्त दोस्त और सहयोगी साझेदार के रूप में रूस की जगह ले ली है। भारत ने फ्रांस का तब से विशेष सम्मान करना शुरू कर दिया है, जब फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र में चीन द्वारा कश्मीर पर बुलाई गई बैठक में भारत के रूख का समर्थन किया था। फ्रांसीसियों ने पहले भी वैश्विक आतंकवादी मसूद अजहर पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का समर्थन किया था। पुलवामा हमले के बाद भारत ने कूटनीति के मोर्चे पर पाकिस्तान एवं चीन को पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया था। इसी के कारण पुलवामा हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के चीफ मसूद अजहर पर प्रतिबंध लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने प्रस्ताव पेश किया था। फ्रांस न केवल भारत में आतंकवाद को समाप्त करने में सहयोगी बन रहा है, बल्कि भारत को एक शक्तिसम्पन्न देश बनाने में भी हरसंभव सहयोग कर रहा है। फ्रांस से हमारी सैन्य शक्ति मजबूत हुई है, वहां से हमें लड़ाकू विमान से लेकर पनडुब्बी तक मिल रही है। मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों देश महत्वपूर्ण रक्षा और व्यापारिक समझौते पर मुहर लगायेंगे। भारतीय नौ सेना के लिए फ्रांस के साथ 26 राफेल एम मरीन लड़ाकू विमानों का सौदा होने की उम्मीद है। दुनिया की एक बड़ी ताकत बनते भारत को फ्रांस की मित्रता से अनेक लाभ हैं। भले ही रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में पिछले कुछ सालों में भारत ने दूरगामी प्रभाव वाले कदम उठाए हैं, जिसकी बदौलत हमारे रक्षा आयात में कुछ कमी जरूर आई है। इसके बावजूद भी ये सच्चाई है कि रक्षा जरूरतों को पूरा करने में बाहरी मुल्कों और विशेषतः फ्रांस पर निर्भरता को पूरी तरह से खत्म करने में भारत को अभी लंबा सफर तय करना पड़ेगा। यह बात फ्रांस भलीभांति जानता है। इसीलिये भारत के इस रक्षा बाजार पर अमेरिका के साथ ही फ्रांस की भी नजर है। प्रधानमंत्री मोदी की यह फ्रांस यात्रा दुनिया की गैर-जिम्मेदार बढ़ी शक्तियों की दादागिरी को समाप्त करने की दिशा में मिल का पत्थर साबित होगी। भारत दुनिया में ऐसे राष्ट्रों को संगठित करना चाहता है जो युद्ध विरोधी हो। इसी उद्देश्य से भारत, फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 8 जून को ओमान की खाड़ी में अपना पहला त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसमें आईएनएस तरकश, फ्रांसीसी जहाज सुरकौफ, फ्रेंच राफेल विमान और यूएई नौसेना समुद्री गश्ती विमान की भागीदारी थी। इस अभ्यास में सतही युद्ध जैसे नौसेना संचालन का एक व्यापक स्पेक्ट्रम देखा गया था, जिसमें सतह के लक्ष्यों पर मिसाइल से सामरिक गोलीबारी और अभ्यास, हेलीकोप्टर क्रॉस डेक लैंडिंग संचालन, उन्नत वायु रक्षा अभ्यास और बोर्डिंग संचालन शामिल थे। युद्ध चाहने वाले देशों के लिये अपनी सोच बदलने को विवश करना ऐसे संगठनों एवं सांझें प्रयत्नों से ही संभव होगा। मोदी की यात्रा से ठीक पहले इस तरह के अभ्यास का उद्देश्य तीनों नौसेनाओं के बीच त्रिपक्षीय सहयोग को बढ़ाना और समुद्री वातावरण में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक खतरों को दूर करने के उपायों को अपनाने का मार्ग प्रशस्त करना था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फ्रांस दौरे पर दुनिया की नजरें लगी हुई हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि फ्रांस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रभावशाली सदस्य है और उसने अमेरिका की तरह भारत से कभी भी विशुद्ध सौदेबाजी नहीं की। चीन की बढ़ती आक्रामकता एवं विस्तारवादी सोच को रोकने के लिए अमेरीका एवं फ्रांस दोनों देश भारत के बहुत करीब आए है। युद्ध, हिंसा, साम्प्रदायिक उन्माद एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले चीन एवं पाकिस्तान को सबक सिखाना दुनिया की सबसे बड़ी जरूरत हो गयी। ऐसा करना इसलिए आवश्यक हो गया है क्योंकि पाकिस्तान जहां आतंकवाद को सहयोग-समर्थन और संरक्षण देने से बाज नहीं आ रहा है, वहीं चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते एशिया ही नहीं, पूरे विश्व के लिए खतरा बन गया है। मानकर चलिए कि मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के बीच होने वाली वार्ताओं से व्यापार और अर्थशास्त्र से लेकर ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी, रक्षा और सुरक्षा सहयोग और भारत-प्रशांत में सहयोग जैसे मुद्दों पर ऐसा सकारात्मक वातावरण बनेगा, जिससे समूची दुनिया शांति, सहयोग, सह-जीवन एवं आतंकवाद मुक्ति का अहसास कर सकेगी। विशेषतः आतंकवाद मुक्त विश्व की संरचना दोनों देशों की प्राथमिकता है।

फ्रांस एक ऐसा देश है जो हमेशा भारत के साथ खड़ा रहा है। भारतीय सेना को मजबूत करने की बात हो या फिर परमाणु परीक्षण का दौर, वह भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा दिखाई देता रहा है। वर्ष 1998 में जब भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण से पूरी दुनिया को चौंका दिया था और उस समय डरी एवं सहमी शक्तियों ने भारत पर प्रतिबंध लगा दिए थे तब फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति जैक शिराक ने भारत का साथ दिया और कहा था कि हमें एशिया की उभरती हुई महाशक्ति को नजरंदाज नहीं करना चाहिए। आज भी एक मित्र की भांति फ्रांस भारत के साथ खड़ा है। फ्रांस के द्वारा भारत को इतना सम्मान एवं महत्व देने के पीछे कई कारण हैं। इनमें भारत की बड़ी होती अर्थव्यवस्था और बड़ा बाजार प्रमुख है। भारत की शांति एवं सद्भाव की नीति है।

प्रकृति से छेड़छाड़ का परिणाम है यह आपदा

चारों ओर लगातार मूसलाधार वर्षा का भयानक शोर जैसे गगन से असंख्य तीरों की बौछारों से पृथ्वी पर आक्रमण किया जा रहा हो कि जो भी सामने आएगा वह बिछ जाएगा। मेघों की दिल दहला देने वाली गडग़ड़ाहट जैसे सैकड़ों-हजारों बाघ गरजते हुए किसी को भी अपनी भूख का ग्रास बनाने के लिए ललकार रहे हों। बिजली का लपक-लपक कर डराना जैसे विशाल विनाशक बम फट रहे हों। विशालकाय पर्वतों का इस तरह दरकते हुए गिरना जैसे कोई दैत्य अपनी आगोश में लेकर भींच कर मारने पर उतारू है। जलस्तर बढने से नदी-नालों में उफान तबाही लाता हुआ आगे बढ़ रहा है। इसका भयानक सैलाब गलियों, मोहल्लों, गांवों, शहरों में दहाड़ें मारता हुआ, मुंह बाए चला आ रहा है। इस सैलाब में न जाने कितने घर, भवन भरभरा कर गिर पड़े, न जाने कितने प्राणी, कार, ट्रक आदि जलमग्न हो गए। न जाने कितनों की कब्र भूस्खलन में दबकर रह गई। रात के समय बाढ़ के कारण न जाने कितने लोग, पशु पानी में बह गए, इसका सही आंकड़ा किसी के भी पास नहीं है। सैकड़ों सडक़ें और ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई स्थानीय लोग व पर्यटक इस भयानक आपदा में बिना भोजन-जल के फंस गए हैं जिन्हें राहत व बचाव दल द्वारा बचाकर सुरक्षित स्थानों में भेजा जा रहा है। कई घर-गांव अंधेरे में डूबे हैं। सारा हिमाचल हिल गया है। सभी समाचार चैनलों में

हिमाचल को विशेष रूप से दिखाया जा रहा है क्योंकि यहां पर भूस्खलन, बाढ़, बादल फटने आदि प्रकृति के कहर से सबसे अधिक मौतें हुई हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के विद्वान वैज्ञानिक की मजबूत सहमति है कि पृथ्वी में मौसम परिवर्तन हो रहा है और इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियां हैं। लगभग सभी जलवायु वैज्ञानिकों का मानना है कि मनुष्य ही जलवायु परिवर्तन का कारण बन रहे हैं। ईश्वर ने मनुष्य को बुद्धि का अनुपम वरदान दिया। मनुष्य ने उसी बुद्धि के प्रयोग से अनेकानेक चमत्कार कर दिखाए। ऊंचे-ऊंचे पर्वतों को काटकर उनमें सुरंगें बनाकर दुर्गम रास्तों को सुगम बना दिया। विशाल सागर को पार करने के साधन जुटा लिए, आकाश की ऊंचाइयों को छू लिया, नदियों की दिशाएं बदल दी। महत्वाकांक्षी मानव की जिज्ञासाओं और कामनाओं का अंत नहीं है। उसकी यही महत्वाकांक्षा उसे निरंतर अदृश्य अवनति, रोग, अशांति, असंतोष के पथ पर ले जा रही है। जो वनराशि मनुष्य को विभिन्न प्रकार की वन संपदा प्रदान करती है, उसी पर मनुष्य के स्वार्थ का प्रहार जारी है। बिजली के उपकरणों पर हम इतने आश्रित हो गए हैं कि खुली हवा में सोने के स्थान पर एसी में बंद रहना चाहते हैं। हर काम मशीनों से हो रहा है। हर व्यक्ति अकेला या एकल परिवार में अलग मकान में रहकर अपनी अलग कार, अपनी अलग मशीनें और अपना अलग घर बसाना चाहता है। इतने परिवार के सदस्य नहीं जितने कि बड़े आलीशान मकान बनाए जा रहे हैं। हर तरफ बड़े-बड़े भवन, मॉल, बाजार सोसाइटी। वनों को काटकर नदियों के किनारे भी बस्तियां या पर्यटकों को लुभाने के लिए पैसे कमाने के लिए होटल ही होटल, जिसके लिए संसाधनों का अंधाधुंध दोहन और प्रकृति से छेड़छाड़ की जा रही है। पहाड़ी राज्यों में फोरलेन आदि बनाने की होड़ में पहाड़ों को मैदान बनाने का प्रयास। जब सब ओर कंक्रीट का जाल तो जल जाए तो कहां जाएं? उसका गुस्सा तो फिर ऐसा फूटता है कि उसके रास्ते में जो भी आता है उसे बहाता- गिराता जल सैलाब आगे बढ़ता जाता है। जब गगन से अतिवृष्टि होती है तो सारी सुविधाएं धरी रह जाती हैं। हमें अपनी कामना को संतुलन देना होगा। हमारे जीवन की महत्वपूर्ण आवश्यक तीन अमूल्य प्रकृति की देन जल, वायु और वनस्पति को हमने दूषित किया। वनों को उजाड़ा, नदियों को बांध दिया। अति किसी भी वस्तु की सही नहीं होती है। हम सुख-सुविधाएं जुटाने के नाम पर पागल से होते जा रहे हैं जबकि हम अपनी पीढ़ी का नहीं अगली पीढ़ी के संसाधनों को भी समाप्त करते जा रहे हैं। प्रकृति से छेड़छाड़ का परिणाम है कि हम हर मौसम की मार झेलने को विवश हैं। प्रकृति और पर्यावरण को हानि पहुंचाए जाने के कारण ही मौसम में बदलाव आ रहा है। असमय वर्षा, आंधी-तूफान, ओलावृष्टि, बर्फबारी इसी बात का संकेत है। मौसम वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों का मानना है कि मौसम में तेजी से बदलाव का कारण मनुष्य और उसकी गतिविधियां ही हैं। स्थिति और भी भयानक होती जा रही है। यदि विकास के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ जारी रही तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। हिमाचल में आए दिन भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। विद्युत प्रोजेक्ट्स इसके लिए एक बड़ा कारण है। वन एवं जलवायु परिवर्तन के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर जगदीश चंद्र कुनियाल का कहना है कि अब वर्षा का स्तर बढ़ रहा है, जो बरसात 24 घंटे में होनी चाहिए थी वह तीन-चार घंटों में हो रही है। विकास को रोका भी नहीं जा सकता, पर यह सब वैज्ञानिक आधार पर होना चाहिए। सडक़ें और टनल बनाने के बाद पहाड़ों का संरक्षण भी जरूरी है ताकि भूस्खलन को रोका जा सके। इसके लिए घास-झाडियां और पौधारोपण होना चाहिए। समय-समय पर संवेदनशील स्थानों पर वैज्ञानिक आधार पर निरीक्षण करना चाहिए जिससे बाढ़ की स्थिति को भांपा जा सकता है और लोगों के जीवन व अन्य नुकसान को बचाने में मदद मिलेगी।

विशालकाय पर्वतों का इस तरह दरकते हुए गिरना जैसे कोई दैत्य अपनी आगोश में लेकर भींच कर मारने पर उतारू है। जलस्तर बढने से नदी-नालों में उफान तबाही लाता हुआ आगे बढ़ रहा है। इसका भयानक सैलाब गलियों, मोहल्लों, गांवों, शहरों में दहाड़ें मारता हुआ, मुंह बाए चला आ रहा है। इस सैलाब में न जाने कितने घर, भवन भरभरा कर गिर पड़े, न जाने कितने प्राणी, कार, ट्रक आदि जलमग्न हो गए। न जाने कितनों की कब्र भूस्खलन में दबकर रह गई। रात के समय बाढ़ के कारण न जाने कितने लोग, पशु पानी में बह गए, इसका सही आंकड़ा किसी के भी पास नहीं है। सैकड़ों सडक़ें और ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कई स्थानीय लोग व पर्यटक इस भयानक आपदा में बिना भोजन-जल के फंस गए हैं।

कुछ अलग

ग्राउंड जीरो पर सुक्खू

कठिन डगर पर सुक्खू सरकार की परीक्षा कम से कम राहत कार्यों की दृष्टि से प्रशंसनीय मुकाम तक पहुंच गई। बाढ़ के तांडव में सत्तर हजार लोगों का बचाव कार्य अपनी दुरुहता के बीच हतोत्साहित करने का मंजर पैदा कर चुका था, लेकिन बादलों के बीच बचाव के झरोखे निकाल कर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने मानवता की जरूरत और प्रशासनिक क्षमता की अपनी शक्ति का भरपूर प्रदर्शन किया। यह ऐसा अनूठा आपदा प्रबंधन है जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री ने आपदाग्रस्त क्षेत्रों के तकलीफदेह माहौल में किया। मानो राजधानी बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों की निगरानी में शिमला से निकल कर मंडी, कुल्लू, लाहुल-स्पीति व किन्नौर में घूम रही हो। चंद घंटों में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों से साठ हजार के करीब लोगों एवं पर्यटकों को मुसीबत से निकालकर, फिर से जिंदगी के सफर से जोड़ देना पूरे देश के लिए नजीर बनेगा। यह इसलिए भी कि जहां सारी उपलब्धियां, क्षमताएं व शक्तियां डूब रही हों, वहां मुख्यमंत्री का साहसिक अंदाज पूरे प्रदेश का मनोबल सशक्त कर रहा था तथा तैयारियों से कहीं आगे नेतृत्व कर रहा था। लाहुल के चंद्रताल से और बातल में बर्फ में फंसे करीब 255 पर्यटकों को सडक़ मार्ग से लोसर पहुंचाना, तो किसी फिल्म के निर्देशन की तरह इतिहास की एक यादगार घटना बन गया। खास बात यह कि मुख्यमंत्री ने बचाव के राज्य स्तरीय खाके में न केवल सरकारी मशीनरी को अहम बनाया, बल्कि सरकार के हर ओहदे को प्ेररणादायक भी बनाया। यहां जिक्र खास तौर पर 65 वर्षीय बागबानी मंत्री जगत सिंह नेगी तथा मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी का होगा, जिन्होंने सरकार के आदर्शों में ग्राउंड जीरो से सारा बचाव कार्य चलाया। यह बड़ी शिद्दत से हुआ रेस्क्यू आपरेशन है, जिसने प्रदेश की छवि, मौसम की बेरुखी और पर्यटकों की निराशा के घोर बादलों को छांटते हुए इतिहास रचा। हिमाचल में मौसम के बिगड़े मिजाज में फंसे कई पर्यटक भले ही तौबा कर लें, लेकिन यह एहसास लेकर लौट जरूर रहे हैं कि बचाव के हर कदम पर प्रदेश सरकार का मरहम राहत देता रहा। सरकारों की पहचान संकट की घड़ी में और निर्णायक भूमिका में होती और यह दक्षता सिद्ध करके सुखविंदर सुक्खू ने न केवल राज्य की योग्यता बढ़ाई, बल्कि सरकार का परचम भी फहराया। मौसम ने जिस हिमाचल को असहाय बनाकर फंसा दिया था, उससे मुक्त होने की मुद्रा परिलक्षित हुई है, तो यह कारनामा प्रदेश के आत्मबल को सुदृढ़ करता है। बावजूद इसके कि सरकार ने मानवीय आधार पर लोगों को सुरक्षित बचाने में काफी हद तक सफलता हासिल कर ली, अब घावों को भरने के लिए केंद्र की उदारता की प्रतीक्षा बढ़ रही है। खुशी की बात यह है कि केंद्र से वित्तीय मदद के रूप में 180.40 करोड़ की पहली किस्त जारी हो गई है। एक अनुमान के अनुसार अब तक की बारिश ने ही करीब दस हजार करोड़ के घाव प्रदेश को दिए हैं। साधन विहीन राज्य के लिए यह नुकसान इसके बूते और सामथ्र्य से बाहर है। ऐसे में केंद्र से तुरंत एक बड़ा बाढ़ राहत पैकेज मिलना चाहिए ताकि जनजीवन तीव्रता से सामान्य हो सके तथा ये घाव धीरे-धीरे भरने शुरू हो जाएं। खतरा यह है कि मानसून की शुरुआती चोट ने ही प्रगति, कनेक्टिविटी तथा जनजीवन को नाकाबिल बनाने की हद पार की है, तो बरसात के अगले दौर का सतर्कता के साथ मुकाबला करने के लिए राष्ट्रीय नीति चाहिए। हिमाचल के कहर को राष्ट्रीय आपदा घोषित करके ही पर्वतीय परिवेश को न्याय मिलेगा।

नागरिक बोध

स्मार्ट फोन के दुश्मन

दुनिया में स्मार्ट फोन के दीवाने हैं तो दुश्मन भी हैं। सिंगापुर प्रबंधन विश्वविद्यालय का सर्वे ऐसा बताता है। सर्वे के अनुसार स्मार्ट फोन बार बार चैक करने से दैनिक जीवन में आने वाली छोटी छोटी समस्याएं समझ नहीं आती और समाधान करने की क्षमता घटती है। उनकी तुलना में हमारे सर्वे शानदार होते हैं। हमारे यहां भूखी, प्यासी, बेरोजगारी की मारी समस्याओं बारे भी सवाल नहीं किए जाते। यहां बाज़ार, सडक़ या भीड़ भरे रास्तों पर चलते हुए, यूटयूब पीते, फेसबुक पर लाइक्स और कमेंट्स गिनते, व्हाट्सऐप पर मैसेज चखते हुए ज्ञान भंडार व आत्मविश्वास बढ़ता है। सामने से आ रहे इनसान या जानवर से टकराने, ठोकर खाकर गिरने और संभलने की शक्ति मजबूत होती है। मानवीय शरीर की क्यारियों में उन्मुक्त ताजगी उगी रहती है। उनके शोध के अनुसार बोरियत मिटाने या टाइम पास करने के लिए बार बार फोन चैक करते हैं। हमारे यहां इससे बहुत मनोरंजन होता है। हम फोन पर मनपसंद हरकतें करते हैं। जाति, क्षेत्र, धर्म से जुड़े अनेक सामाजिक, राजनीतिक विषय हैं जिन पर फोन चर्चा होती है। यह चर्चाएं आपस में झगडऩे, पीटने, पिटने, लडऩे, मरने के लिए प्रेरित करती हैं। बोरियत बेचारी कहां इनके बीच में फंसेगी। हैरानी है, सिंगापुर वालों ने केवल एक सौ इकासी लोगों पर सर्वे किया। हमारे यहां

अगर एक करोड़ इकासी हज़ार लोगों पर सर्वे किया जाता तो भी उनके जवाब ऐसे बिल्कुल न होते। उनके शोध ने यह भी बताया कि फोन बार बार देखने से भूलने की बीमारी हो जाती है, लेकिन हमारे यहां तो बार बार फोन देखने से सब कुछ याद रहता है। उन्होंने यह भी इंगित किया कि स्मार्ट फोन के ज़्यादा प्रयोग से आंखों की रोशनी कम हो रही है, लेकिन हमारे यहां तो ज्ञान का प्रकाश बढ़ रहा है। स्मार्ट फोन दिया जाए तो बचपन खुश, सुखी रहता है। आंखों का क्या है, मेहनती, कर्मठ डॉक्टर उपलब्ध हैं। स्मार्ट फोन की लत के कारण कई व्यवसाय भी तो स्मार्टली बढ़ते हैं। नए स्टार्टअप लगाने व नया सामान बनाने की प्रेरणा मिलती है। चश्मों की दुनिया नए अवसर देखती है, चश्मों के नए डिज़ाइन बनते हैं। सामाजिक संस्थाएं चश्मे मुफ्त दे सकती हैं। शोध के अनुसार बार बार स्मार्ट फोन देखने पर शब्द भूल जाते हैं। हमारे यहां तो चुस्ती फुर्ती के साथ नए जानलेवा, खूंखार शब्द पैदा हो जाते हैं और मुंह, हाथों और टांगों से बाहर निकलने के लिए छटपटाते रहते हैं। हमारे यहां स्मार्ट फोन प्रयोग करने वाले को भूख नहीं लगती। लाखों लोगों के पास एक नहीं दो दो फोन हैं। सुना है अब ऐसा स्मार्ट फोन आने वाला है जिसे चाटने के बाद इच्छाएं इनसान के वश में आ जाएंगी जोकि सिर्फ एक बार मिलने वाली ज़िंदगी के लिए गलत होगा। स्मार्ट लोगों की मांग है, चुभने वाले ऐसे अध्ययनों पर रोक लगनी चाहिए। अधिक लोग ऐसे शोध को पढऩे और समझने लगेंगे तो सुनिश्चित है स्मार्ट फोन की बिक्री घट सकती है। कम्पनियों की व्यावसायिक परेशानियां बढ़ सकती हैं। लोग फिर से पत्र लिखना शुरू कर सकते हैं जिससे डाकघर वालों का काम बहुत बढ़ सकता है। मौजूदा ज़िंदगी की बुनियादी, महत्त्वपूर्ण, ज़रूरी व अति स्वादिष्ट चीज़ यानी स्मार्ट फोन बारे किसी भी तरह के अनुचित सर्वे करने, अपशब्द सोचने, लिखने और बोलने पर अविलम्ब अंतरराष्ट्रीय रोक लगनी चाहिए।

देश दुनीया से

बंगाल की चुनावी हिंसा पर विपक्ष चुप क्यों

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के चुनाव सुधारों के अथक प्रयासों से मिली सफलता के बावजूद पश्चिमी बंगाल देश का एकमात्र राज्य है जहां हर स्तर के चुनावों में हिंसा का तांडव जारी है। पंचायत चुनावों में इस बार 50 से अधिक लोग चुनावी हिंसा का शिकार हुए। इनमें 12 से अधिक मुस्लिम थे। आश्चर्य की बात यह है कि देश में लोकतंत्र की दुहाई देने वाले विपक्षी दलों ने अल्पसंख्यकों की हत्या पर घडियाली आंसू बहाना भी जरूरी नहीं समझा। यही विपक्षी दल भाजपा पर अल्पसंख्यकों पर अत्याचार सहित दूसरे आरोपों को लेकर एकजुट होने की तैयारी कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल हिंसा प्रभावित मणिपुर में गए थे। किन्तु बंगाल में हुई भीषण हिंसा पर राहुल एक शब्द तक नहीं बोले। राहुल को बंगाल में पंचायत चुनाव में लोकतंत्र की हत्या दिखाई नहीं दी। बंगाल में हुई हिंसा में बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की मौत हुई है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सिर्फ इतना ही कहा कि बंगाल में लोकतंत्र नहीं है। कांग्रेस के फायरब्रांड नेता दिग्विजय सिंह ने कहा भयानक हुआ। डराने वाला है। गौरतलब है कि कर्नाटक में विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बावजूद हिंसा में एक भी मौत नहीं हुई थी। पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने पंचायत चुनाव में हुई हिंसा पर कहा, 'मैंने जमीन पर जो देखा वह बहुत परेशान करने वाला है, वहां हिंसा और हत्याएं हो रही हैं। एक बात जो मैंने देखी है, वह यह है कि गरीब लोग ही मारे जाते हैं, हत्यारे भी गरीब हैं... हमें गरीबी को खत्म करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय हम गरीबों को मार रहे हैं।' बंगाल इसका हकदार नहीं है। भाजपा ने कहा, 'अगर यह दृश्य बीजेपी शासित राज्य में देखने को मिला होता, तो हाहाकार मच गया होता। अब राहुल गांधी कहां हैं... वह मोहब्बत की दुकान खोलने वाले थे।' राज्य सरकार ने संवेदनशील बूथ की सही संख्या नहीं दी, जितने लोग मारे गए हैं, इसमें राज्य के जिम्मेदार लोग शामिल हैं। फायरिंग, बमबारी, मतपेटी को जलाया गया। ये सारे नेता, जो हाथ पकड़-पकड़ कर राज्यों में खड़े होते हैं, कहां हैं ये सारे नेता? कहां हैं लालू प्रसाद यादव, कहां हैं नीतीश कुमार और कहां हैं मोहब्बत की दुकान खोलने वाले राहुल गांधी? गृह मंत्रालय ने साफ कहा कि पंचायत चुनाव में उनके तैनाती वाले बूथों पर कोई हिंसा नहीं हुई है। जिन बूथों पर सीएपीएफ तैनात की गई थी, वहां कोई अप्रिय घटना/हिंसा नहीं हुई है। यदि माहौल बिगाडऩे की कोशिश की गई तो तुरंत शांति बहाल की गई। संवेदनशील बूथों पर सीएपीएफ को तैनात किया जाना चाहिए था, लेकिन संबंधित जिलों के डीएम ने केंद्रीय बलों को तैनात करने की योजना बनाई। डीएम ने जिन बूथों पर केंद्रीय बल को सुरक्षा के लिए भेजा. वहां सीएपीएफ ने व्यवस्था संभाली। बंगाल में पंचायत चुनाव का रिजल्ट आते ही हिंसा का दूसरा दौर शुरू हुआ। दक्षिण-24 परगना जिले के भंगोर में हिंसा में इंडियन सेकुलर फ्रंट के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई तो वहीं हाथ में गोली लगने से एडिशनल एसपी बुरी तरह से घायल हो गए। पूरा मामला काउंटिंग से जुड़ा हुआ है, जहां गिनती में पहले आईएसएफ कैंडिडेट आगे चल रहा था, लेकिन बाद में वह हार गया। इसी को लेकर शुरू हुए बवाल ने धीरे-धीरे बड़ी हिंसा का रूप ले लिया। 8 जुलाई को 74 हजार पंचायतों के लिए वोटिंग हुई थी, जहां कुछ मतदान केंद्र विवादित होने पर यहां दोबारा से वोटिंग करानी पड़ी थी। चुनाव के दौरान हर बूथ पर राज्य पुलिस के अलावा चार केंद्रीय बल के जवानों की तैनाती की गई थी। पश्चिमी बंगाल देश के चुनावी इतिहास में अनोखे रिकार्ड कायम कर रहा है।

बंगाल के पंचायत चुनाव के दौरान सबसे ज्यादा हिंसा के मामले उत्तर और दक्षिण 24 परगना के अलावा मुर्शिदाबाद और कूचबिहार से सामने आए हैं। कूचबिहार में तो टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उस वक्त हद ही कर दी जब मतपेटियां तक तोडऩे के बाद उसमें पानी डाला और कुछ में आग भी लगा दी। इसके साथ ही उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर में भी कमोबेश ऐसी ही घटनाएं देखने को मिलीं। विधानसभा चुनाव के दौरान भी पश्चिम बंगाल में 52 लोगों की जान गई थी। इस दौरान सिर्फ बीजेपी के कार्यकर्ताओं की ही हत्या नहीं हुई, अन्य पार्टियों के कार्यकर्ता भी इसमें शामिल थे। पश्चिम बंगाल में सीबीआई ने विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के सिलसिले में 43 मामले दर्ज किए थे। सीबीआई ने ये मामले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में दर्ज किए थे। विधानसभा और लोकसभा चुनावों के इतर पंचायत चुनावों में भी यहां की धरती पर खून की नदियां बहना आम बात रही है।

हॉलीवुड में 60 सालों की सबसे बड़ी हड़ताल : जेनिफर लॉरेंस, ब्रैड पिट समेत 1.71 लाख राइटर्स-एक्टर्स ने रोका काम, कम सैलरी और एआई का विरोध

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में दो महीने से चल रही हॉलीवुड राइटर्स की हड़ताल में शुक्रवार को अभिनेता भी शामिल हो गए। ये पिछले 6 दशक में हुई हॉलीवुड की सबसे बड़ी स्ट्राइक है। शुक्रवार को एक्टर्स ने घोषणा की कि हड़ताल के दौरान वो किसी भी मूवी की शूटिंग या प्रमोशन में शामिल नहीं होंगे। इससे अवतार और ग्लैडिएटर जैसी बड़ी मूवी सीरीज के सीक्वल पर खतरा मंडरा रहा है।

क्रिस्टोफर नोलन की ओपेनहाइमर मूवी के कलाकार मेट डेम, एमिली ब्लंट, सिलियन मर्फी और फ्लोरेंस पग ने प्रीमियर छोड़ दिया। लॉस एंजिल्स में नेटफ्लिक्स के दफ्तर के सामने 1.71 लाख से ज्यादा राइटर्स और एक्टर्स प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल से उन्हें काम नहीं मिल रहा है। उनकी कमाई घट गई है।

राइटर्स-एक्टर्स की हड़ताल में जॉर्ज क्लूनी, मेरिल स्ट्रीप शामिल

11 हफ्तों से जारी राइटर्स की इस हड़ताल को हॉलीवुड की कई दिग्गज सेलिब्रिटीज ने समर्थन दिया है। इनमें ब्रैड पिट, मेरिल स्ट्रीप, जेनिफर लॉरेंस, चार्लिज थेरोन, जोक्विन फिनोएक्स, जेमी ली कर्टिस, ओलिविया वाइल्ड, इवान मेकग्रेगोर शामिल हैं। पिछले 24 घंटे में ही जॉर्ज क्लूनी, जोन कसेक और मार्क रफालो भी इस मुहिम को अपना समर्थन दिया है।

हमें प्रॉफिट से दूर रखना चाहते हैं प्रोडक्शन हाउस

एचबीओ की सक्सेशन सीरीज के मेन एक्टर ब्रायन कॉक्स ने बीबीसी से कहा- ये हड़ताल पूरे साल तक चलने की आशंका है। मूवी और सीरीज के स्ट्रीमिंग में बहुत पैसा है और प्रोडक्शन हाउस प्रॉफिट को राइटर्स और एक्टर्स के साथ बांटना नहीं चाहते हैं। वो हमें बाहर निकाल देना चाहते हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रोडक्शन हाउस की मनमानी के चलते इंडस्ट्री में बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। अभिनेत्री फेलिशिया डे ने कहा- अभी हालात ऐसे हो गए है कि आप गुजारा भी नहीं कर सकते हैं। पैसों की कमी के कारण हमारे बेघर होने का संकट आ गया है। राइटर्स गिल्ड ऑफ अमेरिका के 11,500 और स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड-अमेरिकन फेडरेशन ऑफ टेलीविजन एंड रेडियो आर्टिस्ट यूनियन (सेग-एफ्ट्रा) के 1.60 लाख लोग हड़ताल पर हैं। हॉलीवुड के कई दिग्गज अभिनेताओं ने भी उनका सपोर्ट किया है। नेटफ्लिक्स जैसे प्लेटफॉर्म का कहना है कि अमेजन, एपल के साथ स्ट्रीमिंग विवाद से हालात बिगड़े हैं।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों की करतूत फिर आई सामने, मंदिर में की तोड़फोड़, बनाए अपमानजनक भित्तिचित्र

ब्रैम्पटन (कनाडा)। कनाडा के ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) के ब्रैम्पटन शहर में श्री भगवद गीता पार्क में लगे संकेत चिह्न को शुक्रवार को तोड़ दिया गया। यह एक साल में इस तरह के अपमान की कड़ी में ताजा मामला है। शुक्रवार की सुबह क्षतिग्रस्त चिन्ह पाया गया, जिस पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए भित्तिचित्र बनाया गया था। हालांकि, सफाई कर्मियों ने तुरंत भित्तिचित्र हटा दिए और संकेत चिन्ह को उसकी मूल स्थिति में लगा दिया। कनाडा में पिछले साल गर्मियों में शुरू हुए इस तरह के मामलों की कड़ी में यह ताजा मामला है। इससे पहले हिंदू मंदिरों और यहां तक कि महात्मा गांधी की मूर्तियों को भी निशाना बनाया गया था। ब्रैम्पटन शहर के ट्विटर हैंडल ने ट्वीट किया, पार्क साइन को निशाना बनाकर की गई बर्बरता की हालिया कार्रवाई के बारे में जानकर बहुत निराशा हुई, यह एक धार्मिक समुदाय पर हमला है। ट्वीट में कहा गया कि मामला पील क्षेत्रीय पुलिस को भेजा गया है। दुर्भाग्य से इस क्षेत्र में बर्बरता की ऐसी कई घटनाएं अभी भी अनसुलझी हैं और किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। ट्वीट में आग कहा गया, ब्रैम्पटन शहर में हम असहिष्णुता और भेदभाव के ऐसे कृत्यों के खिलाफ एकजुट हैं। हम विविधता, समावेशिता और सभी के प्रति सम्मान के अपने मूल्यों को गर्व से कायम रखते हैं और नफरत के इन कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सरकार ने नौसेना के लिए भी राफेल के वर्जन को क्यों चुना दसौ एविएशन ने बताई वजह

पेरिस। भारत सरकार ने भारतीय नौसेना को नवीनतम पीढ़ी के लड़ाकू विमानों से लैस करने के लिए नौसेना राफेल के चयन की घोषणा की। भारतीय नौसेना के 26 राफेल अंतत: पहले से ही सेवा में मौजूद 36 राफेल में शामिल हो जाएंगे। दसौ एविएशन ने यह जानकारी दी। दसौ एविएशन ने बताया कि यह निर्णय भारत में आयोजित एक सफल परीक्षण अभियान के बाद लिया गया है। परीक्षण अभियान के दौरान नौसेना राफेल ने प्रदर्शित किया कि यह भारतीय नौसेना की परिचालन आवश्यकताओं को पूरी तरह से पूरा करता है और इसके विमान वाहक की विशिष्टताओं के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। इससे पहले 13 जुलाई को रक्षा अधिग्रहण परिषद ने इस रक्षा सौदे को मंजूरी देने की घोषणा की थी। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय नौसेना के लिए तीन अतिरिक्त स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बियों के साथ 22 राफेल एम और चार दो सीटों वाले ट्रेनर संस्करणों सहित 26 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्तावों को मंजूरी दी थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह डीएसी के अध्यक्ष हैं। डीएसी रक्षा खरीद पर निर्णय लेने वाली रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च इकाई है। इस सौदे के अनुसार, भारतीय नौसेना को चार प्रशिक्षक विमानों के साथ 22 सिंगल सीटेड राफेल समुद्री विमान (राफेल-एम) मिलेंगे। नौसेना इन लड़ाकू विमानों और पनडुब्बियों को तत्काल हासिल करने के लिए दबाव डाल रही थी, क्योंकि देश भर में सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर इनकी कमी हो रही थी।

चीन में गिरती जनसंख्या ने बढ़ाया काम का बोझः कानून में आठ घंटे, पर ओवरटाइम के नाम पर 12-12 घंटे काम कर रहे लोग

बीजिंग। चीन में कर्मचारियों से 12-12 घंटे काम कराया जा रहा है। उनके ओवरटाइम काम कराने के बावजूद उसका उचित भुगतान भी नहीं किया जाता है। ये समस्या घटती श्रम शक्ति यानी युवाओं की कम होती आबादी के बीच और जटिल हो रही है। कर्मचारियों पर किस तरह से ओवरटाइम काम कराया जा रहा है, इस संकेत को सोशल मीडिया में लोगों की प्रतिक्रियाओं से भी समझा जा सकता है। चीन के श्रम कानूनों के मुताबिक, लोगों को प्रतिदिन आठ घंटे या हफ्ते में 44 घंटे से अधिक काम नहीं करना चाहिए, लेकिन बहुत सारा ओवरटाइम काम आम बात बन गया है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने जब यह घोषणा की कि अप्रैल में पूरे चीन में श्रमिकों ने प्रति सप्ताह औसतन 48.8 घंटे मेहनत की, तो एजेंसी का उपहास उड़ाया गया। उस संख्या में सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। चीन में ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर एक यूजर ने लिखा- केवल निजी कंपनियों में गिनती करने का प्रयास करें। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की- बस रात में कार्यालय भवनों की रोशनी को देखो। चीन में एनबीएस 20 साल से कर्मचारियों के काम करने के औसत साप्ताहिक अवधि का डेटा जारी कर रहा है।

वैगनर प्रमुख को जहर दिए जाने की आशंका

बाइडन ने ली चुटकी, बोले- अपने खाने को लेकर मैं सावधान रहूंगा

वाशिंगटन। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने असफल सैन्य विद्रोह के कुछ ही दिनों बाद एक बैठक में वैगनर के भाड़े के सैनिकों को लड़ते रहने का अवसर दिया। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन को एक अलग कमांडर के रूप में हटा दिया जाए। यह जानकारी एक रूसी अखबार ने दी। पुतिन ने शुरू में ही कहा था कि वह 23-24 जून के विद्रोह को कुचल देंगे, इसकी तुलना उस युद्धकालीन उथल-पुथल से की जा रही है जो 1917 की क्रांति की शुरुआत थी। लेकिन इसके कुछ ही घंटे बाद प्रिगोझिन और उसके कुछ लड़ाकों को बेलारूस जाने की अनुमति देने के लिए एक समझौता हुआ। उस सौदे के साथ-साथ दुनिया की सबसे कठिन युद्ध में भाड़े की सेनाओं में से एक वैगनर और एक पूर्व अपराधी और पुतिन के शेफ और रूस के सबसे शक्तिशाली भाड़े के सैनिक के प्रमुख के रूप में जाना जाने वाला प्रिगोझिन के भविष्य को लेकर रहस्य बना हुआ है। क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि पुतिन ने विद्रोह के पांच दिन बाद 29 जून को एक बैठक में वैगनर कमांडरों और प्रिगोझिन के साथ बातचीत की थी। क्रेमलिन ने कहा, भाड़े के सैनिकों ने पुतिन के प्रति अपनी वफादारी की पुष्टि की।

वैगनर का कोई अस्तित्व नहीं: पुतिन - लेकिन रूस के शीर्ष समाचार पत्रों में से एक ने अपने सबसे अनुभवी क्रेमलिन संवाददाता की ओर से पुतिन के लिए की गई टिप्पणियों को प्रकाशित किया, जिसमें सुझाव दिया गया कि प्रिगोझिन और वैगनर समूह का भविष्य संदेह के घेरे में है। संवाददाता ने जब पुतिन से पूछा कि क्या वैगनर को एक लड़ाकू इकाई के रूप में संरक्षित किया जाएगा, तो उन्होंने कहा कि वैगनर का कोई अस्तित्व नहीं है। पुतिन ने कहा कि निजी सैन्य संगठनों पर कोई कानून नहीं है। इसका अस्तित्व ही नहीं है। पुतिन की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर क्रेमलिन ने शुक्रवार को कहा कि वैगनर नाम की कोई कानूनी इकाई नहीं है और ऐसी कंपनियों की कानूनी स्थिति जटिल है जिस पर विचार करने की जरूरत है। इसके बाद पुतिन ने 35 वैगनर कमांडरों के साथ 29 जून की क्रेमलिन बैठक के बारे में विवरण दिया, जिसमें उन्होंने लड़ाई जारी रखने के

लिए उनके लिए कई विकल्प का सुझाव दिया। इन विकल्पों में यह भी शामिल है कि एक वरिष्ठ वैगनर व्यक्ति जिसे उनके नामित डी ग्युरे सेडोई या ग्रे हेयर के नाम से जाना जाता है- कमान संभाल सकते हैं।

कौन होगा नया कमांडर - यूरोपीय संघ के प्रतिबंध दस्तावेजों, फ्रांसीसी आधिकारिक दस्तावेजों, मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों और रूसी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सेडोई एक वरिष्ठ वैगनर कमांडर आंद्रेई ट्रोशेव का उपनाम है। अफगानिस्तान और चेचन्या में रूस के युद्धों में एक बेहद अनुभवी ट्रोशेव पुतिन के गृह नगर सेंट पीटर्सबर्ग से हैं और उन्हें राष्ट्रपति के साथ तस्वीरों में दिखाया गया है। रूसी अखबार ने पुतिन के हवाले से कहा, वे सभी एक जगह इकट्ठा हो सकते हैं और सेवा करना जारी रख सकते हैं। और उनके लिए कुछ भी नहीं बदलेगा। उनका नेतृत्व वही व्यक्ति कर रहा होगा जो उस समय उनका असली कमांडर रहा होगा। पुतिन ने कहा कि कई कमांडरों ने उनके सुझाव पर सहमति दी थी, लेकिन सबसे आगे बैठे प्रिगोझिन को यह नजर नहीं आया।

आप जो खाते हैं उसमें सावधानी बरतें: बाइडन - 24 जून को दक्षिणी रूसी शहर रोस्तोव छोड़ने के बाद से प्रिगोझिन को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका को भी नहीं पता है कि प्रिगोझिन कहां है, लेकिन उन्होंने मजाक में कहा कि भाड़े के प्रमुख को जहर दिया जा सकता है। व्हाइट हाउस के अनुसार, बाइडन ने कहा कि अगर मैं उनकी जगह होता, तो मैं सावधान रहता कि मैंने क्या खाया। मैं अपने मेनू पर नजर रखता। उन्होंने आगे कहा, लेकिन सब मजाक कर रहे हैं... मुझे नहीं लगता कि हममें से कोई भी निश्चित रूप से जानता है कि रूस में प्रिगोझिन का भविष्य क्या है। बता दें कि वैगनर ने 2014 में रूस को क्रीमिया पर कब्जा करने में मदद की थी। साथ ही सीरिया में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आतंकवादियों से लड़ाई की, मध्य अफ्रीकी गणराज्य और माली में अभियान चलाया और इस साल की शुरुआत में दोनों पक्षों के काफी नुकसान के साथ यूक्रेनी शहर बखमुत पर रूस को कब्जा दिलाया।

जापान में लड़कियां साइंस-इंजीनियरिंग सब्जेक्ट से बच रहीं: उन्हें डर कि सामाजिक मेल-जोल के लिए फुर्सत नहीं मिलेगी

टोक्यो। जापान के सबसे अच्छे इंजीनियरिंग कॉलेजों में से एक में थर्ड ईयर की छात्रा युना कातो रिसर्च में अपना करिअर बनाना चाहती हैं। पर उन्हें डर है कि अगर उनके बच्चे हुए तो उनका करिअर बहुत छोटा हो जाएगा। ऐसी छात्राओं को लोगों से मिलने-जुलने के लिए समय निकालने की फुर्सत नहीं मिलती। उनके जैसी बहुत सी जापानी छात्राएं ऐसी ही सोच के कारण विज्ञान विषयों को नहीं चुनतीं। विशेषज्ञों की चेतावनी है कि पिछली सदी में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को इसका नुकसान खोज, उत्पादकता और प्रतिद्वन्द्विता में गिरावट के रूप में झेलना पड़ रहा है। मॉलीक्यूलर बायोलॉजी में पीएचडी कर चुकीं शिक्षक यिनुओ ली कहती हैं- यह बहुत बड़ी बर्बादी है और देश का भारी नुकसान है। ली एक सफल और आदर्श वैज्ञानिक हैं। तीन बच्चों की मां ली कहती हैं- अगर लैंगिक संतुलन नहीं होगा तो आपकी तकनीक में बहुत सारी खामियां होंगी।

गल्फ में एफ-16 लड़ाकू विमान तैनात करेगा अमेरिका

ईरान से जहाजों को बचाना मकसद; रूस को चुनौती देने सीरिया में होंगे मिलिट्री ऑपरेशन

वॉशिंगटन। ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका गल्फ में लड़ाकू विमान तैनात करने जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के एक सैन्य अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। पेंटागन के रिपोर्टर्स से बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि अमेरिका खाड़ी इलाके में अतिरिक्त एफ-16 फाइटर जेट्स तैनात करेगा। इसकी शुरुआत इसी सप्ताह में हो जाएगी। अधिकारी ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर कहा है कि अमेरिका का एयरक्राफ्ट हफ्ते भर से इलाके की निगरानी कर रहा है। अमेरिका ने गल्फ में इस एक्शन की वजह ईरान से जहाजों को बचाना बताया है।

ईरान ने ओमान की खाड़ी में कॉमर्शियल जहाज जब्त किया

अमेरिका और ईरान के बीच काफी महीनों से ओमान की खाड़ी में जहाजों को जब्त करने को लेकर विवाद चल रहा है। अधिकारी का कहना है कि एफ-16 गल्फ में जहाजों को एयर कवर देगा। इस फैसले से गल्फ में ईरान को चुनौती देने के लिए अमेरिकी सेना की मौजूदगी भी बढ़ेगी। दरअसल, अमेरिका ने पिछले हफ्ते ईरान पर ओमान की खाड़ी में एक कॉमर्शियल जहाज पर कब्जा करने के आरोप लगाए थे। यूएस नेवी ने दावा किया था कि उसने ईरान को 2 कॉमर्शियल तेल के टैंकर रिचमंड वॉयेजर को जब्त करने से रोका। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिकी नेवी ने बताया कि बाहमास के झंडे

वाले 2 टैंकर गल्फ ऑफ ओमान से गुजर रहे थे। तभी ईरान की नेवी वेसल ने उस पर हमला कर दिया। वहीं ईरान के मुताबिक, उसे कोर्ट से टैंकर को जब्त करने के ऑर्डर मिले थे। ईरान ने दावा किया कि ओमान की खाड़ी में एक टैंकर उनके वेसल से टकरा गया था। इस वजह से वेसल में सवार 5 क्रू मेंबर्स घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें उसे जब्त करने का आदेश मिला था।

सीरिया में रूस को चुनौती देगा अमेरिका

पेंटागन के अधिकारी ने ये भी बताया है कि अमेरिका सीरिया में रूस की भड़काऊ हरकतों से निपटने के लिए कई मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम देगा। हालांकि, दूसरे अधिकारियों ने इस मामले में जानकारी देने से इनकार कर दिया है। दरअसल, दोनों देशों की सेनाओं की सीरिया में मौजूदगी है, जो कई बार एक-दूसरे के आमने-सामने आ चुकी हैं। सीरिया में 5 जुलाई को अमेरिका ने दावा किया था कि रूस के 3 लड़ाकू विमानों ने उनके 3 ड्रोन्स का रास्ता रोक दिया। अमेरिकी एयरफोर्स के मुताबिक, रूस के सुखोई-35 फायटर जेट्स ने ड्रोन्स के सामने पैराशूट से फ्लेयर्स दागने शुरू कर दिए, जिससे उनका फ्रंट व्यू ब्लॉक होने लगा था। इसके बाद उन्हें अपना रास्ता बदलना पड़ा।

कोर्ट ने सोशल मीडिया कंपनियों के साथ संघीय एजेंसी के संपर्क पर रोक लगाई

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने शुक्रवार को निचली अदालत के उस आदेश पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है, जिसमें सरकारी एजेंसियों को प्रकाशित कंटेंट को प्रभावित करने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों से संपर्क करने से रोका गया था। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका के सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने कानूनी कार्यवाही जारी रहने तक अमेरिकी जिला न्यायाधीश टेरी डौटी द्वारा 4 जुलाई को लगाए गए बैन पर रोक लगाने के न्याय विभाग के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। इतना ही कोर्ट ने मामले में प्रशासन की अपील पर जल्द कार्रवाई करने पर भी सहमति व्यक्त जताई है।

अगले आदेश तक बरकरार रहेगी रोक

कोर्ट के आदेश के अनुसार अस्थायी प्रशासनिक रोक अदालत के अगले आदेश तक बनी रहेगी। इससे पहले न्याय विभाग ने न्यायाधीश डौगी से आदेश पर रोक लगाने अपील की थी, जिससे उन्होंने खारिज कर दिया। इसके बाद विभाग ने संघीय अदालत का रुख किया। गौरतलब है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नियुक्त न्यायाधीश ने 13 पेज के फैसले में सरकार के दावों को खारिज कर दिया था।

उन्होंने आरोप लगाया था कि सरकारी अधिकारियों ने सोशल मीडिया कंपनियों को उन पोस्ट को सेंसर करने के लिए प्रभावी ढंग से मजबूर किया, जिनके को लेकर उन्हें डर था कि वे कोविड टीके संबंधित गलत सूचना फैला रहे हैं।

गलत सूचनाओं को दबाने का प्रयास सेंसरशिप नहीं

हालांकि, सरकारी वकीलों ने जवाब दिया है कि गलत सूचनाओं को दबाने का प्रयास सेंसरशिप नहीं है। उन्होंने कहा, इस बात का कोई सबूत नहीं है कि कंटेंट हटाने के लिए किसी को कोई धमकी दी गई हो। मुकदमे में जिन सोशल मीडिया कंपनियों का उल्लेख किया गया है उनमें ट्विटर, अल्फाबेट, फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा इंक शामिल हैं।

इजराइली डॉक्टरों ने जोड़ा बच्चे का सिर : रीढ़-खोपड़ी अलग हो गई थी, ऐसे केस में 100 में से 70 लोग नहीं बचते

यरुशलम। इजराइल में डॉक्टरों ने 12 साल के एक बच्चे के सिर को दोबारा जोड़ दिया है। सुलेमान हसन का एक्सीडेंट हो गया था। वे साइकिल चलाते समय कार से टकरा गए थे जिसके बाद उनका सिर अंदरूनी तौर पर गर्दन से अलग हो गया था। इस स्थिति को मेडिकल साइंस में इंटर्नल डिकैपिटेशन कहा जाता है। इंटर्नल डिकैपिटेशन में सिर, रीढ़ की हड्डी के ऊपरी हिस्से से अलग हो जाता है, लेकिन बहारी तौर पर चमड़ी से जुड़ा रहता है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह ऐसी स्थिति है जब सिर को स्पाइनल कॉर्ड (रीढ़) के टॉप वर्टिब्रे से जोड़ने वाली मांसपेशियां जोर का झटका लगने पर फट जाती हैं।

17 सालों में ऐसे सिर्फ 16 मामले

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तरह की चोट बहुत ही दुर्लभ है। रीढ़ की हड्डी में ऐसी चोट के मामले एक प्रतिशत से भी कम सामने आते हैं। हालांकि, इंटर्नल डिकैपिटेशन के मामलों की ज्यादा जानकारी नहीं है क्योंकि इससे पीड़ित 70 प्रतिशत लोगों की मौके पर ही या अस्पताल ले जाते समय मौत हो जाती है। फिलाडेल्फिया के चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल में हुई स्टडी के मुताबिक, 1983 से 2003 के बीच (17 सालों में) इंटर्नल डिकैपिटेशन के 16 मामले सामने आए।

बच्चे की रिकवरी चमत्कारी : डॉक्टर्स

रिपोर्ट के मुताबिक, ये घटना पिछले महीने यानी जून की है, लेकिन डॉक्टरों ने जुलाई तक इस घटना को सार्वजनिक नहीं किया। डॉक्टर्स का कहना है कि सुलेमान हसन की रिकवरी किसी चमत्कार से कम नहीं थी क्योंकि उसके जीवित रहने की संभावना बेहद कम थी। सर्जरी कई घंटे चली। फिलहाल सुलेमान को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

सिर को रॉड के जरिए स्पाइनल कॉर्ड से जोड़ा

डॉक्टर्स ने बताया कि सर्जरी के दौरान उन्होंने सुलेमान के सिर को रीढ़ की हड्डी से जोड़ने के लिए रॉड, स्क्रू, प्लेट्स और बोन ग्राफ्ट्स का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि ये सर्जरी इसलिए संभव हुई क्योंकि सड़क हादसे में सुलेमान की मुख्य नसों को नुकसान नहीं हुआ था। इससे दिमाग में ब्लड सर्कुलेशन बना रहा। ऐसा नहीं होता तो ब्रेन डेड हो जाता और उसकी मौके पर ही मौत हो जाती। सर्जरी करने वाले हादासाह मेडिकल सेंटर के डॉ. ओहद इनाव और डॉ. जिव आसा ने बताया कि सुलेमान को कोई न्यूरोलॉजिकल कमी या सेंसरी प्रॉब्लम नहीं है। उसके शरीर में किसी तरह की शिथिलता नहीं है और वो बिना मदद के चल सकता है। लेकिन कुछ समय तक उसे फिजियोथेरेपी दी जाएगी। जिसके बाद ही वो सिर और गर्दन को मूव कर सकेगा।

पाकिस्तान फहराएगा 500 फीट ऊंचा झंडा

आईएमएफ से डील के बाद खर्च करेगा 40 करोड़; भारत कर चुका 418 फीट ऊंचा तिरंगा फहराने की घोषणा

लाहौर। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड से लोन अप्रूव होते ही पाकिस्तान ने सबसे ऊंचा झंडा फहराने की होड़ शुरू कर दी है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने 76वें स्वतंत्रता दिवस यानी 14 अगस्त पर 500 फीट ऊंचे पाकिस्तानी ध्वज को फहराने का फैसला किया है। इसकी लागत करीब 40 करोड़ पाकिस्तानी रुपए होगी। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पंजाब प्रांत को विदेशी कर्ज चुकाने के लिए अगले 2 साल में कम से कम 2 हजार करोड़ रुपए की जरूरत है। इस बीच पंजाब सरकार ने लाहौर के लिबर्टी चौक पर झंडा फहराने की घोषणा की है। कुछ दिन पहले ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को स्टाफ लेवल एग्रीमेंट के तहत 3 अरब डॉलर का कर्ज देने के फैसले को मंजूरी दी थी। आईएमएफ और पाकिस्तान की सरकार के बीच 9 महीने का स्टैंड-बाय अरेंजमेंट हुआ। इसके बाद 11 जुलाई को सऊदी अरब ने पाकिस्तान की मदद करने के लिए 2 अरब अमेरिकी डॉलर उसके सेंट्रल बैंक में ट्रांसफर किए थे। इसके अगले ही दिन भी पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर की मदद दी।

2017 में भारत-पाकिस्तान के बीच शुरू हुई सबसे ऊंचे झंडे की रेस

भारत-पाकिस्तान के बीच सबसे ऊंचा झंडा फहराने की रेस 6 साल पहले शुरू हुई थी। दरअसल, 2017 में भारत ने अटारी-वाघा बॉर्डर पर साउथ एशिया का सबसे ऊंचा झंडा फहराया था। इस तिरंगे की ऊंचाई 360 फीट थी। इस पर साढ़े तीन करोड़ की लागत आई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने कई बार भारत पर तिरंगे के जरिए जासूसी करने का आरोप लगाया था। फिर कुछ महीने बाद पाकिस्तान ने अटारी-वाघा बॉर्डर पर

साउथ एशिया का सबसे ऊंचा 400 फीट ऊंचा झंडा फहरा दिया। इसे तत्कालीन आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा ने फहराया था। इसके बाद इसी साल भारत ने बॉर्डर के पास जॉइंट चेक पोस्ट पर पाकिस्तानी झंडे से ऊंचा तिरंगा फहराने के लिए 418 फीट का टावर इंस्टॉल कर दिया था। अब भारत पाकिस्तान का रिकॉर्ड न तोड़ पाए इसके लिए पड़ोसी देश ने पहले ही 500 फीट ऊंचा झंडा फहराने की घोषणा कर दी है।

पाकिस्तान को मिला उम्मीद से ज्यादा का राहत पैकेज

पाकिस्तान को 3 अरब डॉलर का राहत पैकेज उसकी उम्मीद से ज्यादा है। 2019 में हुए समझौते के आधार पर उसे 2.5 अरब डॉलर मिलने का इंतजार था। दरअसल, पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच 6.5 अरब डॉलर के कर्ज पर 2019 में सहमति बनी थी। इसकी दो किश्तें पाकिस्तान को मिल चुकी हैं। पाकिस्तान आईएमएफ के साथ डील से पहले दिवालिया होने की कगार पर आ गया था। पिछले कुछ महीनों में नौबत ये आ गई थी कि लोग फ्री के राशन के लिए लूट मचा रहे थे। देश की जनता की बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं हो पा रही थीं। पाकिस्तान में जून में आई आर्थिक तंगी का अंदाजा रोजमर्रा के सामानों के दाम से लगाया जा सकता है।

टमाटर के दाम 1.11प्रतिशत तक बढ़े
चिकन के दाम 2.87प्रतिशत तक बढ़े
प्याज के दामों में 7.31प्रतिशत की बढ़ोतरी
चाय के दाम 1.56प्रतिशत बढ़े
नमक के दाम में 1.08प्रतिशत की बढ़ोतरी
आटे के दाम 4.06प्रतिशत बढ़े
एलपीजी के दाम 4.46प्रतिशत बढ़े

आईएमएफ की शर्तें पूरी नहीं कर पा रही थी शाहबाज सरकार - पाकिस्तान को आईएमएफ की तरफ से कर्ज मिलने की मंजूरी 8 महीने देरी से मिली है। इसकी वजह यह रही कि इमरान खान ने सरकार गिरने के ठीक दो दिन पहले पेट्रोल-डीजल 10 रुपए तक सस्ता कर दिया था, जिससे आईएमएफ नाराज हो गया था।

नहीं सहेगा राजस्थान आंदोलन की शुरुआत
एक अगस्त को जयपुर में महाआंदोलन

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ भाजपा द्वारा चलाए जाने वाले जन आंदोलन *नहीं सहेगा राजस्थान* आंदोलन की शुरुआत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार को जयपुर के बिलवा स्थित चंदन वन वाटिका आ रहे हैं। जहां से वे इस आंदोलन की लांचिंग करेंगे। कार्यक्रम से पूर्व सभा स्थल पर पहुंचकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर, प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर और प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने तैयारियों का जायजा लिया। सभास्थल पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि जयपुर से शुरू होने वाले नहीं सहेगा राजस्थान आंदोलन में मुख्य रूप से पेपर लीक से युवा परेशान, भ्रष्टाचार खुलेआम, दलित अत्याचार खुलेआम, बहन बेटियों पर अत्याचार, कर्ज से मरता किसान और अपराध बेलगाम इन सभी घटनाओं को लेकर प्रदेश भर में आंदोलन चलाया जाएगा। महिला दुष्कर्म के मामलों में आज राजस्थान देश में पहले नंबर पर है। इससे राजस्थान की छवि पूरी तरह धूमिल हो रही है। सीपी जोशी ने कहा भाजपा द्वारा निरंतर प्रदेश में युवा, किसान और महिला विरोधी कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और कैंपेन चलाए जा रहे हैं। जिसमें पूर्व में महिला मोर्चा द्वारा महिला उत्पीडन के खिलाफ जयपुर में थाली नाद आंदोलन, झुंझुनू में किसान आक्रोश महाघेराव और 18 जुलाई को अजमेर में आरपीएससी घेराव किया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर ने कहा कि गहलोत सरकार ने किसानों के साथ छलाव किया है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में इस कदर बढ़ोतरी हुई है। आज गांव, शहर घर, बाजार और किसी सार्वजनिक स्थान पर भी सुरक्षित नहीं है। भ्रष्टाचार और पेपर लीक के मामलों से आमजन बदहाल है। इन सभी मुद्दों को लेकर भाजपा की ओर से नहीं सहेगा राजस्थान मुहिम चलाई जा रही है। प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार झूठ पे झूठ बोल रही है। अपराध बेलगाम है, एनसीआरबी के आंकडो को देखिए महिलाओं के ऊपर तेजाब डालना मारकर शव कुंए में डाल देना इस तरह की घटनाएं आए दिन बढ रही हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने प्रचार में व्यस्त हैं महिला अपराधों पर एक शब्द तक नहीं बोलते क्या मुख्यमंत्री को इन सभी घटनाओं पर नहीं बोलना चाहिए।

अब आंगनबाड़ी में ड्रेस कोड लागू
वर्करों के लिए गुलाबी और हेल्परों के लिए होगा आसमानी रंग

चंडीगढ़। अब पंजाब के स्वास्थ्य विभाग में तैनात नर्सों और आशा वर्करों की तरह आंगनबाड़ी वर्करों व हेल्परों के लिए भी ड्रेस होगी। यह ड्रेस इन मुलाजिमों की पहचान बनेगी। आंगनबाड़ी वर्करों के लिए गुलाबी (बेबी पिंक) एप्रन के साथ लाल रंग का आईसीडीएस लोगो और हेल्परों के लिए आसमानी (स्काई ब्लू) एप्रन के साथ लाल रंग का आईसीडीएस लोगो होगा। सामाजिक सुरक्षा महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इससे आंगनबाड़ी वर्करों और हेल्परों की पहचान आसानी से हो सकेगी, साथ ही उनके द्वारा दी जाने वाली सेवाओं में भी सुधार होगा। मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को पत्र जारी कर राज्य सरकार के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के लिए कहा गया है। पंजाब में स्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्रों की कुल संख्या 27,314 है। अधिकतर आंगनबाड़ी केंद्र व सरकारी स्कूलों की इमारतों से चल रहे है। यहां पर आने वाले विद्यार्थियों को अति आधुनिक सुविधाएं और खाने पीने की चीजे मुहैया करवाई जाती है ताकि नन्हें बच्चों को स्कूलों से जोड़ा जा सके। राज्य सरकार ने इस साल से प्रति सेंटर 2000 रुपए के हिसाब से मोबाइल डेटा पैकेज देने की भी शुरुआत की है। कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पोषण अभियान के रिकॉर्ड और जमीनी स्तर पर अभियान की निगरानी के लिए भारत सरकार ने हाल ही में *पोषण ट्रैकर* मोबाइल ऐप जारी किया था। जिसे चलाने के लिए आंगनबाड़ी वर्करों को डेटा पैकेज की आवश्यकता थी ताकि उन्हें अपनी तरफ से डेटा खर्च न करना पड़े।

जैन मुनि हत्या के विरोध में 20 जुलाई को उदयपुर संभाग बंद का आह्वान

उदयपुर (हिंस)। कर्नाटक में दिगंबर जैन समाज के आचार्य कामकुमार नंदी जी की नृशंस हत्या से देश भर में न केवल जैन समाज अपितु सर्वधर्म में आक्रोश व्याप्त है। जैन संत की हत्या के विरोध में हत्यारों को फांसी की सजा व देश भर में विहार के समय जैन साधुओं को सुरक्षा देने की मांग को ले कर सकल जैन समाज ने आगामी 20 जुलाई को उदयपुर संभाग बंद का आह्वान किया है। समाज के अध्यक्ष दिनेश खोड़निया ने बताया कि कर्नाटक में दिगंबर जैन आचार्य कामकुमार नंदी की हत्या से देश भर की जैन समाज में रोष है। जैन समाज अहिंसा प्रेमी समाज है। उनके संत की हत्या बर्दाश्त से बाहर है। उदयपुर संभाग के जैन समाज ने इस हत्या के विरोध में तथा देश भर में साधु संतों को सुरक्षा देने की मांग को लेकर 20 जुलाई को व्यवसाय बंद रखने का ऐलान किया है। समाज के राजकीय कार्मिक भी उस दिन अवकाश पर रहकर विरोध व्यक्त करेंगे। राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर हत्यारों को फांसी की सजा दिलाने तथा जैन साधुओं को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की जाएगी।

आपसी तालमेल से काम करेंगे तभी हम जानमाल का नुकसान बचा सकेंगे : दुष्यंत चौटाला

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला शनिवार को फरीदाबाद जिला के बाढ़ग्रस्त गांवों का जायजा लेने पहुंचे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला खुद ट्रैक्टर लेकर मंझावली बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में लोगों का हालचाल जानने पहुंचे। इसके पश्चात मोहना-बागपत पुल और बागपत के बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा किया। उन्होंने बताया कि बाढ़ग्रस्त इलाकों में एनडीआरएफ की टीमें और दो जगह पर आर्मी की टीमों को लगाया गया है। उन्होंने बताया कि जो लोग खेतों में बने घरों में बाढ़ के पानी के कारण फंसे हुए हैं, उनको सही सलामत वहां से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने को प्राथमिकता दी जा रही है। फरीदाबाद और पलवल जिला के 16 गांव यमुना से प्रभावित हैं। एनडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन निरंतर चल रहा है। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि यमुना के साथ लगे 7 जिलों में काफी नुकसान हुआ है। अगर जरूरत पड़ी तो हेलिकॉप्टर की सहायता से लोगों तक खाना पहुंचाने और बाढ़ में फंसे लोगों निकाला जाएगा। उन्होंने सभी से मिलजुल कर आपसी तालमेल से काम करने की अपील करते हुए कहा कि इससे हम जानमाल के नुकसान को बचा सकेंगे। चौटाला ने कहा कि जानमाल, पशु व फसल के नुकसान के लिए नई गाइडलाइन 3 महीने पहले ही जारी कर दी थी। उसके तहत पीड़ित को जल्द से जल्द मुआवजा देंगे। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित लोगों को नाव से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए और जहां नाव नहीं जा सकती, वहां से हेलिकॉप्टर से लिफ्ट करके लाया जाए। इसके अलावा आवश्यकता अनुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे लोगों तक सर्वप्रथम सूखा राशन, खाना और पीने का पानी, दवाई पहुंचाई जाए। इस अवसर पर विधायक राजेश नागर ने मुख्यमंत्री स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हेलिकॉप्टर सर्व कर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने देंगे। विधायक राजेश नागर ने राहत शिविर में मौजूद सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और सुविधाओं को बढ़ाने के लिए भी निर्देश दिए। इस अवसर पर उपायुक्त विक्रम सिंह, जिला पलवल की उपायुक्त नेहा, पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा सहित तहसीलदार, पटवारी, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग सहित अन्य कई विभागों के अधिकारीगण और कर्मचारी मौजूद रहे।

विरोध रैली निकालने के प्रयास के दौरान पीडीपी कार्यकर्ताओं को लिया गया हिरासत में

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर में बाहरी लोगों को बसाने के प्रयासों सहित विभिन्न मुद्दों पर विरोध रैली निकालने के प्रयास के दौरान पीडीपी कार्यकर्ताओं को शनिवार को जम्मू में उनके पार्टी मुख्यालय के बाहर हिरासत में ले लिया गया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के कार्यकर्ता ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ नारे लगाते हुए तथा घाटी में स्मार्ट बिजली मीटर की स्थापना और हिंदुओं पर बेरोकटोक लक्षित हमलों पर भी अपना गुस्सा व्यक्त किया। महासचिव अमरीक सिंह रीन के नेतृत्व में दर्जनों पीडीपी नेता और कार्यकर्ता गांधी नगर स्थित पार्टी मुख्यालय से बाहर निकले और पास के जम्मू-हवाईअड्डा मार्ग की ओर मार्च करना शुरू कर दिया। हालांकि मौके पर पहले से मौजूद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोक दिया और उनमें से कई को एहतियातन हिरासत में ले लिया। पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा हाल ही में जारी स्पष्टीकरण के बावजूद विरोध प्रदर्शन किया कि किसी भी बाहरी व्यक्ति को पांच मरला जमीन आवंटित नहीं की जा रही है और इस संबंध में कानून में कोई बदलाव नहीं है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि बाहरी लोगों को आवास प्रदान करने का कदम उठाया गया है। लोगों को बेघर करना केंद्र शासित प्रदेश की जनसांख्यिकी को बदलने का एक प्रयास है। हिरासत में लिए गए लोगों में शामिल पीडीपी जम्मू के प्रांतीय अध्यक्ष (युवा) परवेज वड़ा ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की और कहा कि जब बाहर से लोगों को जम्मू-कश्मीर में बसाया जा रहा है तो उनकी पार्टी चुप नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि जमीन जम्मू-कश्मीर के लोगों की है। उन्हें प्रवासी कश्मीरी पंडितों को जमीन मुहैया कराने दीजिए, किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी। वड़ा ने कहा कि पीडीपी ने डिजिटल मीटरों को हटाकर स्मार्ट बिजली मीटर लगाने और घाटी में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों पर लगातार हमलों के खिलाफ भी विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है। उन्होंने पूछा कि भाजपा के सामान्य स्थिति के बड़े-बड़े दावों के बावजूद पिछले कई वर्षों से चयनात्मक और लक्षित हमले जारी हैं। यह किस प्रकार की सामान्य स्थिति है। उल्लेखनीय है कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 3 जुलाई को कहा था कि उनके प्रशासन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत भूमिहीन परिवारों को उनके घर के निर्माण के लिए 5 मरला भूमि उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा था कि ग्रामीण विकास विभाग ने ऐसे 1.83 लाख परिवारों की पहचान की है जिनके पास अपना घर नहीं है। हम इस पर काम कर रहे हैं।

आपात परिस्थितियों पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवर पाल ने कहा है कि प्राकृतिक आपदाओं के समय राजनीतिक बयानबाजी करना और केवल फोटो खिंचवाना कुछ राजनैतिक लोगों का उद्देश्य हो सकता है, लेकिन ऐसे समय में राजनीति से हटकर सभी को मिलकर काम करना चाहिए। शनिवार को अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कंवर पाल ने कहा कि इस समय जिले में बाढ़ की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और सहायता कार्य जोरों पर है। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा बाढ़ सहायता के लिए 216 करोड़ रुपए की राशि भेजी गई है। जैसे-जैसे मौसम खुलता है और नुकसान का पता चलेगा, उस हिसाब से और भी पैसे की जरूरत पड़ी तो सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को लेकर तंज कसा कि बिना सोचे समझे बयानबाजी करते हैं और झूठ के अलावा कुछ भी नहीं बोलते। वहीं, उन्होंने गांव कमालपुर टापू के लोगों के पलायन पर कहा कि वह लोग अस्थाई रूप से गए हैं और प्रशासन की ओर से भी पूरे इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में अगर गांव में भूमि का कटाव और बढ़ता है तो गांव छोड़ने में ही भलाई है, क्योंकि प्रकृति से मुकाबला नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हथिनी कुंड बैराज पर बांध बनाने की मुख्यमंत्री मनोहर लाल की दिली इच्छा है।

चरस-गांजा बेचने के आरोप में दो मेडिकल छात्र गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने जयपुर शहर में चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ खोह-नागोरियान एवं झोटवाड़ा थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस तृतीय वर्ष के दो छात्रों सहित एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से एक किलो पचास ग्राम अवैध मादक पदार्थ चरस एवं 32.38 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रथम) कैलाश चंद बिश्नोई ने बताया की जयपुर शहर में अवैध नशा एवं मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन अभियान के तहत सीएसटी ने खोह-नागोरियान एवं झोटवाड़ा थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए पीयूष राव (20) निवासी मोती नारनौल जिला महेंद्रगढ़ (हरियाणा),आदित्य शर्मा (21) निवासी सासनी गेट जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) सहित महिला तस्कर पिंकी सांसी (30) निवासी गांव लूनियावास रेनवाल जिला जयपुर हाल झोटवाडा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी पीयूष राव और आदित्य शर्मा जेएनयू मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्र है जिन्हें नशा करने का शौक है। साथ ही अपना खर्चा निकालने लिए यह अवैध मादक पदार्थ चरस बेचने का काम करने लगे। यह मादक पदार्थ चरस वह सौरभ चौधरी निवासी नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा मोबाइल से संपर्क कर एक लाख अस्सी हजार रुपए में नारनौल से हरियाणा रोडवेज बस द्वारा पार्सल से मंगायी गयी है। जिसे वह कॉलेज और आसपास इलाकों में नशा करने वालों को महंगे दामों में बेचते है। इधर गिरफ्तार महिला आरोपित पिंकी सांसी भी अवैध मादक पदार्थ गांजा बेचने का काम करती है। जब्त की गई अवैध मादक पदार्थ गांजा की छोटी-छोटी पूडिया बनाकर ग्राहकों को बेचा करती है। गिरफ्तार आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ चरस एवं गांजा के सप्लायर एवं खरीददार के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

शिक्षकों ने किया *शिक्षा बचाओ संपर्क यात्रा* का आगाज

बीकानेर (हिंस)। शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण की मांग को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय द्वारा चलाए जा रहे राज्य व्यापी आंदोलन का चौथा चरण शनिवार को शुरू हुआ। इस चरण में *शिक्षा बचाओं संपर्क यात्रा* के तहत बीकानेर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय फोर्ट बीकानेर से विद्यालय संपर्क पदयात्रा निकली गई। यात्रा के दौरान शिक्षकों से संवाद कर सरकार द्वारा बरती जा रही उदासीनता से अवगत करवाते हुए संघर्ष करने का आह्वान किया। संगठन के जिलामंत्री नरेंद्र आचार्य ने संगठन के आह्वान पर शहर की विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों से संवाद किया। शिक्षक समस्याओं पर चर्चा करते हुए, सरकार द्वारा आमजन में फैलाई जा रही भ्रान्तियों से रूबरू करवाया। संगठन के प्रदेश अतिरिक्त महामंत्री रवि आचार्य ने कहा कि ओपीएस की घोषणा के बाद उसकी कियान्विति नीतिगत नही होने से शिक्षकों में उलझन है, संवादहीनता की स्थिति बनी हुई है। आचार्य ने तृतीय श्रेणी शिक्षकों का स्थानान्तरण करने, गैर शैक्षिक कार्यों में की जा रही मनमानी, राज्य बजट में कर्मचारियों के लिए की गयी घोषणाओं की कियान्विति करने, स्थानान्तरण नियम बनाने, समस्त संवर्ग की डीपीसी नही होने पर रोष व्यक्त किया है। अगर इन मांगो पर गौर नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन को तेज करेगा। अध्यक्ष दिनेश कुमार और मंत्री महेश कुमार ने बताया कि संगठन द्वारा 11 सूत्री मांग पत्र को लेकर सरकार को कई बार ज्ञापन दिया और विरोध प्रदर्शन भी किया। इसके बावजूद अभी तक सरकार ने इन मांगों पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। जिलामंत्री नरेंद्र आचार्य ने बताया कि अगर सरकार 11 सूत्री मांगों पर जल्द ही कोई निर्णय नहीं लेती है, तो संगठन द्वारा आंदोलन के अगले चरण में 4 अगस्त को जिला मुख्यालय पर सद्बुद्धि यज्ञ किया जाएगा।

फरीदाबाद में बाढ़ के पानी में उतरकर विधायक नरेंद्र गुप्ता ने लिया जायजा

फरीदाबाद (हिंस)। फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक नरेंद्र गुप्ता ने यमुना नदी के जलस्तर के बढ़ने से आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का शनिवार को जायजा लिया। इस दौरान विधायक नरेंद्र गुप्ता स्थिति को देख इतना भावुक हो गए कि स्वयं बाढ़ के पानी में उतरकर उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। विधायक नरेंद्र गुप्ता ने बाढ़ पीड़ितों से बातचीत की और उन्हें राहत सामग्री व भोजन के पैकेट वितरित किए। इस दौरान उनके साथ भाजपा उपाध्यक्ष पंकज रामपाल, मंडलाध्यक्ष नीरज मित्तल, श्रीचंद गौतम, मनोज मंगला सहित अनेक लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक नरेंद्र गुप्ता ने बाढ़ पीड़ित लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह से बाढ़ पीड़ितों के लिए गंभीर है तथा शासन व प्रशासन लगातार उनकी मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा में सरकार का हर संभव प्रयास है कि भारी बारिश के कारण यमुना नदी में अचानक बढ़े जल स्तर से फरीदाबाद में किसी भी जान और माल की कोई हानि न हो। विधायक नरेंद्र गुप्ता ने राहत शिविरों में लोगों से बातचीत की। उन्होंने आमजन से भी आह्वान किया कि वह प्राकृतिक आपदा में अपना योगदान अवश्य दें।

लिपिकों ने वेतन वृद्धि की मांग पर हड़ताल 18 जुलाई तक बढ़ाई

फतेहाबाद (हिंस)। हरियाणा मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ द्वारा 35 हजार 400 वेतनमान देने की मांग को लेकर की जा रही हड़ताल 18 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। धरने की अध्यक्षता कर रहे जिला क्नवीनर शिव कुमार श्योराण ने हड़ताली कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी विभागों, बोर्डों, निगमों और विश्वविद्यालयों के मिनिस्ट्रीयल स्टाफ का सांझा संगठन हरियाणा मिनिस्टीरियल स्टाफ एसोसिएशन हेमसा के आह्वान पर 25 अगस्त 2014 के मंत्रिमंडल के फैसले अनुसार लिपिक का वेतन 35400 रुपए की नोटिफिकेशन जारी करने की मांग को लेकर प्रदेश के 35000 कर्मचारी 12 जुलाई से हड़ताल पर हैं। कर्मचारी नेता शिव कुमार श्योराण ने कहा कि 25 अगस्त 2014 के मंत्रिमंडल के फैसले अनुसार लिपिक को 35400, अस्सिटेंट/स्टेनोग्राफर/स्टेटिकल अस्सिटेंट को 44900, डिप्टी सुपरीडेंट को 47600, सुपरीडेंट को 56100 रुपए वेतन देने की मांग मानी जा चुकी है। भाजपा सरकार ने सत्ता में आने से पहले अपने घोषणा पत्र में भी पंजाब के समान वेतनमान देने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि आज सरकार सफल हड़ताल की परवाह किए बिना अपने ही वादे से मुकर कर जले पर नमक छिड़कने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हेमसा के आह्वान पर सभी विभागों के लिपिक 35000 कर्मचारी हड़ताल पर हैं। कर्मचारियों के जोश को देखते हुए 18 जुलाई तक हड़ताल बढ़ा दी है। श्योराण ने प्रदेश के सभी लिपिकीय संगठनों को सांझा मोर्चा बना कर निर्णायक आंदोलन के निर्माण का आह्वान किया। हड़ताली कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित यूनियन के प्रदेश महासचिव सरबत सिंह पूनिया, जिला सचिव सुरजीत दूसाद, भट्टू के प्रधान हरपाल हुड्डा, जिला कैशियर कृष्ण जाखड़, जिला सचिव देशराज माचरा ने कहा कि सभी विभागों के कर्मचारियों द्वारा हड़ताली क्लर्कों का समर्थन जारी रहेगा। कर्मचारी नेताओं ने कहा यदि सरकार 35400 वेतन की नोटिफिकेशन जारी नहीं करती तो हरियाणा मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन द्वारा 18 जुलाई को बैठक कर आगामी हड़ताल व आंदोलन की घोषणा की जाएगी। मंच का संचालन हरपाल हुड्डा ने किया। इस मौके पर कर्मचारी नेता रमेश तुशामड़, राजपाल, जोगिंदर भ्याणा, कुरड़ा राम पूनिया, पृथ्वी सिंह बाना, लाधुराम, आत्मा राम, राजेन्द्र गोदारा, नरेश कुमार, सतपाल, शेर सिंह, विक्रम, चुन्नी लाल, इंद्र पाल सहारण आदि ने कर्मचारियों को संबोधित किया।

रिलायंस का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस 20 जुलाई को अलग होगा : शेयर होल्डर्स को आरआईएल के एक शेयर के बदले जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शेयर मिलेंगे

नई दिल्ली।
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड यानी आरआईएल का फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट लिमिटेड गुरुवार (20 जुलाई) को डीमर्जर यानी अलग हो जाएगा। आरआईएल ने फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही के नतीजे से ठीक एक दिन पहले डीमर्जर की डेट तय की है। 21 जुलाई को कंपनी के नतीजे जारी करेगी। डीमर्जर के बाद रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट लिमिटेड का नाम बदलकर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज हो जाएगा। यह रिलायंस की नई कंपनी होगी। इससे पहले 4 मई 2023 को रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट के डीमर्जर को क्रेडिटर्स और शेयरहोल्डर्स ने मंजूरी दी थी। रिलायंस ने घोषणा की है कि नई कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ हितेश कुमार सेठी होंगे।

इसका रिलायंस के शेयर होल्डर्स पर क्या असर होगा – कंपनी ने बताया है कि डीमर्जर के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर होल्डर्स को हर एक शेयर के बदले जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शेयर मिलेंगे। हालांकि, शेयर होल्डर्स के डीमैट अकाउंट में फाइनेंशियल सर्विसेज के स्टॉक कब क्रेडिट होंगे और मार्केट में कब से ट्रेड होंगे इसके बारे में कंपनी ने अभी तक किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी है।

भारत की पांचवीं बड़ी फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी बनेगी जियो – मीडिया रिपोर्ट में ब्रोकरेज फर्म मैक्वेरी के हवाले से बताया जा रहा है कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की वैल्यू 1.52 लाख करोड़ रुपए से अधिक होगी। डीमर्जर के साथ ही यह भारत की पांचवीं सबसे बड़ी फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी बन जाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास पहले से ही एक एनबीएफसी लाइसेंस है, जिसका फायदा उसे कंज्यूमर या मर्चेंट लैंडिंग में मिल सकता है।

कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का प्लान – जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्वेरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ज्यादातर फिनटेक से अलग होगी, क्योंकि इसके पास बड़ी मात्रा में डेटा तक पहुंच है। जियो, अलीबाबा, अमेजन, एपल जैसी फाइनेंशियल सर्विसेज ऑफर करने के लिए रियल टाइम में इस डेटा को प्रोसेस और एनालाइज कर सकती है।

न्यूज ब्रीफ

टमाटर ने किसान को बनाया करोड़पतिः पुणे के किसान ने 1 महीने में ही कमाए डेढ़ करोड़ रुपए, 350 रुपए तक पहुंचा टमाटर

नई दिल्ली। देशभर में टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच जहां आम आदमी को बुरा हाल है तो वहीं इसने

कई किसानों को मोटा फायदा हो रहा है। पुणे के जुन्नर के तुकाराम भागोजी गायकर और उनके परिवार ने एक महीने में 13,000 टमाटर की क्रेट बेचकर 1.5 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है। तुकाराम के पास 18 एकड़ कृषि भूमि है इसमें से 12 एकड़ भूमि पर वह अपने बेटे ईश्वर गायकर और बहू सोनाली की मदद से टमाटर की खेती करते हैं। परिवार ने कहा कि वे अच्छी गुणवत्ता वाले टमाटर उगाते हैं। हाल ही में 11 जुलाई 2023 को टमाटर की क्रेट का मूल्य 2100 रुपए (20 किलो क्रेट) मिला। गायकर ने कुल 900 टमाटर की क्रेट बेचीं। उनको एक ही दिन में 18 लाख रुपए मिले। पिछले दिनों में उन्हें ग्रेड के आधार पर प्रति क्रेट 1000 रुपए से 2400 रुपए तक की कीमत मिली है। इससे उन्हें 1.5 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई हुई। इसके अलावा महाराष्ट्र के जुन्नर के ही कई किसानों ने ऊंचे दामों पर टमाटर बेचकर मोटी कमाई की है। किसानों का कहना है कि इस बार टमाटर के टोकरे (20 किलोग्राम ग्राम) के लिए ऊंची कीमत 2500 रुपए यानी 125 रुपए प्रति किलोग्राम मिली है। इससे कई टमाटर उत्पादक लखपति और करोड़पति बन गए हैं। चंडीगढ के फुटकर बाजारों में सोमवार-मंगलवार को टमाटर के दाम 350 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए थे, हालांकि अभी ये 200 रुपए के ऊपर ही बना हुआ है। वहीं गाजियाबाद में इसका भाव 200 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है। देश में ज्यादातर जगहों पर टमाटर की कीमतें 100 रुपए के पार पहुंच गई हैं। बीते तीन सालों में भी बारिश में टमाटर के दामों में बढ़ोतरी का ट्रेंड दिखा है। पिछले साल यानी 2022 के जून महीने में टमाटर के दाम 60-70 रुपए किलो तक पहुंच गए थे। इससे पहले 2021 में दाम 100 रुपए और 2020 में दाम 70-80 रुपए प्रति किलो के करीब पहुंच गए थे।

चीनी कंपनियों को तकनीक बेचने के आरोप शख्स को तीन साल की सजा

सोल । दक्षिण कोरिया की शीर्ष अदालत ने 2018 में चीनी कंपनियों को सैमसंग डिस्प्ले की एज पैनल

टेक्नोलॉजी लीक करने के आरोप में एक व्यक्ति को तीन साल जेल की सजा सुनाई है। आरोपी कोई साधारण व्यक्ति नहीं है, बल्कि टेक फर्म का पूर्व प्रमुख है। रिपोर्ट के अनुसार, एज पैनल टेक्नोलॉजी, जिसे 3डी लेमिनेशन टेक्नोलॉजी भी कहते हैं, का इस्तेमाल कर्व स्क्रीन एज बनाने के लिए होता है। इस तकनीक को विकसित करने में सैमसंग को लगभग 117.7 मिलियन डॉलर का निवेश करना पड़ा था और 38 इंजीनियरों ने छह साल तक रिसर्च किया था। प्रोडक्शन डिवाइस में एक्सपर्ट कंपनी टॉपटेक के एक पूर्व सीईओ और अधिकारियों को अप्रैल 2018 में सैमसंग से एज पैनल तकनीक प्राप्त हुई थी। व्यक्ति को इससे जुड़े टेक्निकल स्पेसिफिकेशंस और टेक्नोलॉजी इमेज को एक अलग कंपनी में लीक करने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। यह भी आरोप लगाया था कि व्यक्ति ने दस्तावेजों का कुछ हिस्सा दो चीनी कंपनियों को भी बेच दिया था। व्यक्ति पर सैमसंग द्वारा प्रदान की गई टेक्निकल ड्राइंग के आधार पर 3डी लेमिनेशन प्रोडक्शन उपकरण की 24 इकाइयों का उत्पादन करने, उनमें से 16 को चीनी कंपनियों को निर्यात करने और बाकी को बेचने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया गया था। एक जिला अदालत ने शुरू में टॉपटेक के पूर्व सीईओ और अधिकारियों को दोषी नहीं पाया था। कोर्ट ने कहा था कि लीक हुई टेक्नोलॉजी कोई बिजनेस सीक्रेट नहीं है। लेकिन एक अपीलीय कोर्ट ने फैसले को पलट दिया और पूर्व सीईओ को तीन साल जेल की सजा सुनाई।

इस हफ्ते सोने-चांदी में तेजीः सोना फिर 59 हजार के पार निकला, चांदी 75 हजार रुपए के करीब पहुंची

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स

एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 10 जुलाई को सोना 58,648 रुपए पर था, जो अब, 59,338 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 690 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। इस हफ्ते चांदी में 4 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 70,514 रुपए पर थी, जो अब 74,979 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 4,464 रुपए बढ़ी है। इस महीने सोने में रही तेजी

धारावी की झुग्गी बस्ती को रिडेवलप करेगा अडाणी ग्रुप

महाराष्ट्र सरकार ने एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती को फिर से बनाने के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी

नई दिल्ली।
भले ही महाराष्ट्र सरकार ने धारावी पुनर्विकास परियोजना औपचारिक रूप से अदाणी समूह की कंपनी को सौंप दी हो लेकिन धारावी निवासियों को अपने घरों और रोजी-रोटी का डर सता रहा है। धारावीवासियों का मानना है कि इस परियोजना से स्थानीय व्यवसायों पर निर्भर गरीब लोगों को नुकसान होगा। धारावी एशिया की सबसे बड़ी मलिन बस्तियों में से एक है। यहां बहुत सारी झोपड़ियाँ हैं और कई छोटे व्यवसाय हैं जिनसे स्थानीय लोग अपना गुजारा करते हैं।

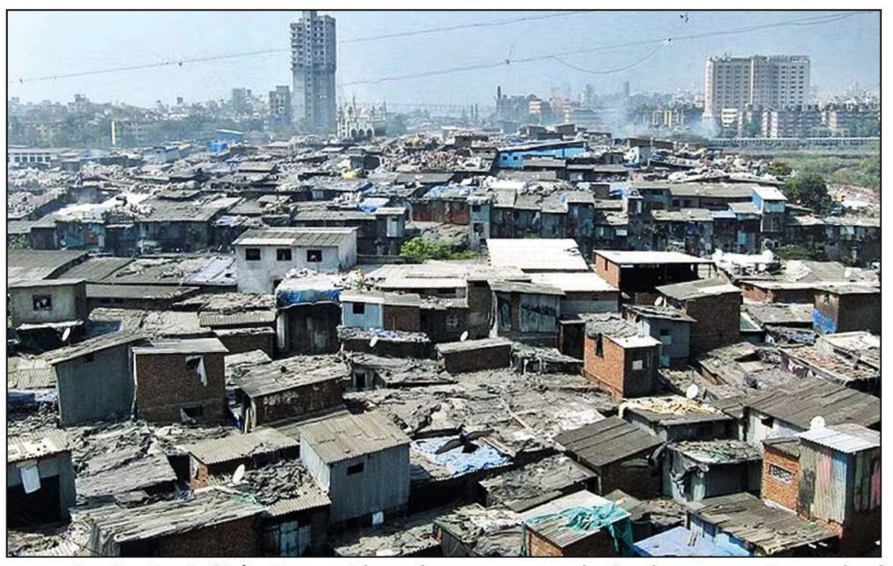

कमरे के किराए पर निर्भर में सैंकड़ों परिवार

धारावी नागरिक सेवा संघ के अध्यक्ष पॉल राफेल ने कहा कि हमें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए अदाणी समूह की एक कंपनी को हरी झंडी दे दी है। हमें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए अदानी समूह की एक कंपनी को हरी झंडी दे दी है। इलाके में सैकड़ों ग्राउंड-प्लस दो मंजिला इमारतें हैं, जिनमें दो ही कमरे हैं। एक कमरे पर घर के मालिक का कब्जा है और दूसरे में किरायेदार रहता है, और मालिक अपना घर चलाने के लिए किराए के पैसे पर निर्भर रहता है।

परियोजना दुनिया का सबसे बड़ा भूमि घोटाला

उन्होंने सवाल किया कि इस परियोजना में उनका घर टूट जाता है और मालिक को उसके हिसाब से एक कमरा दिया जाता है तो वह क्या करेंगे। सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए। वहीं राज्य सरकार के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए धारावी निवासी वकील संदीप कटाके ने आरोप लगाया कि यह परियोजना दुनिया का सबसे बड़ा भूमि घोटाला होगा।

वकील ने कहा कि पुनर्विकास के नाम पर किसी भी परिवार को धारावी से बाहर नहीं भेजा जाना चाहिए। साथ ही दावा किया कि अदाणी को बिक्री के लिए छह करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र मिल रहा है, जिससे वह 3,00,000 करोड़ रुपये कमाने जा रहे हैं। धारावी परियोजना में किसका भला होने वाला है, स्थानीय निवासी या अदाणी का। अधिकांश निवासियों के लिए, पुनर्विकास ने आजीविका के साथ-साथ आवास के मामले में भविष्य के बारे में अनिश्चितता की भावना ला दी है।

इडली बिक्री जैसे छोटे उद्योग पर आएगा संकट

एक निवासी ने कहा कि इस क्षेत्र में हजारों झोपड़ियां और झुग्गियां हैं, जिनमें से प्रत्येक में चार से पांच परिवार रहते हैं। पुनर्विकास के बाद, उन्हें केवल एक फ्लैट मिल सकता है, जो उनके लिए पर्याप्त नहीं होगा। निवासी तरुण दास ने कहा कि 2,000 से अधिक इडली विक्रेता धारावी में रहते हैं और पूरे शहर में भोजन की आपूर्ति करते हैं। पुनर्विकास के बाद ऐसे व्यवसाय अस्तित्व में नहीं रहेंगे। चमड़े के उत्पाद, नकली आभूषण और अन्य सामान बनाने वाली छोटी औद्योगिक इकाइयां बंद हो जाएंगी।

धारावी में लगभग 1.20 लाख झोपड़ियां

नाम न छापने की शर्त पर एक सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि पुनर्विकास परियोजना 2004 में तैयार की गई थी, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। 1995 में, क्षेत्र में 57,000 झोपड़ियां थीं, लेकिन वर्तमान में, हमें लगता है कि यह संख्या बढ़कर 1.20 लाख हो गई है। लगभग इलाके में 50 फीसदी लोग अपने घरों से छोटे व्यवसाय चलाते हैं।

20,000 करोड़ की है धारावी पुनर्विकास परियोजना

धारावी पुनर्विकास परियोजना के तहत 20,000 करोड़ रुपये में मध्य मुंबई में स्थित 259 हेक्टेयर में फैली धारावी झुग्गी बस्ती का पुनर्निर्माण किया जाना है। योजना की प्रतिस्पर्धी बोली पिछले साल नवंबर में अदाणी प्रॉपर्टीज ने जीती थी। इसमें डीएलएफ और नमन डेवलपर्स ने हिस्सा लिया था। राज्य मंत्रिमंडल ने 22 दिसंबर, 2022 को बोली प्रक्रिया के परिणाम को मंजूरी दी थी।

रानिल विक्रमसिंघे बोले-

यूएस डॉलर के बराबर हो भारतीय रुपये का इस्तेमाल, अब नई दिल्ली की बारी

कोलंबो ।
श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शनिवार को कहा कि उनका देश चाहता है कि भारतीय रुपये का इस्तेमाल अमेरिकी डॉलर के बराबर हो। नकदी संकट से जूझ रहे देश के प्रमुख का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ दिन बाद उनके दिल्ली दौरे की संभावना है।

अब हिंद महासागर क्षेत्र के साथ भारत की बारी

द्वीप राष्ट्र के वित्त मंत्री विक्रमसिंघे ने इस सप्ताह यहां इंडियन सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। विक्रमसिंघे ने कहा, जिस तरह जापान, कोरिया और चीन जैसे देशों सहित पूर्वी एशिया में 75 साल पहले उल्लेखनीय विकास हुआ था, उसी तरह अब हिंद महासागर क्षेत्र के साथ भारत की बारी है।

अगले सप्ताह नई दिल्ली की यात्रा करने की संभावना

विक्रमसिंघे के अगले सप्ताह नई दिल्ली की यात्रा करने की उम्मीद है, जो द्वीप राष्ट्र में अभूतपूर्व आर्थिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच एक साल पहले राष्ट्रपति बनने के बाद उनका पहला दौरा है। उनकी टिप्पणी फोरम के अध्यक्ष टीएस प्रकाश के जवाब में थी, जिन्होंने अपने संबोधन में श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था में भारतीय रुपये के उपयोग को बढ़ाने का आह्वान किया था।

साझा मुद्रा से हमें कोई दिक्कत नहीं

उन्होंने कहा, अगर भारत (भारतीय रुपया) एक साझा मुद्रा बना जाता है तो हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें यह पता लगाना होगा कि इसे कैसे किया जाए। हमें बाहरी दुनिया के लिए और अधिक खुला होना चाहिए। उन्होंने कहा, दुनिया विकसित हो रही है और भारत तेजी से विकास के दौर से गुजर रहा है, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में।

श्रीलंका को भारत के साथ अपनी निकटता से लाभ

उनके हवाले से कहा कि उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंका को भारत के साथ अपनी निकटता से लाभ होता है, साथ ही समृद्ध इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और 2,500 वर्षों के लंबे समय से चले आ रहे व्यापारिक संबंधों से भी लाभ होता है।

टेस्ला भारत में प्लांट लगाने की संभावना को तलाश रहा, मोदी सरकार के आला अधिकारियों से चल रही बात

नई दिल्ली ।
पिछले माह अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद, एलन मस्क ने कहा था कि भारत में अपनी खुद का सप्लाई चेन इकोसिस्टम स्थापित करने की संभावना तलाश रहे हैं, जिससे सस्ती इलेक्ट्रिक कारें तैयार हो सकें, जिनकी कीमत 20 लाख रुपये से शुरू हो सकती है। सरकारी सूत्रों का हवाला देकर एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इलेक्ट्रिक कार निर्माता ने इंसेंटिव और टैक्स बेनिफिट्स की मांग के साथ भारत में अपने ऑटो पार्ट्स और इलेक्ट्रॉनिक्स चेन स्थापित करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत की है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तब टेस्ला कथित तौर पर सालाना 5 लाख इलेक्ट्रिक वाहन का उत्पादन कर सकती है। वर्तमान में, स्टैंडर्ड टेस्ला इलेक्ट्रिक कार की कीमत 30 लाख रुपये से अधिक होती है और 100 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी के साथ कीमत 60 लाख रुपये से अधिक होती है। हालांकि, भारत सरकार और टेस्ला के बीच प्रारंभिक बातचीत चल रही है और देश में टेस्ला के आने में कुछ समय लग सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला भारत में इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव के साथ बैठकें भी कर रही है। पिछले महीने, प्रधानमंत्री मोदी की मेक इन इंडिया पिच को सुनने के बाद, मस्क ने योजनाओं में बदलाव की घोषणा कर कहा कि उनकी इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी कंपनी अब जितनी जल्दी संभव हो सके भारत आएगी।

मस्क ने पीएम मोदी के साथ अपनी मुलाकात के बाद कहा था कि उन्हें वास्तव में भारत की परवाह है, क्योंकि वह हमें भारत में महत्वपूर्ण निवेश करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जो कुछ ऐसा है जिसे हम करने का इरादा रखते हैं और हम सिर्फ सही समय का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मोदी वास्तव में भारत के लिए सही काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मोदी यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि निवेश से भारत को लाभ पहुंचाए। मस्क ने कहा, भारत में दुनिया के किसी भी बड़े देश की तुलना में अधिक संभावनाएं हैं।

भारतीय कंपनी 8.5 करोड़ यूएस डॉलर का करेगी निवेश, कार्गो की लोडिंग और अनलोडिंग पर होगा खर्च

ईरान।
ईरान के चाबहार बंदरगाह की संचालक एक भारतीय कंपनी बंदरगाह पर लोडिंग और डिस्चार्जिंग के लिए नए उपकरण लाएगी और इसके लिए 8.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करने जा रही है। वरिष्ठ बंदरगाह नियंत्रण अधिकारी सा हाशमी ने शनिवार को यह जानकारी दी। हाशमी ने कहा, हमारा ऑपरेटर एक भारतीय कंपनी है, जो लोडिंग और डिस्चार्जिंग के लिए कुछ नए उपकरण लाकर यहां 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यहां मौजूद भारतीय कंपनी इस बंदरगाह की संचालक है। इसका मतलब यह है कि आने वाले सभी जहाजों, समुद्र में जाने वाले सभी जहाजों की लोडिंग और डिस्चार्जिंग की जिम्मेदारी उसके पास है। हाशमी ने कहा कि किसी भी प्रकार के जहाज के लिए कोई सीमा तय नहीं है । उन्होंने कहा कि हमारे यहां आने वाले समुद्री यात्रियों, किसी भी

यात्री जहाज के लिए यात्री टर्मिनल है। यहां कोई भी नौका जहाज आ सकता है। हम 6000 कंटेनरशिप से भरे बहुत बड़े जहाज को भी परिवर्तित कर सकते हैं। इन जहाजों को आवंटित स्थान पर लगाने और ऑनबोर्डिंग के लिए हमारे पास जगह की कोई कमी नहीं है। भारत की एक न्यूज एजेंसी ने शनिवार को ईरान के चाबहार बंदरगाह का दौरा किया और बंदरगाह पर काम करने वाले भारतीयों से मुलाकात की ताकि यह पता लगाया जा सके कि देश चाबहार मुक्त क्षेत्र में शहीद बेहेश्टी बंदरगाह पर दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों का संचालन कैसे कर रहा है। इस दौरान जहाजों से माल की लोडिंग और अनलोडिंग के लिए इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीएलजी) की क्रेनें बंदरगाह पर देखी गईं। चाबहार में बंदरगाह पर आईपीएलजी का एक विशाल कार्यालय है, जिसे भारतीय प्राधिकरण द्वारा चलाया जाता है। बंदरगाह पर शिपिंग कंटेनर देखे गए, जबकि चीन के लिए जाने वाला मालवाहक जहाज आइरन डस्ट लोड कर रहा था। इस बीच, ईरान में भारतीय राजदूत रुद्र गौरव श्रेष्ठ ने शुक्रवार को चाबहार बंदरगाह का दौरा किया। दूत के रूप में कार्यभार संभालने के बाद बंदरगाह पर यह उनकी पहली यात्रा थी। एक सूत्र ने बताया, चाबहार भारत के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है और यह इसका पता इस बात से चलता है कि भारतीय राजदूत ने तेहरान के बाहर अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए चाबहार को चुना। चाबहार बंदरगाह की अपनी पहली यात्रा के दौरान राजदूत ने कई वरिष्ठ बंदरगाह अधिकारियों के साथ बातचीत की।

पीवीआर आइनॉक्स ने खाने-पीने के सामान की कीमत 40प्रतिशत घटाई

इसकी 114 शहरों में 1600 से ज्यादा स्क्रीन्स, ओटीटी से मुकाबले के लिए किया मर्जर

नई दिल्ली।
मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआर आइनॉक्स ने खाने-पीने के सामानों की कीमतों में 40प्रतिशत तक कटौती की है। बीते दिनों कंपनी को सोशल मीडिया पर उसे अपनी दरों को लेकर विरोध का सामना करना पड़ा था। कंपनी ने अब 99 रुपए से शुरू होने वाले फूड कॉम्बो पेश किए हैं। वहीं, जीएसटी काउंसिल ने 11 जुलाई को सिनेमा हॉल में खाने-पीने की चीजों के बिल पर लगने वाले जीएसटी को 18प्रतिशत से घटाकर 5प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले का पॉजिटिव असर मल्टीप्लेक्स चेन्स के बिजनेस पर दिख सकता है, जिन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म्स से कड़ी चुनौती मिल रही है। इस साल की शुरुआत में ओटीटी से मुकाबले के लिए आइनॉक्स और पीवीआर ने मर्जर कर लिया था। मर्जर के बाद ये 1500 से ज्यादा स्क्रीन्स के साथ भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की 5वीं बड़ी मल्टीप्लेक्स चेन बन गई। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार अभी भारत और श्रीलंका के 114 शहरों में उसकी 360 प्रॉपर्टीज पर 1600 से ज्यादा स्क्रीन्स हैं। हाल ही में उसने दिल्ली और अहमदाबाद में 15 स्क्रीन्स ओपन की हैं। अगले 5 साल में स्क्रीन्स की संख्या को 3,000 से 4,000 तक ले जाने का प्लान है। ऐसे में यहां हम मल्टीप्लेक्स बिजनेस क्या चैलेंज फेस कर रहे हैं, उस बारे में बता रहे हैं। आखिर आइनॉक्स को साथ क्यों आना पड़ा मल्टीप्लेक्स चेन्स फिल्म दिखाने के अलावा किन-किन चीजों से कमाई करती है।

दोनों कंपनियों के साथ आने की 3 बड़ी वजह हैं:

1. ओटीटी प्लेटफॉर्म से मुकाबला: 2018 में ओटीटी मार्केट 2,590 करोड़ रुपए का था। कोरोना महामारी के दौरान इसमें तेजी से ग्रोथ आई। भारत में अभी ओटीटी मार्केट लगभग 10,500 करोड़ रुपए का हो चुका है। यानी 5 साल में यह 300प्रतिशत बढ़ा है। 2030 में इसके 30,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में ओटीटी से मुकाबले के लिए मर्जर जरूरी था। 2018 में बॉक्स ऑफिस रेवेन्यू 11,100 करोड़ रुपए रहा था। 2020 में कोरोना महामारी के कारण यह घटकर 2,400 करोड़ और 2021 में 3,200 करोड़ रह गया। साल 2022 में इसमें रिकवरी दिखी और ये बढ़कर 11,000 करोड़ पर पहुंच गया। यानी 2018 में रेवेन्यू जितना था, अभी भी उतना ही है। दूसरी ओर, इस दौरान ओटीटी में 300प्रतिशत ग्रोथ देखने को मिली।

2. खर्च कम करना, प्रॉफिट बढ़ाना: मर्जर से कॉस्ट ऑप्टिमाइजेशन में मदद मिलेगी। यानी बिजनेस वैल्यू बढ़ाते हुए खर्च में कमी लाना। बिजनेस के लॉन्ग टर्म सर्वाइवल के लिए ये जरूरी है। पीवीआर आईनॉक्स ने जनवरी-मार्च क्वार्टर में 334 करोड़ का नेट लॉस और 1,143 करोड़ का रेवेन्यू दर्ज किया था। पीवीआर का रेवेन्यू 91प्रतिशत और आइनॉक्स का 92प्रतिशत गिर गया था। दोनों ब्रांड्स के बीच प्रति व्यक्ति फूड एंड बेवरेज रेवेन्यू में बड़े अंतर था। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीवीआर के लिए यह 93 रुपए और आईनॉक्स के लिए 75.2 रुपए था। यानी 24प्रतिशत का अंतर। अब दोनों ब्रांड मर्ज हो गए हैं, तो फूड एंड बेवरेज रेवेन्यू बढ़ सकता है। एम्प्लॉई कॉस्ट में भी कमी आने की उम्मीद है।

3. सिनेमा एक्सपीरिएंस बेहतर करना: कंपनी के नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सिद्धार्थ जैन कहते हैं- हमें बड़े पर्दे पर आने की आदत बरकरार रखनी होगी और यह तभी संभव है जब हम सिनेमा के अनुभव को बेहतर बनाएंगे। वहीं एमडी अजय बिजली कहते हैं-

मल्टीप्लेक्स 3 बड़े चैलेंज फेस कर रहे हैं

1. सिनेमाघरों में कम फुटफॉल: साल 2018 में भारत में 94.5 करोड़ लोग सिनेमाघर पहुंचे। कोविड से पहले 2019 में ये संख्या 103 करोड़ थी। 2020 में लॉकडाउन के कारण ये संख्या घटकर 22.5 करोड़ रह गई। साल 2022 में रिकवरी आई और ये 89.2 करोड़ पर पहुंच गई। यानी 5 साल पहले 2018 में जो फुटफॉल था, वहां तक भी संख्या नहीं पहुंच पाई हैं।

2. ऑडियंस का शिफ्टिंग ट्रेंड: हिंदी सिनेमा इंडस्ट्री इस समय ऑडियंस के शिफ्टिंग ट्रेंड का सामना कर रही है। लोग साउथ मूवीज की तरफ माइग्रेट हो रहे हैं। कोरियन मूवीज में भी लोगों का इंटरेस्ट बढ़ा है। बड़ी संख्या में बॉलीवुड फिल्में फ्लॉप हुई है।

बाय इनवाइट ओनली में आशीष वर्मा ने रणवीर को लेकर दिया बयान

मुंबई (ईएमएस)। अमेजन मिनी टीवी के बाय इनवाइट ओनली के हालिया एपिसोड में अभिनेता अभिषेक बनर्जी और आशीष वर्मा गेस्ट बनकर आए थे। शो के होस्ट रेनिल अब्राहम और सेलिब्रिटी मेहमानों के बीच बातचीत के साथ दर्शकों को भरपूर एंटरटेन किया। शो के लोकप्रिय सेगमेंट क्विकी के दौरान, आशीष से लोकप्रिय होस्ट ने एक दिलचस्प सवाल पूछा, यदि आप एक ही लिंग के रिश्ते में होते, तब आप किस बॉलीवुड अभिनेता को साथी के रूप में चुनते? जिस पर आशीष ने जवाब दिया, रणवीर सिंह। पिछले कुछ वर्षों में कास्टिंग बदली है या नहीं, इस बारे में बात करते हुए आशीष ने कहा की, इंडस्ट्री बहुत बदल गया है, पहले मैं अजीब भूमिकाएँ कर रहा था लेकिन समय के साथ मुझे बिना किसी पारंपरिक मानसिकता के कई तरह के रोल मिल रहें हैं, लोग अब सोचते हैं डिब्बे का। उसी सेगमेंट में जब होस्ट ने अभिषेक बनर्जी से पूछा, आपके बारे में ऐसा क्या है जो आपको लगता है कि महिलाएं सबसे अधिक आकर्षक लगती हैं तब अभिनेता ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि यह सिर्फ मैं हूं जो उनके आसपास बहुत ही कैजुअल रहता हूं, ज्यादातर लड़के जब महिलाओं के आसपास होते हैं, तब वे कुछ और बनने की कोशिश करते हैं, और मैं ऐसा नहीं करता अभिनेता से एक और सवाल पूछा गया था, आपके अनुसार कौन सी बॉलीवुड हस्ती परफेक्ट 10 में से एक है? इसका जवाब आपको प्रभावित कर देगा, अभिनेता कहते हैं, अमिताभ बच्चन।

पठान का रिकॉर्ड तोड़ेगी जवान, शाहरुख ने दिया जबाव

मुंबई (ईएमएस)। शाहरुख पठान के बाद फिर से अपने दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए स्क्रीन पर लौट रहे हैं। हाल ही एटली के निर्देशन में बनी फिल्म जवान का प्रीव्यू सामने आया था, जिसमें शाहरुख के अलग-अलग रूप ने लोगों को अचंभित कर दिया था। ट-ीजर में शाहरुख के अलावा नयनतारा, विजय सेतुपति और और दीपिका पादुकोण भी नजर आए। बता दें कि इस साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म पठान से शाह रुख खान ने चार साल बाद पर्दे पर वापसी की थी। इस फिल्म के साथ ही शाहरुख ने इस साल का बॉक्स ऑफिस पर अब तक बड़ा रिकॉर्ड कायम किया था। उनकी फिल्म पठान ने दुनियाभर में 1000 करोड़ और इंडिया में 500 करोड़ की टोटल कमाई की थी। हाल ही में शाहरुख से एक फैन ने पूछा पठान ने बॉक्स ऑफिस पर तोड़ फोड़ की, अब आप जवान लेकर आ रहे हो, तब आपको इस फिल्म से क्या-क्या उम्मीदें है?

इस सवाल का जवाब देकर शाह रुख ने लिखा, एक ही उम्मीद होती है हमेशा। आप सबको एंटरटेन कर सकूँ बस! उम्मीद है जवान आपको अच्छी लगेगी। शाह रुख ने इस सवाल-जवाब में फैंस के कई मजेदार सवालों के जवाब दिए। एक फैन ने उनसे सवाल पूछते हुए कहा, आपके लिए सिनेमा की परिभाषा क्या है? इस सवाल का जवाब देकर शाहरुख ने कहा, एक लार्ज ऑडियंस को एंटरटेन करने का और साथ ही लोगों में अच्छाई के लिए बदलाव लाने का।

रणवीर सिंह ने उड़ाया कैटरीना कैफे के पति का मजाक

मुंबई (ईएमएस)। रणवीर सिंह बॉलीवुड के वह अभिनेता हैं, जिनकी एनर्जी को मैच करना अच्छे-अच्छे अभिनेता के लिए मुश्किल है। वह जल्द ही आलिया भट्ट के अपोजिट रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आने वाले हैं। हाल ही में उनकी आगामी रोमांटिक फिल्म का गाना व्हाट झुमका रिलीज किया गया, जिस पर उनके फैंस भी झूम उठे। इस फिल्म की रिलीज के बीच अब रणवीर सिंह का एक पुराना वीडियो इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में रणवीर कटरीना कैफ के पति विक्की कौशल का मजाक उड़ाते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को देखने के बाद फैंस भी सोशल मीडिया पर मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। रणवीर का ये वीडियो फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के दौरान का है। जहां ऑडियंस को एंटरटेन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस मस्ती के दौरान ही अचानक रणवीर विक्की कौशल और अपना मजाक उड़ाते हुए कहते हैं, ये साल विक्की कौशल के लिए काफी अच्छा रहा है, क्योंकि उनकी फिल्म सरदार उद्धम आई और फिर उन्होंने अपनी ड्रीम गर्ल से शादी की। विक्की हम दोनों है थोड़े टॉल, डार्क, हैंडसम सांवले टाइप के रफ-टफ। हम दोनों मम्मी के लाडले हैं। हम दोनों हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लीड एक्टर्स बन गए। हम दोनों ने दो बहुत ही खूबसूरत लड़कियों से शादी की। जिस देखकर हर कोई हमें कहता है कि ये इसकी औकात के बाहर है। विक्की मैं तुम्हारा दर्द फील कर सकता हूं, क्योंकि मेरे साथ भी ये रोज होता है। रणवीर और विक्की कौशल के इस वीडियो पर फैंस मजेदार प्रतिक्रिया जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, मजाक-मजाक में विक्की के दिल पर लग गई ये बात। दूसरे यूजर ने लिखा, रणवीर कितना फनी है यार, लेकिन कटरीना कैफ बहुत लकी है, क्योंकि विक्की कौशल बहुत अच्छा लड़का है। अन्य यूजर ने लिखा, विक्की में सबसे अच्छी बात ये है कि वह इस बात को स्वीकार करता है कि कटरीना कैफ उनसे ज्यादा पॉपुलर हैं, लेकिन उनमें किसी भी तरह की इनसिक्योरिटी नहीं है।

आलिया भट्ट का सबसे निराला है अंदाज

फिल्म एक्टिंग हो, लुक की बात हो या लोगों के साथ डील करने का अंदाज आलिया भट्ट का सबसे निराला हैं। वो अपने फैंस का दिल जीत ही लेती हैं। हाल ही में आलिया को मां संग डिनर के बाद रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट किया गया, तो वह जिस तरह पैपराजी के साथ पेश आई, उससे उन्होंने सबका दिल जीत लिया। आलिया के इस अंदाज के लिए फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे है। दरअसल हुआ यू कि जब आलिया भट्ट मां सोनी राजदार के साथ डिनर के बाद रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट हुई तो पैपराजी उनकी तस्वीरें क्लिक करने के लिए पीछे आ गए।

इन्ही में से एक की जल्दीबाजी में चप्पल उतर गई। पैपराजी के चप्पल पर जब आलिया की नजर पड़ती है तो वो पूछती है कि ये किसका है और उसे अपना हाथ से उठाकर पैपराजी के आगे रख देती हैं। ऐसे में कैमरामैन उनसे कहते छोड़ दीजिए बाद में पहन लेंगे। वहीं, आलिया का ये वीडियो देख फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। एक्ट्रेस का ये वीडियो मिनटों सैकेंडों में सोशल मीडिया पर आग की तरह वायरल हो गया।

चाबी के दो हिस्सों की तलाश में जुटे टाम क्रूज

- बेहतरीन एक्शन मूवी की टीआरपी

मुंबई (ईएमएस)। सिनेमाघरों में रिलीज हुई हॉलीवुड एक्शन सुपरस्टार टॉम क्रूज स्टारर मिशन इंपॉसिबल डेड रेकौनिंग पार्ट वन एथन हंट (टॉम क्रूज) के नए इंपॉसिबल मिशन के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें दिखाया गया है कि इस बार एथन को एआई के खिलाफ लड़ना है और नए डिजिटल हथियार से निपटने के लिए एथन का साथ देने के लिए उसके दोस्त लूथर स्टिकेल (विंग रेम्स) और बेनजी डन (साइमन पेग) भी साथ हैं। एथन को चाभी के दो हिस्सों की तलाश है, क्योंकि अगर एथन को यह चाभी मिल गई, तब वह इस मिशन में सफल होगा। एथन उसी चाभी की तलाश कर रहा है। जहां तक डायरेक्शन की बात हैं, तब मामले में मैकक्वेरी का काम सही नजर आता है। हालांकि फिल्म का स्क्रीनप्ले स्लो है, लेकिन लाजवाब सिनेमेटोग्राफी और बैकग्राउंड म्यूजिक सभी कमियों पर पर्दा डाल देती है। फिल्म की लंबाई ज्यादा है, लेकिन इसका फर्स्ट पार्ट सेकंड पार्ट की अपेक्षा ज्यादा बढ़िया है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस, खासतौर पर ट्रेन वाला सीक्वेंस रोमांचित करती हैं। खासकर ट्रेन वाले सीक्वेंस को काफी खूबसूरती से फिल्माया भी गया है। फिल्म में खतरनाक और डेयरडेविल एक्शन सीक्वेंस के अलावा कॉमेडी भी देखने को मिलती है। फिल्म के कई सीन खूब हंसाते हैं, खासतौर पर कार चेज वाला एक्शन सीक्वेंस। मिशन इंपॉसिबल सीरीज की अभी तक बनी सभी फिल्मों से यह फिल्म बिल्कुल अलग है। 61 वर्षीय टॉम क्रूज ने फिल्म में शानदार काम किया है। लगता ही नहीं कि उनके काम के आगे उनकी उम्र के आंकड़े कोई मायने नहीं रखते हैं। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस में तब टाम ने जान फूंक दी है। हेले एटलेट ने का काम भी उम्दा है, जबकि एक्शन करते हुए हेले भी काफी अच्छी लग रही हैं। इनके अलावा फिल्म में रेबेका फर्ग्यूसन, साइमन पेग, विंग रेम्स, फ्रेडरिक श्मिट, मारिएला गैरिगा, वैनेसा किर्बी और ग्रेग टार्जन डेविस ने अच्छा काम किया है।

अधूरा को मिला खूब सारा प्यार और सरहाना

हाल ही में प्राइम वीडियो और एम्मे एंटरटेनमेंट ने अपनी पहली हिंदी हॉरर सीरीज अधूरा लॉन्च की है। इस सीरीज के लॉच होते ही क्रिटिक्स और मीडिया रिव्यूअर्स ने इसकी सस्पेंसफुल मिस्ट्री, दिलचस्प स्क्रीनप्ले की सराहना की। अब, दर्शक भी अपने सोशल मीडिया पेज पर विभिन्न किरदारों और स्थितियों के जरिए बुलिइंग और होमोफोबिया को छूने के लिए बहुत सारा प्यार और सराहना साझा कर रहे हैं। बुलिइंग के पहलुओं और युवा दिमागों पर इसके प्रभाव को उजागर करने और होमोफोबिया को संबोधित करने के लिए अधूरा ने दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाया है। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सीरीज को लेकर दर्शक काफी बातें कर रहें है। अधूरा के लिए यह यूनिवर्सल प्यार और एक्सेप्टेंस दशार्ता है कि अच्छे कंटेंट को हमेशा दर्शक मिलते हैं। 7-एपिसोड की यह सीरीज अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। गौरव के चावला और अनन्या बनर्जी द्वारा निर्देशित और लिखित, अधूरा में रसिका दुग्गल, इश्वाक सिंह, श्रेनिक अरोड़ा, पूजन छाबड़ा, राहुल देव, रिजुल रे, जोआ मोरानी, साहिल सलाथिया, अरु कृष्णश वर्मा और जामिनी पाठक हैं।

शाहरुख खान नए लुक ने मचाया तहलका

इन दिनों अभिनेता शाहरुख खान अपनी फिल्म जवान को लेकर फैंस के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। इस फिल्म का कुछ दिनों पहले प्रीव्यू रिलीज किया गया जो लोगों को बहुत ज्यादा पसंद आया। इस फिल्म प्रीव्यू को 24 घंटे में 100 मिलियन से ज्यादा लोगों ने देख डाला। अब हाल ही में शाहरुख खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अपनी फिल्म जवान का नया पोस्टर शेयर कर फैंस को सरप्राइज दिया है। शाहरुख का नया पोस्टर देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए हैं और उनसे फिल्म को लेकर इंतजार नहीं हो रहा है। जवान का नए पोस्टर की बात करें तो इस पोस्टर में आप देख सकते हैं कि शाहरुख खान बाल्ड लुक में नजर आ रहे हैं। शाहरुख खान ने अपने हाथ में बंदूक पकड़ी हुई है और काफी खतरनाक लुक में दिखाई दे रहे हैं। शाहरुख खान ने अपनी फिल्म जवान के पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, जब मैं विलेन बनता हूं ना तो मेरे सामने कोई हीरो नहीं टिक सकता।

साउथ सनसनी श्रीलीला ने श्रीवल्ली रशमिका को किया रिप्लेस

मुंबई (ईएमएस)। साउथ सिनेमा में इनदिनों स्टारडम का पावर गेम देखने को मिल रहा है। जहां इंडस्ट्री से अद्भुत फिल्में आ रही हैं, वहीं इंडस्ट्री में स्टार का स्तर अपने पीक पर है। इसी लीग में अभिनेत्री श्रीलीला भी शामिल होती दिख रही हैं, जो कई निर्देशकों की नई पसंदीदा बनकर उभर रही हैं। पूजा हेगड़े को टेकओवर करने के बाद, श्रीलीला अब सभी का दिल जीत रही हैं और रश्मिका मंदाना की जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलीला वेंकी कुदुमुला की अगली फिल्म में रश्मिका मंदाना को रिप्लेस किया है। रश्मिका को रिप्लेस करने से पहले, श्रीलीला ने गुंटूर करम में पूजा हेगड़े को रिप्लेस कर चुकी हैं। पूजा, जो त्रिविक्रम के साथ बहुत मजबूत बॉन्ड साझा करती थीं, उन्होंने प्रशंसकों को तब चौंका दिया जब उन्होंने उनकी फिल्म छोड़ दी। हालाँकि, पूजा की जगह लेने के लिए श्रीलीला सही विकल्प बन गईं। वेंकी और रश्मिका के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेंकी जो रश्मिका को अपना लकी चार्म मानते हैं, उनका ध्यान श्रीलीला की ओर जाता दिख रहा है। रिपोर्ट्स है कि श्रीलीला, रश्मिका की जगह ले सकती हैं। खैर, कई शानदार प्रदर्शनों के बाद, वह वास्तव में स्टारडम के लिए अपना मार्ग प्रशस्त कर रही है। यह अभिनेत्री दक्षिण में एक सितारे की तरह उभर रही है। खैर, अगर वेंकी ने अपनी लकी चार्म रश्मिका को उसके साथ बदलने का फैसला किया, तब हम केवल कल्पना कर सकते हैं कि वह श्रीलीला से कितना प्रभावित हो सकते हैं। ऐसा कहने के बाद, श्री इंडस्ट्री की पसंदीदा बनती जा रही हैं क्योंकि इस समय उनकी झोली में सात फिल्में हैं। 2023-2024 के बीच, श्रीलीला आदिकेशव, स्कंद, भगवंत केसरी, नितिन 32, गुंटूर करम, वीडी12 और उस्ताद भगत सिंह में अभिनय करेंगी।

आदित्य-अनन्या के प्यार की चर्चा

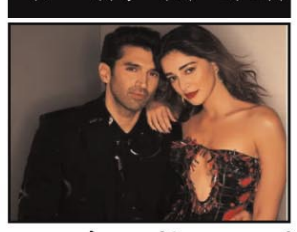

अक्सर सोशल मीडिया पर कई बॉलीवुड सेलिब्रटीज के प्यार के किस्से चर्चा में रहते हैं। जब भी किसी जोड़ी को साथ और उनके अफेयर की अफवाहें उड़ने लगती हैं। ऐसा ही कुछ इन दिनों बॉलीवुड गलियारों में अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री अनन्या पांडे के अफेयर की अफवाहें सुनने को मिल रही हैं। अभी तक स्टार्स अपने रिलेशनशिप की पुष्टि तो नहीं की है, लेकिन हाल ही में दोनों को एक साथ देखने के बाद दोनों के अफेयर की खबरें फैलने ली। दरअसल, हाल ही में अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर स्पेन में एक साथ रोमांटिक पल बिताते नजर आए, जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल होते ही चर्चा का विषय बन गईं।

राहुल रॉय ने बताया, कैसे सलमान खान ने की थी एक्टर की मदद

फिल्म आशिकी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले अभिनेता राहुल रॉय को अपने जीवन में कई संघर्षों का सामना करना पड़ा। एक्टर राहुल रॉय ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने सलमान खान का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने खुलासा किया कि जब 2020 में उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ था तो सलमान ने उनके अस्पताल का बिल चुकाया था। सिर्फ राहुल रॉय ही नहीं उनकी बहन भी सलमान खान को "हीरा" कहती हैं। ब्रेन स्ट्रोक के कारण अभिनेता को डेढ़ महीने तक अस्पताल में रहना पड़ा था। इससे उबरने में उन्हें काफी समय लगा। अब एक हालिया इंटरव्यू में राहुल रॉय और उनकी बहन प्रियंका रॉय ने सलमान को लेकर बड़ी बात कही है। 2020 में एक्टर राहुल रॉय को फिल्म के सेट पर ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। उस वक्त वह कारगिल में "एलएसी : लिव द बैटल" की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद उन्हें तुरंत वॉकहार्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया। उस वक्त उनके दिल और दिमाग की एंजियोग्राफी की गई थी। इसके बाद उन्हें मुंबई के नानावती अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। राहुल की जिंदगी की इस घटना को याद करते हुए उनकी बहन प्रियंका रॉय ने कहा, "मैं सलमान खान को धन्यवाद देना चाहती हूं। क्योंकि जो भी बिल बकाया था, वह सलमान ने चुकाया। फिल्म के निमार्ताओं ने कुछ पैसे भी दिए, लेकिन उससे भी बिल का भुगतान नहीं हुआ। उस समय सलमान खान ने राहुल रॉय को फोन किया और पूछा कि क्या वह उनकी किसी भी तरह से मदद कर सकते हैं और उन्होंने वास्तव में मदद की। वह बहुत अच्छे इंसान हैं। वह हमारे लिए हीरा है!" अभिनेता राहुल रॉय कई वर्षों के अंतराल के बाद मनोरंजन जगत में लौटे। हालांकि, फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ। इसके बाद वह पूरे समय बिस्तर पर ही पड़े रहे। फिल्म की शूटिंग पूरी नहीं होने के बावजूद निमार्ताओं ने उन्हें पूरा भुगतान करने की पेशकश की। इस बीमारी के कारण अभिनेता पर आर्थिक संकट आ गया।

सूडोकु नवताल- 6493

★★★✯☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6492 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्दजाल - 7240

अ	ज	खी	रे	दा	र	रि	सि	या	र	ट
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ह	ली
गि	स	शे	ज	ग	न्ना	थ	ता	गा	क	क
री	ज	र	दो	पु	ज	न	म	न	त	ज
क	ग	ग	भा	लू	लं	ग	म	ग	व	न
जी	द	ल	जा	य	ज	पू	ना	हि	र	नी
ती	गु	म	ड़ी	हि	प	र	श	र	र	ल
क	रु	ल्जा	ई	धा	र	क	ज	ल	न	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क
ज	ग	त	प	व	ज	ग	दा	चा	र्य	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	ज	ग	ख्या	त	थ

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जो 'ज' से शुरु होते हों. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

जखीरेदार, जगख्यात, जगदाचार्य, जगत, जगदगुरु, जगजाहिर, जननी, जगन्नाथ, जलन, जगमगाहट

शब्दजाल - 7239 का हल

श	रा	रो	ज	गा	र	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	का	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	का	म	गा	र	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	अं	गा	र
व	रा	द	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	द	प	ह	ला	उ	ड़	न	आ
श्रं	ट	बु	अं	गा	म	ट	ह	द	ह	गा
गा	जी	वा	ला	र	र	सौ	न	ट	गा	र
र	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	र
र	ल	भं	गा	र	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बे	गा	र	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6193

	2		6		7	3
2	26	4	40	7	38	4
	2		3	5	1	
	34	3	37	6	30	
	1		4		5	
3	33	2	24	1	27	6
	6		4		3	

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6192 का हल

4	3	7	1	6	2	5
3	29	6	37	2	31	1
1	2	3	7	5	6	4
5	30	1	30	4	31	6
7	6	5	4	1	3	2
2	33	4	31	3	30	7
6	1	2	5	7	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

जोकोविच और अलकारेज के बीच होगा विम्बलडन फाइनल : विमेंस सिंगल्स में भिड़ेंगी जेबुर-वोंद्रोसोवा ; रोहन बोपन्ना पर विम्बलडन ने किया ट्वीट

लंदन।

विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। मेंस सिंगल्स में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अलकरेज का खिताबी मुकाबले में सात बार के चैम्पियन नोवाक जोकोविच से सामना होगा। यूएस ओपन विजेता अलकरेज ने सेमीफाइनल में डेनियल मेदवेदेव को सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। वहीं, डिफेंडिंग चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने 8वीं वरीयता प्राप्त जानिक सिनर को 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। नोवाक जोकोविच 35वीं बार ग्रैंड स्लेम फाइनल में पहुंचे।

जोकोविच फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में अलकारेज को हरा चुके - जोकोविच ने जून में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में अल्कारेज को हराया था। अलकारेज ने सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद कहा, मुझे विश्वास है कि मैं जोकोविच को हरा सकता हूं। हर कोई जानता है कि जोकोविच लीजेंड हैं। मुझे खुद पर विश्वास होगा। अब डरने का समय नहीं है, थकने का समय नहीं है।

बोपन्ना के लिए विम्बलडन ने किया ट्वीट - विंबलडन में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय 43 वर्षीय बोपन्ना सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में ओपन एरा के सबसे उम्रदराज ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनने से चूक गए। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और एबडेन की इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को टॉप सीड वेस्ले कूलहोफ और नील स्कुपस्की की डच-ब्रिटिश जोड़ी ने 7-5, 6-4 से हराया। विम्बलडन ने अपने ट्विटर अकाउंट पर बोपन्ना के लिए ट्वीट भी किया, जिसमें लिखा थैंक यू रोहन

विमेंस सिंगल्स में भिड़ेंगी जेबुर - वोंद्रोसोवा - दूसरी ओर विमेंस सिंगल्स की फाइनलिस्ट भी डिसाइड हो गई हैं। ट्यूनीशिया की ओन्स जेबुर ने एक सेट और 4-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराया और लगातार दूसरी बार विंबलडन फाइनल में पहुंचीं। चेक रिपब्लिक की मार्केटा वोंद्रोसोवा विंबलडन विमेंस फाइनल में पहुंचने वाली 60 साल में पहली गैरवरीय खिलाड़ी बन गईं, यानी वोंद्रोसोवा की कोई प्रोफेशनल रैंकिंग नहीं हैं।

8 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचे थे बोपन्ना - बोपन्ना अपने जोड़ीदार ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एब्डेन के साथ टालोन ग्रिक्सपुर और स्टीवंस को 6-7 (6-3), 7-5, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने पिछली बार 2015 में टॉप-4 तक का सफर तय किया था। बोपन्ना 2010 में यूएस ओपन (रनरअप) सहित मेंस डबल्स कैटेगरी में चार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना चुके हैं।

बोपन्ना इस साल की शुरुआत में सानिया मिर्जा के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे और मेंस डबल्स में एबडेन के साथ दो एटीपी खिताब जीते थे। कुल मिलाकर, 2010 में यूएस ओपन के रनरअप बोपन्ना ने मेंस डबल्स में चार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

न्यूज़ ब्रीफ

तूर ने गोलाफेंक में फिर जीता सोना, लगातार दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले तीसरे एथलीट बने

बैंकाक । भारतीय गोला फेंक एथलीट तेजिंदरपाल सिंह ने शुक्रवार को यहां एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक बरकरार रखते हुए महाद्वीपीय सर्किट में अपना दबदबा कायम रखा। हालांकि दूसरे थ्रो में सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बाद वह लंगड़ाते हुए बाहर आए। एशियाई रिकॉर्डधारी तूर ने दूसरे थ्रो में 20.23 मीटर की दूरी पर गोला फेंका। ईरान के साबेरी मेहदी (19.98 मीटर) ने रजत पदक और कजाखस्तान के इवान इवानोव (19.87 मीटर) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत के खाते में अब तक नौ पदक हो गए हैं, जिनमें पांच स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक हैं। 2019 में भारत ने 16 पदक जीते थे। 28 साल के तूर तीसरे गोला फेंक एथलीट हैं जिन्होंने एशियाई चैंपियनशिप खिताब कायम रखा है। कतर के बिलाल साद मुबारक ने 1995 और 1998 तथा 2002 और 2003 में दो बार लगातार स्वर्ण पदक जीतकर यह उपलब्धि दो बार अपने नाम की है। कुवैत के मोहम्मद घारिब अल जिंकावी ने लगातार तीन बार 1979, 1981 और 1983 में पहला स्थान हासिल किया था। तूर ने पिछले महीने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियपशिप में 21.77 मीटर के नए एशियाई रिकॉर्ड थ्रो से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई किया था। अभी तूर की चोट की गंभीरता का पता नहीं चल सका है लेकिन यह उनके लिए चिंता का विषय हो सकती है क्योंकि एक महीने बाद बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप (17 से 27 अगस्त) शुरु हो रही है। तूर 'ग्रोइन' (पेट के निचले हिस्से) की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 2022 विश्व चैंपियनशिप में नहीं खेल पाए थे और यह चोट उन्हें टूर्नामेंट से पहले ही लगी थी जिसके कारण वह बर्मिंघम में राष्टमंडल खेलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। टोक्यो ओलंपिक के तुरंत बाद तूर ने अपनी 'थ्रो' करने वाले बायीं बाजू की कलाई की सर्जरी भी कराई थी। उन्होंने शुक्रवार को बायीं कलाई में पट्टी बांधकर हिस्सा लिया था।

विलियमसन को विश्वकप तक फिट होने का भरोसा

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान केन विलियमसन अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप से पहले फिट होने के लिए आजकल अभ्यास में लगे हुए हैं। विलियमसन आईपीएल के

दौरान चोटिल हो गये थे। उन्हें भरोसा है कि भारत में इस साल के अंत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप से पहले वह फिट हो जाएंगे। विलियमसन को 31 मार्च को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस के पहले मैच में पैर में चोट लगी थी। उन्होंने कहा, 'मैं सप्ताह दर सप्ताह अपनी स्थिति पर नजर बनाये हुए हूं। मुझे इस तरह की चोट पहले कभी नहीं लगी थी पर जिन लोगों को लगी है, उनसे बात करके पता चला है कि सफर लंबा होगा। मैं बहुत आगे की नहीं सोच रहा। उन्होंने कहा, 'मैं सप्ताह दर सप्ताह चोट की समीक्षा कर रहा हूं और जिम में अभ्यास में लगा हूं।

अनुकूलन विशेषज्ञ पैडी का लाभ टीम के लिए फायदेमंद रहेगा : कोच

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के अनुसार अनुकूलन विशेषज्ञ पैडी उपटन का साथ मिलने से उनके खिलाड़ियों को काफी लाभ होगा। कोच के अनुसार पैडी के आने से टीम को आगामी एशियाई चैम्पियंस ट्राफी और हांगझोऊ एशियाई खेलों के लिए मानसिक दबाव से

निपटने में सहायता मिलेगी। पैडी उन्हें बताएंगे कि दबाव के बीच किस प्रकार अपने पर नियंत्रण रखकर मैच में वापसी की जा सकती है। हॉकी इंडिया ने हाल में पैडी से अनुबंध किया है। फुल्टन ने कहा, ''खेल में जो खिलाड़ी मानसिक रूप से मजबूत होते हैं, वे अधिक आत्मविश्वासी होने के कारण निरंतर आगे बने रहते हैं और उन्हें अधिक सफलता मिलती है। उन्होंने कहा, ''अगर आप लगातार विरोधी टीम की तुलना में सही चीजें करते हो तो आपको परिणाम सकारात्मक मिलते हैं। इसलिए ही अनुकूलन विशेषज्ञ को टीम से जोड़ा गया है। गौरतलब है कि भारतीय टीम तीन अगस्त से चेन्नई में शुरू होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्राफी में खेलेगी जिसके बाद उसे हांगझोऊ एशियाई खेल में हिस्सा लेगी। इससे भारतीय टीम के पास 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने का अवसर है।

वेस्टइंडीज-इंडिया टेस्ट में 9 रिकॉर्ड बने

अश्विन ने 3 तोड़े, 2 की बराबरी की ; विराट 88 वीं बार 50+ स्कोर कर द्रविड़ से आगे निकले

नई दिल्ली ।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट तीसरे दिन ही खत्म हो गया। लेकिन मैच में कुल 9 रिकॉर्ड बने। विराट, अश्विन और यशस्वी के नाम 7 रिकॉर्ड रहे। दो रिकॉर्ड टीम इंडिया ने बनाए। यशस्वी जायसवाल 171 रन बनाकर आउट हुए, डेब्यू पर भारत के लिए यह तीसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा। रविचंद्रन अश्विन ने 8वीं बार टेस्ट मैच में 10 से ज्यादा विकेट लिए। अश्विन ने दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले की बराबरी की। टीम इंडिया ने विदेश में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

जायसवाल ने 171 रन बनाए, डेब्यू टेस्ट में भारत से तीसरा टॉप स्कोर - यशस्वी जायसवाल डेब्यू टेस्ट में 171 रन बनाकर आउट हुए। वह पहले ही टेस्ट में भारत के लिए सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने गुंडप्पा विश्वनाथ को पीछे छोड़ा। विश्वनाथ ने साल 1969 में 137 रन बनाए थे। डेब्यू टेस्ट में यशस्वी से ज्यादा बड़ी पारी शिखर धवन (187) और रोहित शर्मा (177) ही खेल सके हैं।

विराट ने एशिया के बाहर 88वीं बार 50+ स्कोर बनाया, द्रविड़ से आगे निकले - भारत से पहली पारी में विराट कोहली 76 रन बनाकर आउट हुए। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उनके 206 फिफ्टी प्लस स्कोर हो गए, इनमें 75 सेंचुरी शामिल हैं। विराट ने एशिया महाद्वीप के बाहर 88वीं बार 50 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया। इस मामले में उन्होंने टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ा। उनके नाम 87 फिफ्टी प्लस स्कोर हैं। 96 फिफ्टी प्लस स्कोर के साथ सचिन तेंदुलकर इस रिकॉर्ड के टॉप पर हैं।

अश्विन ने 5 रिकॉर्ड्स बनाए; 3 तोड़े, 2 की बराबरी की

पहला: अश्विन के 709 विकेट, भारत से दूसरे टॉप विकेट-टेकर बने - अश्विन ने दूसरी पारी में 71 रन देकर 7 विकेट लिए। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उनके 709 विकेट हो गए। उन्होंने हरभजन के 707 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उनसे आगे अब सिर्फ अनिल कुंबले हैं। कुंबले के नाम 953 विकेट हैं।

दूसरा: अश्विन ने 8वीं बार 10 प्लस विकेट लिए, कुंबले की बराबरी की - रविचंद्रन अश्विन ने दूसरी पारी में 7 विकेट लिए, उन्होंने पहली पारी में भी 5 विकेट लिए थे। वह वेस्टइंडीज में 12 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने। उनके नाम टेस्ट मैच में 8 बार 10 या उससे ज्यादा विकेट हो गए। भारत से सबसे ज्यादा 10 प्लस विकेट लेने के रिकॉर्ड में उन्होंने अनिल कुंबले की बराबरी की। कुंबले ने भी 8 बार मैच में 10 प्लस विकेट लिए हैं।

तीसरा: अश्विन ने छठी बार दोनों पारियों में 5-विकेट लिए - अश्विन ने दोनों पारियों में 5 प्लस विकेट लिए। उन्होंने छठी बार ये कारनामा किया। भारतीय खिलाड़ियों में तो वह टॉप पर ही हैं, ओवरऑल खिलाड़ियों में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने इंग्लैंड के सिडनी बार्न्स के रिकॉर्ड की बराबरी की। अश्विन से आगे अब सिर्फ हेराथ और मुरलीधरन हैं। हेराथ ने 8 और मुरलीधरन ने 11 बार दोनों पारियों में 5 प्लस विकेट लिए हैं।

चौथा: वेस्टइंडीज में सबसे ज्यादा 5-विकेट लेने वाले भारतीय - अश्विन ने वेस्टइंडीज में किसी भी स्पिनर द्वारा बेस्ट परफॉर्मेंस किया। उन्होंने सईद अजमल के 11 विकेट लेने का रिकॉर्ड तोड़ा। अश्विन ने वेस्टइंडीज में चौथी बार 5 प्लस विकेट लिए। वेस्टइंडीज में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों में अश्विन टॉप पर पहुंच गए। उन्होंने हरभजन और कुंबले के रिकॉर्ड को तोड़ा। दोनों ने 3 बार वेस्टइंडीज में 5 प्लस विकेट लिए थे।

पांचवां: अश्विन ने 34वीं बार 5 विकेट लिए, हेराथ की बराबरी की - रविचंद्रन अश्विन ने दूसरी पारी में 7 विकेट लिए, इसके साथ ही टेस्ट में उनके नाम 34 बार 5 प्लस विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया। उन्होंने श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर रंगना हेराथ की बराबरी की। भारतीयों में उनसे आगे अनिल कुंबले हैं, कुंबले के नाम 35 बार 5-विकेट लेने का रिकॉर्ड हैं। ओवरऑल रिकॉर्ड में अश्विन पांचवें नंबर पर हैं। श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 67 बार 5-विकेट लेने के साथ पहले नंबर पर हैं।

अब बात टीम रिकॉर्ड की...

एशिया के बाहर टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत: टीम इंडिया ने एशिया के बाहर अपनी सबसे बड़ी जीत हासिल की। टीम ने वेस्टइंडीज को पारी और 141 रन से हराया। इससे पहले टीम ने 2016 में वेस्टइंडीज को ही पारी और 92 रन से हराया था। इंग्लैंड में भारत की सबसे बड़ी जीत 2002 में आई, तब भारत ने पारी और 46 रन से जीत दर्ज कर की थी।

लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में पहुंचे, भारत के ही शंकर को हराया; सिंधु क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर

वॉशिंगटन ।

भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने यूएस ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। हाल ही में कनाडा ओपन जीतने वाले सेन ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हमवतन शंकर मुथुसामी को दो सीधे गेमों में 21-10, 21-17 से हराया। इस एकतरफा जीत के साथ वह सेमीफाइनल में पहुंच गए। सेन ने अपना सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वह शुरुआत से ही शानदार लय में थे और उन्होंने पहला सेट आसानी से जीत लिया। शंकर ने दूसरे सेट में शंकर ने कुछ संघर्ष दिखाया, लेकिन फिर भी वह राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन को सेमीफाइनल में जगह बनाने से नहीं रोक पाए। सेमीफाइनल में सेन का मुकाबला दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी ली शी फेंग से होगा।

पिछला मैच भी सीधे गेम में जीते थे लक्ष्य

लक्ष्य सेन ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में चेक गणराज्य के खिलाड़ी के खिलाफ पहले गेम में अपना दबदबा कायम किया। उन्होंने 6-1 की बढ़त लेने के बाद इसे बढ़ाकर 17-5 कर लिया। इसके बाद उन्हें इस गेम को जीतने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। सेन को हालांकि दूसरे गेम में 39 साल के खिलाड़ी ने कड़ी चुनौती दी जेन ने 8-5 की बढ़त लेकर सेन को चौंका दिया। उन्होंने अपनी बढ़त को 19-14 किया लेकिन सेन ने इसके बाद शानदार वापसी की। इस भारतीय खिलाड़ी ने स्कोर को 19-19 बराबर करने के बाद कुछ शानदार बचाव किये और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सिंधु का सफर खत्म

महिला वर्ग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने इस सीजन में अपना खराब फॉर्म जारी रखा और क्वार्टर में गाओ फांग जी से हार गईं। सिंधु, जो हाल ही में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) रैंकिंग में 15वें नंबर पर खिसक गई थीं, यह मैच 22-20, 21-13 से हार गईं। विश्व की 36वें नंबर के खिलाड़ी को पहले गेम में जीत के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन उन्होंने दूसरा गेम आसानी से जीत लिया।

एमबीबीएस छोड़ शूटिंग में बनाया करियर, अभ्यास के लिए जा रहीं पेरिस

नई दिल्ली ।

हांगझोऊ एशियाई खेलों की टीम में चयनित पंजाब की निशानेबाज सिफ्त कौर समरा ने एमबीबीएस पर देश के लिए पदक जीतने को वरीयता दे डाली। 2021 में फरीदकोट के मेडिकल कॉलेज में नीट के जरिए एमबीबीएस में दाखिला लेने वाली सिफ्त के सामने इस साल ऐसा समय आया जब उन्हें एमबीबीएस और शूटिंग में से एक को चुनना था। इस वर्ष भोपाल विश्वकप में 50 मीटर थ्री पोजीशन में पदक जीतने वाली 21 वर्षीय सिफ्त ने शूटिंग को चुना और डॉक्टरी को छोड़कर गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में फिजिकल एजुकेशन में दाखिला ले लिया। सिफ्त कहती हैं कि डॉक्टरी की पढ़ाई और शूटिंग एक साथ नहीं चल सकती थी। उन्हें दोनों में से एक को चुनना था। उन्होंने और उनके माता-पिता ने शूटिंग को चुना।

पहले शूटिंग के लिए छोड़ी थीं परीक्षाएं

पेरिस ओलंपिक की रेंज से अभ्यस्त होने के लिए भारतीय शूटिंग टीम के साथ पेरिस जा रहीं सिफ्त बताती हैं कि शूटिंग के चलते 80 प्रतिशत उपस्थिति पूरी नहीं होने के चलते वह एमबीबीएस की परीक्षाएं नहीं दे पाई थीं। उस दौरान भी उनके सामने बड़ा धर्मसंकट था कि परीक्षाएं चुनें या शूटिंग, उन्होंने तब भी शूटिंग को चुना। अब उन्हें एमबीबीएस जारी रखने के लिए फिर से प्रथम वर्ष की पढ़ाई करनी थीं, लेकिन भोपाल विश्वकप में पदक जीतने के दौरान जब वह पोडियम पर चढ़ीं और देश का झंडा ऊपर गया तो उनका सिर गर्व से ऊंचा हो गया। उनके पिता पवनदीप सिंह और उन्होंने उसके बाद एमबीबीएस छोड़ने का फैसला ले लिया।

पांच साल पहले शुरू की शूटिंग

सिफ्त ने पांच साल पहले ही शूटिंग शुरू की है। बीते वर्ष उन्होंने जूनियर विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और कांस्य जीता। इसके बाद उन्होंने सीनियर टीम में जगह बनाई और अब वह एशियाड की टीम में शामिल हैं। सिफ्त कहती है कि वह इसी माह चीन में होने वाले विश्व यूनिवर्सियाड में भी खेलने जा रही हैं, जहां उन्हें मल्टी स्पोर्ट्स खेल आयोजन का अनुभव मिलेगा। खासतौर पर खाने के बारे में पता लग जाएगा, जिसका लाभ उन्हें एशियाई खेलों में मिलेगा।

भाई ने शूटिंग को छोड़ डॉक्टरी को अपनाया

सिफ्त के पिता तो किसान हैं, लेकिन उनका परिवार डॉक्टरों का परिवार है। उनके चार से पांच चचेरे भाई-बहन डॉक्टर हैं। उनका छोटा भाई भी निशानेबाज है और स्कूल नेशनल में पदक जीत चुका है।

5 बॉल, 2 रन की जरूरत...अफगानी बॉलर ने ली हैट्रिक : अगली गेंद पर चौका लगाकर 2 विकेट से जीता बांग्लादेश

नई दिल्ली ।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को दो मैच की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में दो विकेट से हरा दिया। अफगानिस्तान के मीडियम पेसर करीम जनत ने आखिरी ओवर में हैट्रिक ली लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। बांग्लादेश के लिए अहम पारी खेलने वाले तौहीद हृदॉय को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सिलहट अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए मैच में बांग्लादेश के कप्तान शाकिब-अल-हसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी करते हुए मेहमान टीम ने सात विकेट खोकर 154 रन बनाए और बांग्लादेश को 155 रन का टारगेट दिया। इस लक्ष्य को बांग्लादेश ने आठ विकेट खोकर आखिरी ओवर की 5वीं गेंद पर हासिल कर लिया। दोनों टीमों के बीच सीरीज का आखिरी मैच 16 जुलाई को खेला जाएगा।

मोहम्मद नबी 54 रन बनाकर नाबाद रहे

पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद ही खराब रही। अफगानिस्तान के पहले 4 विकेट महज 52 रनों पर गिर गए। हजरतुल्लाह जजाई और इब्राहिम जादरान 8-8 रनों पर पवेलियन लौटे तो रहमनुल्लाह गुरबाज केवल 16 रन बना पाए। मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने आए अनुभवी बल्लेबाज मोहम्मद नबी 54 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। उनके अलावा नजीबुल्लाह ने 23 और अजमतुल्लाह ने 33 रनों की अहम पारी खेली।

कप्तान शाकिब ने सबसे ज्यादा 2 विकेट झटके

बांग्लादेश की तरफ से कप्तान शाकिब ने सबसे ज्यादा 2 विकेट झटके। उनके अलावा नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान और मेहदी हसन मिराज को एक-एक विकेट मिला।

हृदॉय ने नाबाद 47 रनों की पारी खेली

155 रनों के टारगेट के जवाब में मेजबान टीम बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज लिटन दास 18, रोनी तुलकदर 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। टीम के लिए तौहीद हृदॉय ने सबसे बड़ी पारी खेली। उन्होंने एक छोर पर खड़े रहकर नाबाद 47 रनों की बेहतरीन पारी खेली। उनका साथ शमीम होसैन ने दिया जिन्होंने 33 रन बनाए। शाकिब ने 19 और नजमुल हुसैन शान्तो ने 14 रनों का योगदान दिया।

आखिरी ओवर का रोमांच...करीम की हैट्रिक

मैच का आखिरी ओवर काफी रोमांचक रहा। आखिरी ओवर में बांग्लादेश को 6 रनों की जरूरत थी।

एशियाड के लिए भारतीय क्रिकेट टीम घोषित

मेंस टीम में आईपीएल स्टार्स को मौका, विमेंस टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी

मुंबई।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम ने स्कॉड जारी कर दिया है। मेंस टीम में कई आईपीएल स्टार्स को मौका मिला है। ऋतुराज गायकवाड को कप्तानी सौंपी गई। वहीं, विमेंस टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। एशियाड चीन के हांगझोऊ शहर में 23 सितम्बर से 8 अक्टूबर तक होगा। 2014 के बाद फिर से एशियन गेम्स-2022 में क्रिकेट को शामिल किया गया है। गेम्स में मेंस और विमेंस के टी-20 मुकाबले होंगे।

मेंस टीम में तिलक वर्मा और रिंकू सिंह को मौका - एशियाड की मेंस टीम में रिंकू सिंह और तिलक वर्मा को भी मौका मिला है। इसके अलावा पंजाब किंग्स के खिलाड़ी प्रभसिमरन सिंह और जितेश शर्मा को बतौर विकेटकीपर शामिल किया गया। रिंकू सिंह को वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 टी-20 मैच की सीरीज में मौका नहीं मिला था, लेकिन अब एशियाड में रिंकू भारत के प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके अलावा फास्ट बॉलर्स बॉलिंग में आवेश खान, अर्शदीप सिंह, शिवम मावी और मुकेश कुमार स्क्वाड में शामिल है। वहीं, यश ठाकुर, साई किशोर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा और साई सुदर्शन स्टैंडबाय प्लेयर्स रहेंगे।

एशियाड के लिए मेंस क्रिकेट स्कॉड - ऋतुराज गायकवाड (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे और प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

स्टैंडबाय: यश ठाकुर, साई किशोर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा, साई सुदर्शन।

विमेंस टीम में स्मृति मंधाना उप कप्तान - बीसीसीआई एशियन गेम्स में अपनी सीनियर टीम ही भेज रहा है। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं, स्मृति मंधाना उप कप्तान रहेंगी। विकेटकीपर में ऋचा घोष के साथ असम की उमा छेत्री को भी मौका मिला है। शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसी बड़े प्लेयर्स भी टीम का हिस्सा होंगी। हरलीन देओल और पूजा वस्त्राकर को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

एशियाड के लिए विमेंस क्रिकेट स्कॉड: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, देविका वैद्य, अंजलि सरवानी, तितास साधु, राजेश्वरी गायकवाड़, मिन्नू मणि, कनिका आहूजा, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुषा बरेड्डी।

स्टैंडबाय: हरलीन देयोल, काशवी गौतम, स्नेह राणा, सैका इशाक, पूजा वस्त्राकर।

एशियाड में तीसरी बार क्रिकेट - 2010 ग्वांगझू, चीन और 2014 इंचियोन, साउथ कोरिया में हुए एशियाड में भी मेंस और विमेंस क्रिकेट के इवेंट हुए थे। 2010 में बांग्लादेश ने मेंस और पाकिस्तान ने विमेंस कैटेगरी में गोल्ड जीता था। वहीं, 2014 में श्रीलंका की पुरुष और पाकिस्तान की महिला टीम चैम्पियन बनी थी। 2010 एशियाड में बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, चीन, हॉन्गकॉन्ग, मलेशिया, नेपाल और मालदीव की मेंस टीमें शामिल हुई थीं। जबकि पाकिस्तान, बांग्लादेश, जापान, चीन, नेपाल, थाईलैंड, हॉन्गकॉन्ग और मलेशिया की टीमों ने महिला इवेंट में हिस्सा लिया था।

2014 में 13 क्रिकेट टीमों ने हिस्सा लिया था - श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हॉन्गकॉन्ग, कुवैत, मलेशिया, नेपाल, दक्षिण कोरिया, चीन और मालदीव की पुरुष टीमों ने 2014 के एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। जबकि पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, चीन, हॉन्गकॉन्ग, जापान, नेपाल, थाईलैंड, मलेशिया और दक्षिण कोरिया की टीमों ने 2014 एशियाड में हिस्सा लिया था।

2018 में क्रिकेट को शामिल नहीं किया गया - एशियन गेम्स हर 4 साल में होते हैं, 2018 के दौरान इसमें क्रिकेट को शामिल नहीं किया गया। 2022 में कोरोना महामारी के कारण एशियन गेम्स पोस्टपोन किए गए, अब 2023 में गेम्स होंगे, इसमें फिर से क्रिकेट को शामिल किया गया है।

सॉफ्ट और टेस्टी ड्रैगन फ्रूट...

ड्रैगन फ्रूट हकीकत में धरती पर पाया जाता है। नाम से भले ही ये फ्रूट डरावना लग रहा हो, लेकिन अंदर से बेहद सॉफ्ट और टेस्टी होता है। इसे पिताया या स्ट्रॉबेरी पीयर के नाम से जाना जाता है। यह एक बेहद खूबसूरत फल होता है। इसके फूल का आकार और रंग सबको हैरान कर देता है। कैक्टस की किस्म वाले पौधों से निकलने वाला फूल तीन हफ्तों में ड्रैगन फ्रूट में बदल जाता है। यह रात को ही बढ़ता है, इसलिए इसके फूल को क्वीन ऑफ द नाइट भी कहते हैं। कैक्टस का पेड़ 40 डिग्री से ज्यादा तापमान वाले इलाकों में भी तेजी से बढ़ता है। ड्रैगन फ्रूट लाल, गुलाबी और पीले रंग का होता है। इसका इस्तेमाल वाइन बनाने में भी किया जाता है। यह मैक्सिको, साउथ अमेरिका, कंबोडिया, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और चीन के अलावा भी कुछ देशों में पाया जाता है। ज्यादातर ड्रैगन फ्रूट गाढ़े लाल रंग का होता है, लेकिन कुछ पीले और गुलाबी रंग के भी पाए जाते हैं। इस फल का छिलका काफी पतला होता है और चारों तरफ से स्केल्स से ढका होता है। इस फल के बीच का हिस्सा लाल या सफेद रंग का होता है, जिसमें काले रंग के बीज होते हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। एक ड्रैगन फ्रूट में करीब 60 कैलोरीज होती है। इसके अलावा विटामिन सी, बी1, बी2, बी3, आयरन, कैल्शियम और फॉस्फोरस भी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इतनी सारी खूबियों की वजह से इसे 'सुपर फ्रूट' भी कहा जाने लगा है। ड्रैगन फ्रूट में काफी कम मात्रा में कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। यही वजह है कि इसे खाने से हार्ट की कोई समस्या पैदा नहीं होती है। अमेरिका में कार्डियोवेसकुलर से जुड़ी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में वहां के लोग ड्रैगन फ्रूट खाकर खुद को हार्ट प्रॉब्लम्स से दूर रख रहे हैं। यह फ्रूट शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में भी मदद करता है। ड्रैगन फ्रूट मोनोसैचुरेटेड फैट्स का सबसे बढ़िया स्रोत है, जिससे हार्ट अच्छी कंडीशन में बना रहता है। इतना ही नहीं ये बॉडी ब्रेक डाउन को भी बहुत जल्दी रिकवर करता है। इसे खाने से वजन और दांत दोनों स्वस्थ रहते हैं।

यहां नहीं डूबता सूरज...

दिन की शुरुआत सूरज उगने से होती है। इससे दिनों को हफ्ते, महीनों और सालों में बांटा जाता है, लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी देश हैं जहां पर कई-कई महीनों या दिनों तक सूरज ही नहीं छिपता। इन देशों में 24 घंटे उजाला ही रहता है। नार्वे के एक इलाके को लैंड ऑफ द मिड नाइट सन कहा जाता है। इस देश में मई से जुलाई तक सूरज ही नहीं छिपता। इसकी खूबसूरती को देखने के लिए लोग दूर-दूर से यहां घूमने आते हैं। स्वीडन में आधी रात तक भी सूरज की रोशनी जैसे की तैसी रहती है। यहां पर मई की शुरुआत से अगस्त के अंत तक देर रात तक सूरज नहीं छिपता। आइसलैंड का नजारा बहुत ही खूबसूरत है। कुदरती रोशनी का मजा आप यहा आधी रात को भी ले सकते है। झरने, ज्वालामुखी,ग्लेशियर यहां के खास एटरेक्शन है। कनाडा में भी बदलते मौसम के चलते 50-50 दिनों तक सूरज ही नहीं डूबता। इस कारण यहां पर आधी रात को भी अंधेरा नहीं होता।

ऐसा सिर्फ चीन में होता है...

चीन दुनिया में बहुत सी ऐसी अजीबो-गरीब चीजें होती हैं,जो कहीं और नहीं होती। चीन के बीजिंग में पॉल्यूशन इतना ज्यादा है कि यहां पर एक दिन सांस लेने का हेल्थ पर उतना ही खराब असर पड़ता है, जितना कि एक पैकेट सिगरेट पीने से होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी ब्रा स्टडीज में डिग्री देती है। यहा पर इनरवेयर बनाने की बारीकियां सीखाई जाती है। चीन की जेलों में इतने कैदी हैं कि मौत की सजा देने के लिए यहां 'मोबाइल एग्जीक्यूशन' गाड़ियां हैं। चीन की आर्मी दुनिया की सबसे बड़ी आर्मी है। चीन की आर्मी सख्त मिलिट्री ट्रेनिंग और एग्रेसिव नेचर के लिए दुनियाभर में चर्चित है। ट्रेनिंग के दौरान नए सोल्जर्स के कॉलर में पिन लगा दी जाती हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि उनकी गर्दन सीधी रहे और वे अनुशासित रहें।चीन के शांक्सी प्रांत के यन्नान में करीब 4 करोड़ लोग आज भी अंडरग्राउंड गुफाओं में रहते हैं, जो कि ऑस्ट्रेलिया की आबादी से भी ज्यादा है। इन गुफाओ को 'फार्मर्स केव्स' या 'याओडोंग्स' भी कहा जाता है। चीन के गुआंग्झी प्रांत के यूलिन शहर में हर साल जून में डॉग मीट फेस्टिवल मनाया जाता है। इस त्योहार में ही 10 हजार से ज्यादा डॉग्स मार दिए जाते हैं। चीन में इंटरनेट और वीडियो गेम के जबरदस्त एडिक्शन के कारण इस पर बैन लगाया गया था। चीन में इस एडिक्शन से बाहर निकालने के लिए कई रिहैब सेंटर्स चलाए जा रहे हैं। यहां बच्चों के फिजिकल एक्टिविटीज की ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि वो गेमिंग की दुनिया से बाहर निकल सकें।

गुस्से पर काबू करेंगे ये फूड्स...

गुस्सा एक ऐसी चीज है जिस पर काबू पाना बड़ा मुश्किल होता है। लोगों को समझ में ही नहीं आता कि गुस्से के समय आखिर क्या किया जाए। डॉक्टरों के अनुसार न्यूट्रिएंट्स, मैग्निशियम, विटामिन सी और बी की कमी के चलते लोगों को ज्यादा गुस्सा आता है। ऐसे में कुछ चीजें हैं जो आपके गुस्से पर काबू पाने में मदद करती हैं। नारियल पानी या कोकोनट मिल्क पीने से तुरंत गुस्से पर काबू पाया जा सकता है। इसके अलावा कच्चा नारियल खाने से भी गुस्सा काफी कम होता है। बादाम दिमाग की नसों पर तेजी से काम करती है। ऐसे में गुस्सा आने पर बादाम खाने से उस पर कुछ ही पल में काबू पाया जा सकता है। जब आप किसी बात पर बहुत गुस्सा हो रहे हों और उस पर काबू पाना चाहें तो तुरंत डार्क चॉकलेट खाने से गुस्सा ठंडा हो जाता है। हरी सब्जियों में बहुत अधिक कैल्शियम और मैग्नेशियम होता है जो कि मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और दिमाग के एंग्जाइटी को भी कम करता है। अगर आपको गुस्सा आता है तो तुरंत कोई हरी सब्जी खाएं वो आपके गुस्से को कम करने में मदद करेगी।

हमारे देश में अफ्रीकी लोगों के खिलाफ हुईं हाल की कुछ घटनाओं को छोड़ दें तो पता चलता है कि अफ्रीकियों को भारत से बहुत लगाव है। यहां घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से खासतौर से पढ़ाई के लिए आने वाले कई लोग यहीं बस जाना चाहते हैं। अफ्रीकियों का भारत से यह लगाव आज से नहीं है, अफ्रीकी मूल के कई लोग सदियों से हमारे यहां रह रहे हैं और वे यहीं के नागरिक भी हैं। सदियों से गुजरात में बसे अफ्रीकियों ने तो पूरी तरह से भारतीय लाइफस्टाइल अपना ली है। इतना ही नहीं उन्हें अब सिर्फ गुजराती भाषा ही आती है। देश में कई जगह उनकी संख्या और बसाहट को देखकर लगता है कि हमारे देश में बसता है मिनी अफ्रीका।

भारत में मिनी अफ्रीका...?

भारत में बसता है मिनी अफ्रीका। दिल्ली में ही इतने अफ्रीकी हैं कि उनके अपने रेस्तरां, सलून और दुकानें खूब चल रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं को छोड़े तो इससे पहले इनको लेकर कोई विवाद नहीं रहा है। भारत में नए अफ्रीकियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। भारत में घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से लोग पढ़ाई, बिजनेस और मेडिकल सुविधाओं के लिए बड़ी संख्या में आ रहे हैं। उनका भारतीयों और यहां की संस्कृति से खासा लगाव रहा है। दिल्ली के कृष्णा नगर, खिड़की एक्सटेंशन, मालवीय नगर, अर्जुन नगर और राजपुर खुर्द में अफ्रीकी नागरिकों की तादाद अच्छी खासी है। सरकारी आकंड़ों की मानें तो साल 2012 में 40 हजार नाइजीरियाई लोगों ने भारतीय वीजा लिया था और तथ्य यह है कि अभी भी 5000 से 6000 नाइजीरियाई दिल्ली में रह रहे हैं। कई ऐसे हैं जो यहीं बस जाना चाहते हैं। यह तो हुई हाल ही में भारत आने वाले अफ्रीकियों की बात। सच तो यह है कि हमारे यहां सदियों से अफ्रीकी लोग रह रहे हैं। भारतीय इतिहास के अबीसीनीयाई लड़ाके और आधुनिक भारत के अफ्रो इंडियन सदियों से भारत में रह रहे हैं। मूल से अफ्रीकी, राष्ट्रीयता से भारतीय और भाषा से कन्नड़, मराठी और गुजराती। इतनी विविधताओं को अपने में समेटे हैं ये सच्चे भारतीय। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि लाखों अफ्रीकी लोगों ने समुद्र पार कर इधर का रुख किया था, अफ्रीकी-भारतीय लोग सिद्दी या शीदि या सिदी कहलाते हैं, गुलाम के रूप में अफ्रीकी लोगों के बारे में तो शायद सबको जानकारी हो लेकिन भारत में रहने वाले अफ्रीकी लोगों के बारे में लोगों को कम ही जानकारी है सो उनकी ही जानकारी निकालने की कोशिश है यह आलेख।

तीनों धर्मों के अफ्रीकी

ये लोग भारत की अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में भी हैं और तीनों धर्मों में बंटे हुए भी हैं। यानी अधिसंख्य लोग मुस्लिम हैं, कुछ रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और बहुत कम लोग हिंदू हैं। सबसे मजेदार बात मुगल साम्राज्य में इनका अपना झंडा और मनसबदारी थी, लेकिन अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पाषाणकालीन समय में जमे अफ्रीकी मूल के सेंटीनेल, जारवा, सिर्का, ग्रेट अंडमानी, जांगिल, ओंगे आदि कबीलों से अलग हैं ये लोग। सिद्दी या सिदी भारत और पाकिस्तान का एक जातीय समूह है जिसका मूल अफ्रीका है भारत में ये मुख्यतः गुजरात में रहते हैं कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र में भी इनका अस्तित्व है तथा वहां इन्हे सिद्धि, हब्शी या मकरानी के रूप में जाना जाता है। ये कबीलाई सदस्य हैं जो दक्षिण पूर्व अफ्रीका से संबंध रखती बंटू जनजाति के लोग हैं इनमें से कुछ के पूर्वज व्यापारी, नाविक और भाडे के गुलाम सैनिक कारिंदे थे और बहुतों के पूर्वज दूसरों के सेवक या गिरमिटिया गुलाम थे। आज की तारीख में पाकिस्तान के बलोचिस्तानी क्षेत्र की मकरान पर्वत श्रृंखला और कराची में तथा भारत के कर्नाटक, गुजरात, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में संयुक्त रूप से लगभग 70,000-85,000 सिद्दी जनजाति के लोगों की कुल जनसंख्या का अनुमान है।

ऐतिहासिक तथ्य

यह सिद्ध साबित ऐतिहासिक तथ्य है कि तत्कालीन अरब ,तुर्क और पुर्तगाली व्यापारियों द्वारा भी सिद्दी समुदाय को गुलाम -दास और भाड़े के सैनिकों के रूप में भारतीय उपमहाद्वीप के लिए लाया गया था। सिद्दी नाम के मूल पर परस्पर विरोधी परिकल्पनाएं रही हैं जिनमें से एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि सिदी या सिद्धी शब्द साहिबी से निकला है जिसका कारण यह है कि आधुनिक भारत और पाकिस्तान में शब्द साहिब बोला जाता है और इस साहिब शब्द के लिए इसी तरह का उत्तरी अफ्रीका में सम्मान का एक अरबी शब्द भी है। एक दूसरा सिद्धांत यह है कि सिद्दी शब्द अरब जहाजों के कप्तानों के नाम से लिया गया है क्योंकि इन अरबी जहाजों के कप्तानों को सईद या सैय्यद के रूप में जाना जाता था। पहले पहल सिदीयों को भरूच बंदरगाह पर 628 ईस्वी में भारत में लाया गया था,फिर कई अन्य लोगों के समूहों को 712 ईस्वी में भारतीय उपमहाद्वीप के पहले अरब इस्लामी आक्रमणों के साथ लाया गया ,इसमें सैनिक समूह मुहम्मद बिन कासिम के अरब सेना के साथ भाड़े के सैनिकों के रूप में आया था ऐसा इतिहास में भी दस्तावेजी उल्लेख किया गया है। इन सिदी या हब्शी सैनिकों और दासों को जानिस यानी जानिसार अर्थात हुकुम पर जान लुटा देने वाला कहा जाता था। भारत में मुगलों के उदय के पहले तुर्कों के गुलामवंश की दिल्ली सल्तनत काल में जमाल-उद-दीन याकूत नामक सिद्दी हब्शी सुल्तान अल्तुतमिश की शहजादी रजिया सुल्ताना (1205-1240 ई.) का एक करीबी विश्वासपात्र था जो कि एक प्रमुख सिद्दी गुलाम से बना अमीर पद वाला लडाकू मनसबदार रईस था। कुछ सिद्दी समुदाय बारहवीं शताब्दी के बाद जफ्फराबाद, जंजीरा द्वीप पर और वन क्षेत्रों में छोटे सिद्दी समाजों की स्थापना के लिए गुलामी से भाग निकले और ऐसा ही स्थापित एक पूर्व द्वीपीय राज्य जंजीरा हब्शन है।

मराठों का अफ्रीकी सैन्य गुरु

तेरहवीं सदी में भारत के राजाओं के महल में अबीसीनीयाई, सिद्दी गुलामों को रखने का चलन था। अरब और अफ्रीका से भारत के पुराने व्यापारिक रिश्ते थे ही सो इन्हीं देशों से भारत में ये गुलाम लाए जाते थे। मलिक अंबर , जो भारतीय इतिहास में एक प्रमुख सिद्दी हब्शी व्यक्तित्व है,उसे मराठों के सैन्य गुरु के रूप में भी माना जाता है, और इतिहास ने गहराई से मराठा लोगों के साथ मलिक अंबर सिद्दी हब्शी को संबद्ध किया गया है। मलिक अम्बर का जन्म 1549 और मृत्यु 13 मई 1626 को बताई जाती है। मलिक अम्बर हब्शी गुलाम था। वह तरक्की करके वजीर के पद तक पहुंचा था। उसने पहली बार 1601 ई. में उस समय नाम कमाया, जब उसने मुगल सेना को हरा दिया था। मलिक अम्बर एक अबीसीनियायी था और उसका जन्म इथियोपिया में हुआ था। उसके प्रारम्भिक जीवन की विशेष जानकारी उपलब्ध नहीं है।

ऐसा अनुमान है कि उसके निर्धन माता-पिता ने उसे बगदाद के गुलाम-बाजार में बेच दिया था। बाद में उसे किसी व्यापारी ने खरीद लिया और उसे दक्षिण भारत ले आया। मलिक अंबर ने काफी बड़ी मराठा सेना इकट्ठी कर ली मराठे तेज गति वाले थे और दुश्मन की रसद काटने में काफी होशियार थे सो मलिक अम्बर ने मराठों को गुरिल्ला युद्ध में भी निपुणता प्रदान कर दी थी यह गुरिल्ला युद्ध प्रणाली दक्कन के मराठों के लिए परम्परागत थी और वे इसमें और भी निपुण हो गए, लेकिन मुगल इससे अपरिचित थे, मराठों की सहायता से मलिक अम्बर ने मुगलों को बरार, अहमदनगर, और बालाघाट में अपनी स्थिति सुदृढ़ करना कठिन कर दिया था।

आंध्रप्रदेश के सिद्दी

18 वीं सदी में,सिद्दी समुदाय अक्सर आसिफ जाही निजाम की अनियमित सेना के रूप में घुड़सवार सेना गार्ड की सेवा करते थे, जो अरब सिद्दी प्रवासी द्वारा हैदराबाद राज्य में स्थापित किया गया था। आसिफ जाही निजाम रियासत में उन्होंने पुरस्कार के साथ संरक्षण और पारंपरिक मरफ़ा संगीत की जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की और सरकारी समारोहों और समारोह के दौरान प्रदर्शन किया, हैदराबाद की सिद्दीयों को पारंपरिक रूप से सिद्दी रिसाला के नाम से जाना जाता है आज भी वे मस्जिद रहमानी के निकट क्षेत्र में रहते हैं।

कर्नाटक के सिद्दी

कर्नाटक के सिद्दी भी भारत में एक अनुसूचित जनजातीय समूह हैं, इसके सदस्यों को पुर्तगाली व्यापारियों ने दास के रूप में शताब्दियों पहले भारतीय उपमहाद्वीप में लाया गया है ये दक्षिण पूर्व अफ्रीका के बंटू जनजातीय लोग रहे हैं। कर्नाटक में ये सिद्दी येलापुर, हलियाल, अंकोला, जोईडा,मुंडगोड और उत्तर कन्नड़ सिरसी तालुका के आसपास वनों में खेती करते और वन उपज उपजाते हुए रहते है और बेलगाम और धारवाड़ जिले के कालघाटगी के खानपुर में शहरी केंद्रित स्थलों पर रह रहे हैं, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कई सिद्दी परिवार पाकिस्तान चले गए और वे वहां सिंध, कराची के क्षेत्रों में बस गये जिनका मुख्य काम रंगरेजी और मछली पकड़ने का है,कर्नाटक के सिद्दी मुख्यतया रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और उनके ही बीच कुछ सिद्दी हिंदू भी हैं।

सिर्फ गुजराती बोलते हैं ये अफ्रीकी

गुजरात के सौराष्ट्र के तलाणा में हैरत में डालने लोगों की भीड़ दिखाई देगी। दक्षिण अफ्रीका में हब्शी के रूप में पहचाने जाने वाले नीग्रो प्रजाति के लोग गुजरात में लंबे समय से रहते आ रहे हैं। अफ्रीका के नीग्रों की तरह रहने वाली यह प्रजाति शुद्ध रूप से सिर्फ गुजराती भाषा ही जानती है। तलाणा के आसपास के गांवों में ये लोग बसे हुए हैं। लेकिन 'गिर' फारेस्ट के बीचों-बीच 'जंबूर' नामक एक गांव है। इस गांव को गुजरात का अफ्रीका कहा जाता है। इस गांव में आने के बाद आपको बिल्कुल ऐसा ही लगेगा, मानो आप नीग्रो के गांव आ गए हैं। लगभग दो हजार साल पहले 'सीद्दी' भारत आए थे। ऐसा भी कहा जाता है कि इन्हें पानी के जहाजों द्वारा अफ्रीका व अन्य जगहों से लाया गया था। ऐसा भी कहा जाता है कि अरबी और मुगल शासक इन्हें गुलाम बनाकर रखते थे। इसके अलावा इन लोगों का व्यापार भी होता था। ह्युमन ट्रैफिकिंग का यह व्यवसाय अमेरिका से लेकर यूरोप तक फैला हुआ था। जब मुगलों ने भारत की ओर रुख किया तो अपने साथ इन्हें भी यहां ले आए। गुजरात के इतिहास पर नजर करें तो यह भी पता चलता है कि जूनागढ़ के नवाब ने काफी संख्या में इन्हें खरीदा था। नवाबों व राजाओं के शासन के अंत के बाद ये लोग यहीं बस गए। सौराष्ट्र में बसे सीद्दियों की लाइफस्टाइल अब पूर्ण रूप से गुजराती और भारतीय बन चुकी है। लेकिन कुदरत द्वारा प्रदत्त इनकी शारीरिक बनावट अन्य भारतीयों से इन्हें अलग करती है। सिद्दी गुजरात में आदिवासियों की तरह जीवन व्यतीत करते हैं। इनका मुख्य पेशा खेती-किसानी, लकड़ियां बेचना और गाय-भैंसों का पालन है। सीद्दियों की एक और पहचान इनके 'धमाल' नामक नृत्य से भी है। यह नृत्य बिल्कुल अफ्रीकन नीग्रो की तरह होता है। गुजरात के सिद्दी मुख्यतः मुस्लिम धर्म को मानते हैं। वे यहां पिछले आठ सौ सालों से संत नागरची बाबा की आराधना करते आ रहे हैं। सिद्दी हर रोज शाम को ड्रम बजाते हुए जांबूर गांव के बीचों-बीच स्थित मस्जिद में बंदगी करते हैं। इनके बारे में ऐसा भी कहा जाता है कि प्राचीन समय में राजा इन्हें अपने अंगरक्षक के रूप में रखा करते थे। यह प्रजाति शारीरिक रूप से बहुत मजबूत होती है, इसलिए इनकी नियुक्ति राजाओं के अंगरक्षकों के अलावा सेना में भी की जाती थी। 1572 में जब जलालुद्दीन अकबर गुजरात आया तब वह अपने साथ लगभग 700 हब्शी घुड़सवारों को लाया था। इसके अलावा पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भी रहने वाले हब्शी लोगों को लड़ाका माना जाता है।

सेहत सुधारती है पढ़ने की आदत...

हमारे देश की साक्षरता एक तरफ भले ही बढ़ रही हो लेकिन हमारी आज की पीढ़ी में पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति सिरे से खारिज होती जा रही है। आज का युवा अपने विषय के अलावा और किताब को विषयांतर कह कर नकार देता है । वही दूसरी तरफ वह तरह-तरह के स्मार्ट फोन खरीदकर उनके साथ समय व्यतीत कर रहा है। अब टेक्नोलॉजी का जमाना है। लोग लैपटॉप और स्मार्ट फोन में ई बुक पढ़ लेते हैं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जब विदेशी नागरिक हमारे देश में आते हैं तो उन्हें पर्यटन स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे पर हाथों में किताब लिए सहज देखा जा सकता है। जबकि ठीक उन्हीं जगहों पर ज्यादातर भारतीय मोबाइल में गेम खेलते या फेसबुक या व्हाट्सएप पर लगे हुए दिखाई देते हैं। खास बात यह है कि विदेशी लोग मोबाइल ,लैपटॉप ,फेसबुक ,ट्विटर ,व्हाट्सएप की सीमाओं और संभावनाओं को अच्छी तरह जानते हैं।

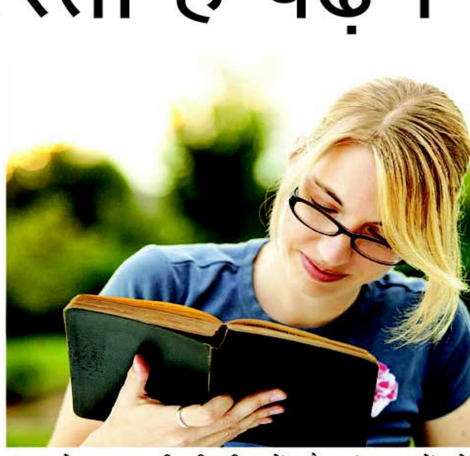

वे पुस्तक की भी सीमाओं और संभावनाओं को जानते हैं। कहा गया है कि किताबें व्यक्ति की अच्छी दोस्त होती हैं। कुछ लोग इसे शौक के तौर पर पढ़ते है लेकिन कुछ किताबों को पढ़ना बोरिंग समझते हैं और कंप्यूटर व टीवी को ही अपना अच्छा दोस्त मानते हैं लेकिन सच तो यह है कि किताबें हमारे व्यक्तित्व को निखारती ही नहीं बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती हैं। एक शोध से पता चला है जो शौक के लिए पढ़ते हैं उनका स्वास्थ्य ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 33 प्रतिशत ज्यादा बेहतर रहता है।

दिमाग तेज होना: किताबें पढ़ने से आदमी की याददाश्त बढ़ती है। टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने की तुलना में पढ़ाई करने वालों का दिमाग ज्यादा तेज होता है। इसके अलावा किताब पढ़ने की आदत व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को बढ़ाती है।

दिमाग फ्रेश होना: किताबें पढ़ने की आदत से आदमी का दिमाग हमेशा जवां रहता है। जो लोग रचनात्मक कार्यो जैसे पढ़ाई में अधिक वक्त बिताते हैं उनका दिमाग ऐसा न करने वालों की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक जवां रहता है।

आई क्यू लेवल बढ़ना

जो लोग किताबें अधिक पढ़ते हैं उनका आई-क्यू लेवेल भी अधिक होता है। किताबें व्यक्ति को रचनाशील बनाती हैं जिसके कारण उनकी सोचने और समझने की क्षमता बढ़ जाती है।

अल्जाइमर से बचाव

अल्जाइमर एक प्रकार की दिमागी बीमारी है। इसके कारण व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। जो लोग दिमागी गतिविधियों जैसे-पढ़ाई, चेस खेलना, पजल खेलने में व्यस्त रहते हैं उनमें अल्जाइमर के विकसित होने की संभावना कम होती है।

तनाव दूर होता है

किताबें व्यक्ति के तनाव के हार्मोन यानी कार्टिसोल के स्तर को कम करती हैं, जिससे तनाव दूर रहता है। अगर आप अपने दिन को खुशनुमा बनाना चाहते हैं तो पढ़ने की आदत इसमें आपकी मदद कर सकती है। यदि आपके पास आज कोई काम नहीं है तो दिन को बेहतर बनाने के लिए एक अच्छी किताब पढ़िए।

अच्छी नींद

रात में देर तक टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने से आपकी नींद उड़ सकती है, लेकिन रात में सोने से पहले किताब पढ़ने से आपको अच्छी नींद का आ सकती है। इसलिए रात को सोने से पहले किताब पढ़ना न भूलें।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)